NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 14 अगस्त, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-226

निवेशकों को डरा कर राहुल गांधी खुद कमा रहे लाखों

हिंडनबर्ग की आड़ में राहुल की कमाई 10 लाख महीना

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अडाणी समूह के खिलाफ चीन की साजिशों में शामिल होकर राहुल गांधी हिंडनबर्ग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रहे हैं और शेयर बाजार को धराशाई करने में जुटे हैं, लेकिन दूसरी तरफ इस शेयर संकट का फायदा उठा कर कमाई भी कर रहे हैं। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पिछले 5 महीने में स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों में पैसा लगा कर 46.50 लाख रुपए की कमाई की है। इस तरह कांग्रेस नेता ने शेयर बाजार से बीते 5 महीनों में औसतन करीब 10 लाख रुपए प्रति महीने की कमाई की है।

राहुल गांधी के पास फिलहाल 24 कंपनियों के शेयर हैं। उनके पास पिडलाइट इंडस्ट्रीज़ के सबसे अधिक मूल्य के शेयर हैं जिसकी कीमत 44.95 लाख रुपए है। उनके पास दूसरे नंबर पर एशियन पेंट्स के 37.52 लाख रुपए के शेयर हैं। इसी तरह उनके पास बजाज फाइनेंस के 36.47 लाख रुपए और एचयूएल के 31.97 लाख रुपए के शेयर हैं। राहुल गांधी के पास इनके अलावा टाइटन के 29.41 लाख रुपए, डिविस लैब के 27.71 लाख रुपए और आईसीआईसीआई बैंक के 27.01 लाख रुपए के शेयर हैं। उनके पास नेसले के 24.71 लाख रुपए, एलटीआई माइंडट्री के 22.06 लाख रुपए और इन्फोसिस के 22.06 लाख रुपए के शेयर हैं। राहुल गांधी के पास फिलहाल शेयर मार्केट में 4.80 करोड़ रुपए की सम्पत्ति है। राहुल गांधी ने 15 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव 2024 में केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन के दौरान जो आंकड़े दिए थे, उससे भी उनकी शेयर सम्पत्ति के संदर्भ लिए गए हैं और कुछ शेयर सम्पत्तियां अभी ताजा अर्जित की हुई हैं।

5 महीने में 46 लाख मुनाफा

शेयर बाजार को बता रहे 'रिस्की' खुद उसी से पी रहे 'व्हिस्की'

उधर हिंडनबर्ग ने भारतीय नियामक संस्था सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी और उनके पति धवल बुच पर गौतम अडाणी के साथ मिले होने का आरोप लगाया और इसके लिए 2015 के एक मामले का जिक्र किया। इस आधार पर कांग्रेस पार्टी सेबी अध्यक्ष का इस्तीफा मांग रही है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि आम लोगों का निवेश खतरे वाले स्तर पर पहुंच गया है। इंडी गठबंधन लगातार अपने ही देश के उद्योगपतियों के खिलाफ अभियान चला रहा है।

चीन अमेरिका राहुल हिंडनबर्ग षडयंत्र के बावजूद मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत होने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। इस कारण से आम निवेशकों के साथ-साथ देश के बड़े राज-नेताओं को भी जमकर मुनाफा हो रहा है। इसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हैं। आईएएनएस के कैलकुलेशन के मुताबिक, राहुल गांधी को बीते करीब पांच महीने में शेयर बाजार से 46.49 लाख रुपए का मुनाफा हुआ है। ▶10पर

वक्फ संशोधन विधेयक

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का महत्वपूर्ण फैसला

जगदंबिका पाल जेपीसी के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ सांसद जगदंबिका पाल को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जगदंबिका पाल को 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। 73 वर्षीय जगदंबिका पाल चौथी बार लोकसभा के सदस्य हैं और माना जाता है कि सभी दलों के नेताओं के साथ उनके अच्छे रिश्ते हैं।

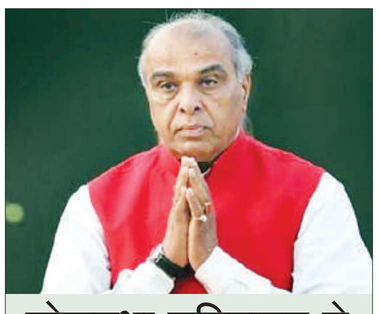

लोकसभा सचिवालय से अधिसूचना जारी

विधेयक के प्रावधानों पर लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच सरकार ने इसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया था। संयुक्त समिति में 31 सदस्य हैं। इनमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य हैं। अगले सत्र तक यह समिति अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। लोकसभा और राज्यसभा ने केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा पेश एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था, जिसमें समिति का हिस्सा बनने के लिए सदस्यों को नामित किया गया था। संयुक्त समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है, उनमें भाजपा के आठ और कांग्रेस के तीन सांसद शामिल हैं। राज्यसभा से समिति में शामिल किए गए सदस्यों में से चार भाजपा के और एक-एक सदस्य कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, वाईएसआर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आपा) के हैं। एक मनोनीत सदस्य को भी समिति का सदस्य बनाया गया है।

समिति में शामिल लोकसभा सदस्यों में भाजपा से जगदंबिका पाल, ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

हिंदुओं और अल्पसंख्यक छात्रों के आंदोलन का असर

ढाकेश्वरी मंदिर पहुंचे मोहम्मद यूनुस

ढाका, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे अत्याचार से दुनियाभर में हुई बांग्लादेश सरकार की निंदा के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने आज प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और आंदोलनकारी हिंदू और अल्पसंख्यक छात्रों से मुलाकात की। इस दौरान उन आठ सूत्री मांगों पर चर्चा की गई, जिसके लिए अल्पसंख्यक छात्रों ने अल्टीमेटम दिया था। यूनुस ने उनकी मांगों पर गौर करने और अल्पसंख्यकों पर हमले रोकने के लिए जरूरी उपायों का भरोसा दिया है। यूनुस ऐसे समय मंदिर पहुंचे हैं, जब बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर में कहा कि देश को संकट से बाहर निकालना होगा। हमें एकजुट होना होगा। यह समय बंटने का नहीं, बल्कि साथ रहने क है। सभी को धैर्य और संयम का पालन करना होगा। हम ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, जो एक परिवार जैसे रहे। जिसमें हिंसा न हो। हमें यहां शांति सुनिश्चित करनी होगी। ▶10पर

अल्पसंख्यक छात्रों से की मुलाकात सुरक्षा का दिया भरोसा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा

मेघालय के निजी विवि का ढांचा जेहादी

गुवाहाटी, 13 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मेघालय की प्राइवेट यूनिवर्सिटी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। हिमंत ने यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय (यूएसटीएम) के ढांचे को मक्का की तरह बताया है और विश्वविद्यालय को जेहाद का बाप कहा। सरमा ने कहा, विश्वविद्यालय का गेट जेहाद की निशानी जैसी है और इसमें जाते हुए शर्म आती है। इससे पहले, उन्होंने इस यूनिवर्सिटी को फ्लड जेहाद के लिए जिम्मेदार बताते हुए हमला बोला था। हिमंत बिस्व सरमा ने यूएसटीएम नाम की प्राइवेट यूनिवर्सिटी के ढांचे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी के बड़े गेट के ऊपर तीन डोम बने हैं। उन्होंने कहा कि यहां जाना शर्मनाक है, क्योंकि ऐसा लगता है जैसे हम मक्का में जा रहे हैं। असम के सीएम ने कहा कि हम यह कह रहे हैं कि यहां पर एक मंदिर भी होना चाहिए। ▶10पर

संयुक्त राष्ट्र ◀ भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत ने रखी मांग

सुरक्षा परिषद का पुनर्गठन होना चाहिए

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन की मांग की है। भारत ने कहा है कि दुनिया में शांति और सुरक्षा की रक्षा करने की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियां निभाने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पूरी तरह फेल साबित हुआ है। लिहाजा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में फेरबदल और उसका पुनर्गठन शीघ्र किया जाना चाहिए। यह समय की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत के बतौर आर. रवींद्र ने यह मांग रखी है।

दायित्व निभाने में यूएनएससी पूरी तरह फेल

भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की मांग कर रहा है। अब एक बार फिर भारत ने मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा काउंसिल (यूएनएससी) में बदलाव की मांग की है और कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में जब दुनियाभर में संघर्ष बढ़ रहे हैं, उनमें यूएनएससी पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में असमर्थ साबित हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक उच्च स्तरीय परिचर्चा में जी-4 देशों- ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से बयान देते हुए भारतीय राजदूत ने यह बात कही।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रभारी राजदूत आर. रवींद्र ने कहा कि हाल ही में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं ने स्पष्ट रूप से दिखाया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की रक्षा करने की अपनी प्राथमिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ है। जबकि इस वक्त दुनिया को इसकी सबसे अधिक जरूरत है। 1945 में जब परिषद की स्थापना की गई थी, ▶10पर

तरनतारन में बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया

जालंधर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस से पहले जारी हाई अलर्ट के बीच पंजाब सीमा से भारत में दाखिल होने की कोशिश कर रहे एक संदिग्ध पाकिस्तानी घुसपैठिए को सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने मार गिराया।

बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि एक व्यक्ति को सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे तरनतारन जिले के डल गांव में चोरी-छिपे अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर सीमा बाड़ के पास जाते हुए देखा गया। प्रवक्ता ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवानों ने घुसपैठिए को रुकने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं रुका और सीमा सुरक्षा बाड़ की तरफ बढ़ता रहा। उन्होंने कहा, आसन्न खतरे को भांपते हुए और ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 25^0

हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है तिरंगा : धनखड़

कुछ लोग भारत के विकास की तेज गति को पचा नहीं पा रहे

वे बाधाएं पैदा करना चाहते हैं और अस्थिरता लाना चाहते हैं

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जनता से विध्वंसक ताकतों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं है- यह हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है और भारतीय पहचान को चुनौती देना हमारे अस्तित्व को चुनौती देने के समान है।

श्री धनखड़ ने मंगलवार को भारत मंडपम से हर घर तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि कुछ लोग भारत के विकास की तेज गति को पचा नहीं पा रहे हैं। वे बाधाएं पैदा करना चाहते हैं और अस्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने तिरंगे के महत्व का उल्लेख करते हुए लोगों से विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होने और इससे प्रेरणा लेने का आग्रह किया और सभी से किसी भी परिस्थिति में राष्ट्र के हित को सर्वोपरि रखने की अपील की। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य सभी भारतीयों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना जगाना और एकता की भावना को बढ़ावा देना है। ▶10पर

अरुणाचल की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में झलकती है देशभक्ति की भावना : मोदी

ईटानगर/नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग के सेप्पा में हर घर तिरंगा यात्रा पर हर्ष जताया और कहा कि राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में देशभक्ति की भावना साफ झलकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के वीडियो पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए श्री मोदी ने लिखा, अरुणाचल प्रदेश एक ऐसी भूमि है, जहां हर नागरिक के दिल में देशभक्ति की भावना गहराई से समाई हुई है। यह राज्य की जीवंत सांस्कृतिक विरासत में साफ झलकती है। हर घर तिरंगा के प्रति ऐसा उत्साह देखकर खुशी हुई। पूर्वी कामेंग जिले के मुख्यालय सेप्पा में आज 600 फीट ऊंचे तिरंगे के साथ विशाल हर घर तिरंगा यात्रा सार्वजनिक रैली निकाली गयी और स्वतंत्रता, देशभक्ति तथा राष्ट्रवाद की भावना का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम की 54 सेकंड की वीडियो क्लिप को एक्स पर पोस्ट करते हुए श्री खांडू ने लिखा, हमारी शान तिरंगा जिसमें बताया गया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत पूर्वी कामेंग के सेप्पा में 600 फीट की भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित की गयी। राज्य के गृह मंत्री मामा नटुंग के साथ विधायक ईलिंग तलांग और हेयेंग मंगफी, पूर्वी कामेंग के डिप्टी कमिश्नर सचिन राणा, एसपी कामदम सिकॉम, जिला प्रशासन के अधिकारी, स्कूली बच्चे और अन्य हितधारकों ने तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। ▶10पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

शुभ लाभ

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं : आईएईए

वियना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने सोमवार देर रात कहा कि उसके विशेषज्ञों ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) के क्षतिग्रस्त कूलिंग टावर का दौरा किया है, लेकिन रविवार को वहां लगी आग का कारण पता नहीं लगा पाए हैं। रूस और यूक्रेन ने इस घटना के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया है। रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन हमले का आरोप लगाया, जबकि यूक्रेन ने कहा है कि यह आग रूसी लापरवाही या आगजनी से लगी होगी। ने अपने बयान में कहा कि जेडएनपीपी में तैनात उसके विशेषज्ञों ने क्षतिग्रस्त कूलिंग टावर के स्थल पर अपने अवलोकन के बाद यह आकलन किया कि यह संभावना नहीं है कि आग का प्राथमिक स्रोत कूलिंग टावर का आधार रहा हो।

बयान के अनुसार, विशेषज्ञों ने यह निर्धारित किया नुकसान संभवतः टावर के अंदरूनी हिस्से में करीब 10 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पानी के नोजल वितरण स्तर पर केंद्रित था। आईएईए विशेषज्ञ दल ने अपने निरीक्षण के दौरान टायर या ड्रोन के अवशेष नहीं देखे, और उन्होंने पुष्टि की कि कूलिंग टावर के आधार पर स्थित मलबे, या कालिख में गड़बड़ी के कोई महत्वपूर्ण संकेत नहीं थे।आईएईए ने बयान में कहा, टीम अब तक के निष्कर्षों और टिप्पणियों के आधार पर निश्चित निष्कर्ष नहीं निकाल पायी है और आगे की जांच जारी रखी जायेगी। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था ने कहा कि जेडएनपीपी की परमाणु इस घटना से प्रभावित नहीं हुई है क्योंकि इसके कूलिंग टावर चालू नहीं हैं। एजेंसी ने संयंत्र के कूलिंग टावर के क्षेत्र में बढ़े हुए विकिरण स्तर के कोई संकेत नहीं होने की भी पुष्टि की। गौरतलब है कि आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने सोमवार को कहा था जेडएनपीपी के कूलिंग टावरों में से एक पर ड्रोन हमला हुआ है, लेकिन इससे परमाणु सुरक्षा पर किसी किस्म का खतरा उत्पन्न नहीं हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका में भूकंप से हिली धरती, दक्षिणी कैलिफोर्निया के लाखों लोग प्रभावित

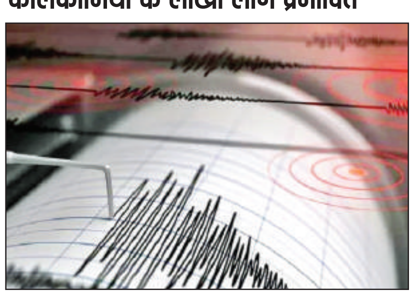

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में सोमवार दोपहर लगे भूकंप के झटकों से लाखों लोग प्रभावित हुए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 तीव्रता आंकी गई। इस दौरान कहीं से भी कोई बड़ी क्षति की सूचना नहीं मिली। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप दोपहर 12.20 बजे आया। यह लॉस एंजिल्स शहर से लगभग पांच मील उत्तर-पूर्व में पासाडेना के ठीक बाहर केंद्रित था। भूकंप विज्ञानी सुसान हफ ने कहा, भूकंप के समय वह पासाडेना में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी परिसर में थे। यह स्पष्ट रूप से चौंकाने वाला झटका था। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इसके दो बाद 2.1 तीव्रता का झटका आया। यह झटका बेकर्सफील्ड, सैन डिएगो और जोशुआ ट्री नेशनल पार्क में 100 मील से अधिक दूर तक महसूस किया गया। इस भूकंप का केंद्र पूर्वोत्तर लॉस एंजिल्स के एक छोटे से इलाके एल सेरेनो में था।

पाकिस्तान में पंजगुर के डिप्टी कमिश्नर की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को पंजगुर के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जाकिर बलूच की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस घटना को बर्बर और शर्मनाक कहा है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मस्तुंग जिले के खड़ा-कुचा इलाके के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात हथियारबंद लोगों ने उनकी कार को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की। डिप्टी कमिश्नर बलूच, पंजगुर नगर समिति के अध्यक्ष अब्दुल मलिक बलूच और उनके दोस्त अहमद जान के साथ एक वाहन में पंजगुर से क्वेटा जा रहे थे। सशस्त्र हमलावरों ने कांड उमरानी इलाके के पास उन पर गोलियां चला दीं और भागने में सफल रहे। इस घटना में डीसी जाकिर बलूच और उनके दोस्त गोली लगने से घायल हो गए। सूचना मिलते ही अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। प्रारंभिक उपचार के दौरान डीसी ने दम तोड़ दिया। दोनों घायलों को क्वेटा सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रेफर किया गया। इस बीच फोर्स ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने डीसी जाकिर बलूच की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के लिए धैर्य की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की है। सूत्रों के अनुसार, कम से कम 15 हथियारबंद लोग सड़क को अवरुद्ध कर वाहनों की तलाशी ले रहे थे। उन्होंने डिप्टी कमिश्नर के वाहन को भी रोकने की कोशिश की। जब वाहन तेजी से आगे बढ़ा तो उन्होंने गोलियां चला दीं। सुरक्षाबलों ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

डीडीओस अटैक के चलते ट्रंप के इंटरव्यू में आई थी दिक्कत

वॉशिंगटन। दुनिया के अमीरों में शुमार सोशल मीडिया साइट एक्स चीफ एलन मस्क को इंटरव्यू देने के लिए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ समय के लिए एक्स पर वापसी की। हालांकि जब इंटरव्यू शुरू होने का समय आया तो एक्स स्पेस ही क्रैश हो गया। एलन मस्क ने आरोप लगाया कि यह डीडीओस अटैक है। बताया जा रहा है कि एक्स पर डोनाल्ड ट्रंप अगर बने रहते हैं तो उन्हें चुनावी अभियान में मजबूती मिलेगी। 6 जनवरी 2020 को कैपिटल हिल पर हुई हिंसा के बाद उन्हें ट्विटर पर बैन कर दिया था। 2022 में मस्क ने ट्विटर को खरीद लिया और इसके बाद ट्रंप के अकाउंट से बैन हटा दिया गया था। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने अब तक सोशल मीडिया साइट पर वापसी नहीं की थी।एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप का इंटरव्यू लाइव ना होने पर उन्होने कहा था कि यह बड़ा डीडीओएस अटैक है और इंटरव्यू को बंद करने की कोशिश की गई है। इसके बाद इंटरव्यू में देरी हो गई। दरअसल डीडीओएस का मतलब डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस अटैक होता है। इससे एक सर्वर या फिर नेटवर्क पर हमला होता है जिसे कि सामान्य इंटरनेट ट्रैफिक प्रभावित हो जाता है। साइबरसिक्योरिटी कंपनी फोर्टीनेट इसे साइबरक्राइम की श्रेणी में रखता है। इंटरव्यू के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने रूस, चीन और उत्तर कोरिया के राष्ट्राध्यक्षों की तारीफ की।

अब आरपार के मूड में आया रूस

कुर्स्क में गिराया तबाही मचाने वाला खतरनाक थर्मोबैरिके वैक्यूम बम!

मॉस्को, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

यूक्रेन की सेना ने रूस को झटका देते हुए कुर्स्क क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यूक्रेनी सेना ने रूस के भीतर 1000 वर्ग किमी क्षेत्र में कब्जा कर लिया है। इसके जवाब में रूसी सेना की ओर से काफी आक्रामक रुख अपनाया गया है और खतरनाक हथियारों का इस्तेमाल क्षेत्र में किया गया है। रूस यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क में और अंदर तक घुसने से रोकने के लिए खतरनाक थर्मोबैरिक बम गिरा रहा है। वैक्यूम बम के नाम से जाना जाने वाला यह विनाशकारी बम जिस इलाके में गिरता है, वहां घातक रसायन छोड़ता है। इससे लोगों की दम घुटकर या फेफड़ों में संक्रमण होकर जान चली जाती है। ये खतरनाक बम बड़ी संख्या में लोगों की जान ले सकता है।

एक रिपोर्ट में कुर्स्क में ये बम गिराए जाने का दावा किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि युद्धग्रस्त कुर्स्क क्षेत्र में ये बम कहां गिराए गए और इससे कितना नुकसान हुआ। जब तक नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा है, तब तक वैक्यूम बमों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं है। थर्मोबैरिक (वैक्यूम) बमों का रूस पहले भी इस्तेमाल करता रहा है। रूस पर 2022 में यूक्रेनी तेल डिपो पर ये बम गिराने का आरोप लगा था।

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बनाए गए थे ये बम

थर्मोबैरिक हथियार दूसरे द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों ने बनाए थे। हालांकि इनका पहली बार इस्तेमाल अमेरिका ने वियतनाम में किया था। ये बम जब कहीं गिराया जाता है तो इसके शुरुआती विस्फोट से बड़ी मात्रा में रासायनिक कण हवा में फैल जाते हैं और इसके विनाशकारी प्रभाव होते हैं। माना जा रहा है कि यूक्रेन से मिले बड़े झटके का जवाब देने के लिए रूस की ओर से ये बम चलाए गए हैं।

यूक्रेनी सेना के बीते हफ्ते किए गए हमले के बाद वह रूसी क्षेत्र में 20 किलोमीटर तक घुसने में सफल रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना के हमले में सैकड़ों रूसी सैनिक मारे गए हैं और गिरफ्तार हुए हैं। इसके बाद रूस ने अपने क्षेत्र को वापस पाने और कीव को आगे पैर जमाने से रोकने के लिए आक्रामकता दिखाई है। रूस ने बड़ी तादाद में हथियार कुर्स्क के सुदजांस्की की रक्षा के लिए भेजे हैं, ये इलाका एक हफ्ते से यूक्रेनी हमलों के केंद्र में है।

रूस ने अपने दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त टैंक, तोपखाने और रॉकेट प्रणालियां भेजी हैं। रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को आपातकाल घोषित कर दिया और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से व्लादिमीर पुतिन और रूस के सामने यूक्रेन की ओर से पेश की गई यह सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है।

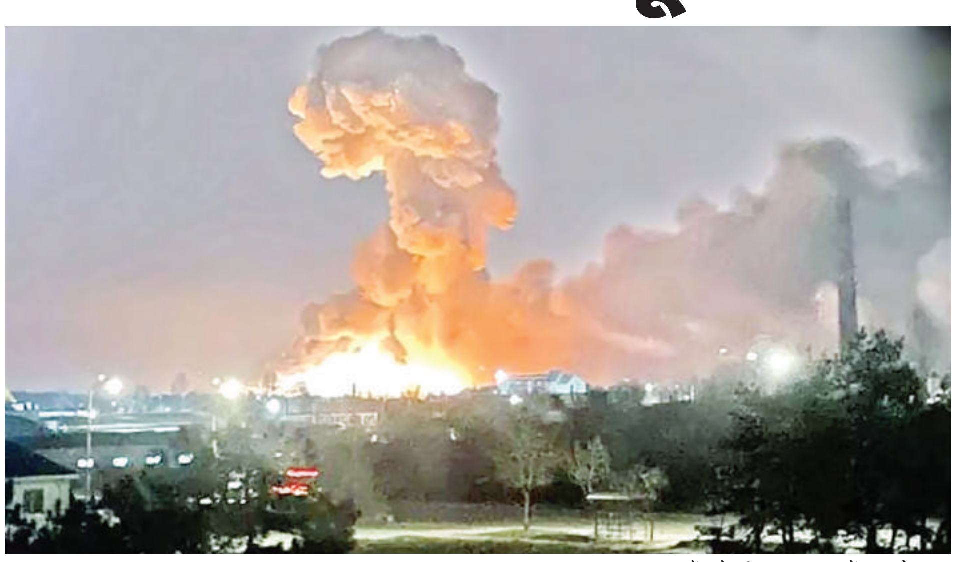

यूक्रेन के सैन्य कमांडर ने किया रूस के कुर्स्क क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण का दावा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना के अभियान की पुष्टि के एक दिन बाद मंलवार को यूक्रेन के सैन्य कमांडर जनरल ओलेक्सांद्र सिरस्की ने दावा किया है कि उनकी सेना ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में लगभग 1,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नियंत्रण बना लिया है। इससे पहले जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में देश के सैनिकों और कमांडरों की 'उनकी दृढ़ता और निर्णायक कार्रवाई के लिए' प्रशंसा करते हुए यह बात कही। उन्होंने रूसी क्षेत्र में अपने सैनिकों के अभियान के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन इस क्षेत्र में मानवीय सहायता प्रदान करेगा।

शेख हसीना के आरोपों का यूएस ने किया खंडन

बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता में हमारी कोई भूमिका नहीं : अमेरिका

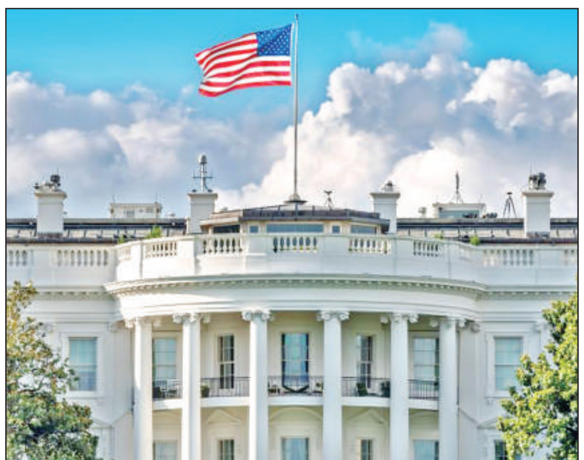

वाशिंगटन, 12 अगस्त। (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस ने बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप के आरोपों को खारिज कर दिया है। बांग्लादेश में हिंसा के चलते पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। व्हाइट हाउस ने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता में हमारी कोई भूमिका नहीं है। इन घटनाओं में अमेरिकी प्रशासन का हाथ होने संबंधी कोई भी खबर या अफवाह झूठी है। यह सच नहीं है।

मीडिया में आई खबरों पर व्हाइट हाउस ने कहा कि हसीना के कथित दावे के हवाले से कहा है कि हसीना का कहना है कि अगर उन्होंने सेंट मार्टिन द्वीप का आधिपत्य त्याग दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दी होती, तो वह सत्ता में बनी रहतीं। इन रिपोर्ट्स को व्हाइट हाउस ने खारिज कर दिया है। हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने इस बात से इनकार किया है कि उनकी मां ने ऐसा कोई बयान दिया है। वाजेद ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- हाल ही में एक अखबार में प्रकाशित मेरी मां का इस्तीफे से संबंधित बयान पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत है। उन्होंने मुझसे बातचीत में इसकी पुष्टि की है कि उन्होंने ढाका छोड़ने से पहले या बाद में ऐसा कोई बयान नहीं दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि अपना भविष्य तय करना बांग्लादेश के लोगों का अधिकार और विशेषाधिकार है। अपने नेता को चुनना बांग्लादेशी लोगों का उनके लिए, उनके द्वारा लिया गया एक अहम फैसला है। हमारा मानना है कि बांग्लादेश के लोगों को अपनी सरकार का भविष्य तय करना चाहिए। किसी भी तरह के आरोपों पर हम यही कहते रहेंगे कि उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

वाजेद बोले-मेरी मां का इस्तीफे से संबंधित बयान झूठा और मनगढ़ंत

नेपाल में मधेश राज्य की गठबंधन सरकार के सभी आठ राज्यमंत्री पद से हटाए गए

काठमांडू, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल के मधेश राज्य की गठबंधन सरकार के जम्बो मंत्रिमंडल को लेकर विपक्षी दलों के निशाने पर आये मुख्यमंत्री सतीश सिंह ने अपने आठ राज्यमंत्रियों को पद से हटा दिया है। घटक दलों के दबाव में ही सिंह ने जम्बो मंत्रिमंडल बनाया था।

मधेश राज्य के मुख्यमंत्री सिंह की सिफारिश पर राज्यपाल की तरफ से आठ राज्यमंत्रियों को पदमुक्त किए जाने की अधिसूचना प्रकाशित की गई है। हटाए गए सभी आठ राज्यमंत्रियों को पिछले हफ्ते ही मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। राज्यमंत्रियों को हटाने के निर्णय का मुख्यमंत्री सिंह की जनमत पार्टी ने स्वागत किया है। दरअसल प्रदेश में अब तक के सबसे बड़े मंत्रिमंडल के गठन के बाद मुख्यमंत्री सिंह की काफी आलोचना हो रही थी। इस निर्णय पर खुद उनकी पार्टी भी खुश नहीं थी। मुख्यमंत्री सिंह का दावा है कि उन्होंने अकेले यह निर्णय नहीं किया था। प्रदेश में गठबंधन सरकार है। गठबंधन के घटक दलों के दबाव में मुख्यमंत्री को जम्बो मंत्रिमंडल गठित करना पड़ा।

राज्यमंत्री को हटाने के निर्णय पर उनकी जनमत पार्टी ने प्रसन्नता जाहिर की है लेकिन गठबंधन के बाकी घटक दलों की अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी है। सत्ता को समर्थन दे रहे दल नेपाली कांग्रेस और नेकपा (एमाले) के नेता इस बारे में प्रतिक्रिया देने से बच रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि इस हालात पर वो बैठक के बाद कोई फैसला करेंगे।

आज हटाए जाने वाले राज्यमंत्रियों में जनमत के दो, नेपाली कांग्रेस के दो, नेकपा (एमाले) के दो, लोसपा के एक, नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के एक नेता शामिल हैं। मंत्रिमंडल की संख्या 20 पहुंचने पर आम जनता ने सोशल मीडिया पर काफी आलोचना की थी। लोगों की नाराजगी देखते हुए जनमत पार्टी ने अपने मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा था जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

पाक के पूर्व आईएसआई चीफ की छिन सकती हैं सरकारी सुविधाएं

इस्लामाबाद। खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद को पाकिस्तान की सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। हामिद की गिरफ्तारी की पुष्टि आईएसपीआर ने की है। उन्हें पूर्व पीएम इमरान खान का करीबी माना जाता है। इमरान सरकार के दौरान फैज हामिद को सेना प्रमुख बनाने की चर्चा थी। तख्तापलट के कारण यह योजना सफल नहीं हो सकी। हामिद पर अफगानिस्तान की नागरिक सरकार को अस्थिर करने और काबुल पर तालिबान के कब्जे में मदद करने का भी आरोप लगा था। आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए, फैज हामिद के खिलाफ टॉप सिटी केस में की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना ने इसकी जांच की।

अमेरिका के दुश्मन देशों की ताकत बढ़ा रहा सनकी किम जोंग उन

ईरान को केमिकल हथियार और परमाणु सीक्रेट कर रहा सप्लाई

प्योंगयांग, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान की इजराइल को धमकी और अमेरिका का इजराइल के बचाव में युद्धपोत व विमान तैनात करना तनाव को बढ़ावा देने जैसा है। ऐसे में परमाणु हथियारों को लेकर उत्तर कोरिया, अमेरिका और पश्चिमी देशों के दुश्मनों की ताकत बढ़ा रहा है। उत्तर कोरिया ईरान और उसके प्रॉक्सी को हथियारों से लैस कर रहा है। उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों का कोई असर नहीं है।

एक एक्सपर्ट्का कहना है कि ईरान को तेजी से हथियारों की सप्लाई इसलिए नहीं कर रहा क्योंकि वह इनका प्रोडक्शन ही तेजी से नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर जस्टिन हेस्टिंग्स ने कहा कि अगर ईरान हथियार खरीद रहा था तो उत्तर कोरिया उसे बेच रहा है। उत्तर कोरिया के खिलाफ प्रतिबंध सिर्फ कागज पर दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि रूस और चीन अब सहयोग नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के लिए यह कोई समस्या नहीं है कि अगर ईरान हथियारों को हिजबुल्ला और हूती विद्रोहियों को देता है। उत्तर कोरिया अपने दुश्मन देश अमेरिका और दक्षिण कोरिया के दुश्मनों को हथियार बेचकर मजबूत कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि इससे भी बड़ा कारण है कि उन्हें पैसों की जरूरत है। आप सोच सकते हैं कि ईरान उत्तर कोरिया से और ज्यादा धन लेने में दिलचस्पी रख सकता है।। उन्होंने कहा कि अब तस्करी की जगह उत्तर कोरिया के लिए सीधे व्यापार करना आसान हो रहा है। क्योंकि अब प्रतिबंधों का दबाव कम हो रहा है, जिस कारण वह व्यापार करने को ज्यादा सुरक्षित मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया अब सीधे चीन या रूस के जरिए से ईरान को हथियार भेज सकता है। कोई भी मूलरूप से इस पर ध्यान नहीं देगा कि वे यहां कैसे पहुंच रहे हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि उत्तर कोरिया की उत्पादन क्षमता ही उसे तेजी से हथियारों की सप्लाई में बाधा डाल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने 7 अक्टूबर के आतंकी हमले में उत्तर कोरिया की आरपीजी का इस्तेमाल किया था। इजरायल ने जिन हथियारों को हमास के ठिकानों से बरामद किया उसमें कोरियाई भाषा में लिखा हुआ था। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के चलते उत्तर कोरिया पर हथियारों की बिक्री का प्रतिबंध है लेकिन दशकों से इसमें ईरान के साथ मिसाइल सीक्रेट्स का व्यापार किया है। इसके अलावा उत्तर कोरिया ने केमिकल हथियार के पुरजे और हथियारों को बनाने की तकनीक भी उपलब्ध कराई है।

ईरान ने इज़राइल को हमले की धमकी भी दी थी

ईरान ने जंग की तैयारी की पूरी, कभी भी कर सकता है हमला

वाशिंगटन, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

ईरान ने इजरायल को हमले की धमकी भी दी थी। अब कहा जा रहा है कि ईरान ने हमले की तैयारी पूरी कर ली है और इस हफ्ते वो इजरायल पर किसी भी वक्त हमला कर सकता है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी के अनुसार वाशिंगटन जेरूसलम के इस आकलन से सहमत है कि ईरान इस सप्ताह इजरायल पर बड़ा हमला कर सकता है। बता दें कि इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ईरान और लेबनान के हिजबुल्लाह समूह ने पिछले महीने हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह कमांडर फुआद शुक्र की हत्या का बदला लेने की कसम खाई थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा, हमें बड़े पैमाने पर होने वाले हमलों के लिए तैयार रहना होगा। किर्बी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल के क्षेत्र में विमान वाहक स्ट्राइक समूह और एक निर्देशित मिसाइल पनडुब्बी भेज रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि बाइडेन ने बढ़ते तनाव पर चर्चा के लिए सोमवार को फ्रांस, जर्मनी, इटली और ब्रिटेन के नेताओं के साथ चर्चा भी की। दूसरी ओर हमले की आशंका को देखते हुए कई एयरलाइन कंपनियों ने इजरायल जाने वाली अपनी फ्लाइट को रद्द कर दिया है।

हिजबुल्ला ने सोमवार को उत्तरी इजराइल में एक सैन्य अड्डे पर कत्युशा रॉकेटों से हमला किया था। रॉकेटों ने उत्तरी इजरायल के गाटन शहर में इजरायली रक्षा बलों के 146वें डिवीजन के नए मुख्यालय को निशाना बनाया। आईडीएफ ने पुष्टि की कि हिजबुल्लाह ने सोमवार को लेबनान से

पश्चिमी गैलिली में लगभग 30 रॉकेट दागे। इनमें से कई किबुत्ज काबरी के पास खुले इलाकों में गिरे। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। लेबनान के सैन्य सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया था कि रविवार देर रात दक्षिणी लेबनान के मारौब गांव पर इजरायल हवाई हमले में 12 नागरिक घायल हो गए और कई घर नष्ट हो गए। 30 जुलाई को बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजरायल के हमले के बाद लेबनान में तनाव बना हुआ है। हमले में वरिष्ठ हिजबुल्ला सैन्य कमांडर फौद शोकोर और सात अन्य मारे गए थे। ईरान के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने हाल ही में हमले की बात भी दोहराई थी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गॉड्र्स कॉर्प्स के अंतर्गत आने वाले कुद्स फोर्स के कमांडर इस्माइल कानी ने एक पत्र लिख कर याह्या सिनवार को हमास पोलित ब्यूरो के नए प्रमुख पद पर नियुक्ति के लिए बधाई दी थी। साथ ही हानिया की मौत पर संवेदना व्यक्त की। क़ानी ने कहा, हानिया के खून का बदला लेना हम अपना कर्तव्य समझते हैं। जो ईरान में एक अप्रिय घटना में मारे गए थे।

हानिया को 30 जुलाई के दिन ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, अगले दिन तेहरान में वह अंगरक्षकों समेत मारे गए थे। ईरान ने इजरायल पर हमले को अंजाम देने का आरोप लगाया था और कठोर और दर्दनाक प्रतिक्रिया के तहत बदला लेने की कसम खाई थी।

ईरान और इजरायल में कौन ताकतवर- ईरान के पास 610000 सैन्यकर्मियों हैं। जबकि इजरायल के पास 170000 सैन्य बल हैं। ईरान के सुरक्षित फोर्स का आंकड़ा 350000 है। जबकि इजरायल के पास 465000 है। ईरान के अर्धसुरक्षा बल का आंकड़ा 220000 है। वहीं इजरायल के पास 35000 है। विमानों की बात की जाए तो इजरायल के पास 612 विमान है, जबकि ईरान के पास कुल विमान 551 हैं। इनमें से ईरान के पास लड़ाकू विमानों की संख्या 186 और इजरायल के पास 241 है। ईरान के पास हेलीकॉप्टर की संख्या 129 और इजरायल के पास 146 हैं। ईरान के पास कुल 1996 टैंक हैं। जबकि इजरायल के पास 1370 टैंक हैं।ईरान के पास हथियारबंद वाहन की संख्या भी इजरायल से ज्यादा है।

बढ़ते आतंकी हमलों से आशंकाओं में घिरा स्वतंत्रता दिवस समारोह

जम्मू, 13 अगस्त (ब्यूरो)। पिछले करीब तीन महीनों से जम्मू कश्मीर में आतंकी हमलों में आई तेजी के कारण जो दहशत का माहौल है उसके चलते इस बार प्रदेश के दोनों राजधानी शहरों के अतिरिक्त अन्य जिलों में भी स्वतंत्रता दिवस चिंता का विषय बन गया है। हालांकि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए जम्मू कश्मीर में असाधारण सुरक्षा उपाय किए गए हैं। पर अभी भी लोगों में असुरक्षा की भावना है।

सुरक्षा अधिकारियों ने समारोह की सुरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। श्रीनगर में मुख्य समारोह बख्शी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

उन्हें इस बार भी दहशत के बावजूद समारोह में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। जम्मू में, उपराज्यपाल के सलाहकार आरआर भटनागर एमए स्टेडियम में समारोह की देखरेख करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा बलों ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है, खासकर श्रीनगर में, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। विभिन्न स्थानों पर, खासकर श्रीनगर-जम्मू और श्रीनगर-बारामुल्ला राजमार्गों जैसे प्रमुख मार्गों पर तलाशी अभियान बढ़ा दिए गए हैं। किसी भी संभावित खतरे की निगरानी और उसे बेअसर करने के लिए समारोह स्थलों पर और उसके आसपास सशस्त्र कर्मियों और अंडरकवर सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था में सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि हमने सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे दिया है, और मुख्य स्थल, जहां मुख्य अतिथि सभा को संबोधित करेंगे, को पूरी तरह से साफ कर दिया गया है।

श्रीनगर और जम्मू में आयोजन स्थलों के आसपास की ऊंची इमारतों पर पुलिस और अर्धसैनिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शार्पशूटरों ने कब्जा कर लिया है, जो किसी भी संभावित सुरक्षा उल्लंघन को रोकने के लिए हाई अलर्ट पर हैं। वे कहते थे कि बहुस्तरीय सुरक्षा दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए हवाई निगरानी इकाइयों के साथ-साथ जमीनी निगरानी दल भी तैनात किए गए हैं।

कार्यक्रमों को सुरक्षित करने के लिए मानव और तकनीकी निगरानी का संयोजन किया गया है। स्थिति पर बारीकी से नज़र रखने के लिए मानव खुफिया और उन्नत तकनीकी साधनों दोनों का उपयोग किया जा रहा है। इसी के चलते श्रीनगर और जम्मू से यात्रा करने वाले यात्रियों की कई चौकियों पर गहन तलाशी और पहचान सत्यापन किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा का एक और स्तर बढ़ गया है। श्रीनगर में, सुरक्षा बढ़ा दी गई है और शहर को विभिन्न सेक्टरों और क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात हैं। तोड़फोड़ विरोधी टीमें आयोजन स्थल पर जांच कर रही हैं और आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी है।

चौबीस घंटे गश्त जारी है और पुलिस टीमें शहर और उसके बाहरी इलाकों में लोगों की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए मानव और तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही हैं। इसी तरह के सुरक्षा उपाय जम्मू और जम्मू-कश्मीर के अन्य जिला मुख्यालयों में भी लागू किए जा रहे हैं, जो शांतिपूर्ण स्वतंत्रता दिवस समारोह सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राम रहीम को एक बार फिर मिली 21 दिन की फरलो

रोहतक, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर फरलो दी है। राम रहीम 21 दिन के लिए जेल से बाहर आ गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बाबा राम रहीम जेल से बाहर आ गया है। प्रदेश सरकार ने उसे 21 दिन की फरलो दिया है। मंगलवार सुबह 6 बजकर 46 मिनट पर हनीप्रीत सुनारिया जेल से राम रहीम को लेकर यूपी के बरनावा आश्रम के लिए रवाना हुई।

एक गाड़ी में हनीप्रीत के अलावा ड्राइवर राजा और सीपी अरोड़ा, जबकि दूसरी गाड़ी में ड्राइवर प्रीतम, एडवोकेट हर्ष अरोड़ा और डॉक्टर पीआर नैन थे। पुलिस सुरक्षा में राम रहीम को जेल से यूपी ले जाया गया है। गुरमीत को साध्वी दुष्कर्म मामले में वर्ष 2017 में सजा सुनाई गई थी। बाद में उसे छत्रपति हत्याकांड और रणजीत हत्याकांड में भी सजा हो चुकी है। तभी से वह सुनारिया जेल में बंद है। पिछली बार 19 जनवरी को सरकार ने रामरहीम को 50 दिन की पैरोल दी थी, जो यूपी के बरनावा आश्रम में व्यतीत की गई।इसके बाद हाईकोर्ट ने एक याचिका पर फैसला दिया था कि रामरहीम को पैरोल या फरलो

हाईकोर्ट की अनुमति के बगैर न दी जाए। राम रहीम की तरफ से हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर पैरोल या फरलो पर रोक हटाने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने फैसला दिया था कि प्रदेश सरकार रामरहीम की पैरोल या फरलो देने का फैसला खुद ले। इसके बाद रामरहीम ने 21 दिन की फरलो की अर्जी दाखिल की थी। सरकार ने अर्जी स्वीकार कर ली और सोमवार को फरलो मंजूर कर ली।प्रशासन ने जेल परिवार के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी थी। ऐसे में मंगलवार सुबह 6 बजकर 41 मिनट पर हनीप्रीत अपनी टीम के साथ रामरहीम को लेने जेल परिसर पहुंची, जहां आवश्यक कार्रवाई के बाद 6 बजकर 46 मिनट पर रामरहीम को लेकर काफिला यूपी के बागपत स्थित बरनावा आश्रम के लिए रवाना हो गया। रामरहीम अब 13वीं बार जेल से बाहर आया है। आठवीं बार फरलो मिली है।

कब-कब जेल से बाहर आया गुरमीत

20 अक्टूबर 2020: एक दिन की पैरोल मिली।
12 मई 2021: पीजीआई में जांच के लिए आया।
17 मई 2021: एक दिन की पैरोल दी गई।
3 जून 2021: इलाज के लिए पीजीआई लाया गया।
8 जून 2021: इलाज के लिए मेदांता अस्पताल गया।
13 जुलाई 2021: जांच के लिए एम्स ले जाया गया।
फरवरी 2022: 21 दिन की पैरोल मिली।
जून 2022: 30 दिन की पैरोल मिली।
अक्टूबर 2022: 40 दिन की पैरोल मिली।
21 जनवरी 2023: 40 दिन की पैरोल मिली।
20 जुलाई 2023 : 30 दिन की पैरोल मिली।
20 नवंबर 2023 : 21 दिन की पैरोल मिली।
19 जनवरी 2024 : 50 दिन की पैरोल मिली।
13 अगस्त 2024 : 21 दिन की फरलो मिली।

देश का सबसे बड़ा तिरंगा भोपाल के बड़े तालाब में लगाया जाएगा : यादव

भोपाल, 13 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल के बड़े तालाब मंए देश का सबसे बड़ा तिरंगा लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आजादी के पर्व पर उत्साह, उमंग और जोश के साथ हर घर तिरंगा अभियान मनाया जा रहा है।डॉ यादव ने आज यहां बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब पर आयोजित तिरंगा यात्रा के अवसर पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही। उन्होंने बोट क्लब पर मध्यप्रदेश टूरिज्म के नवीनीकृत फूड कॉर्नर लहर फास्ट का फीता काटकर तथा पूजन कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद वी डी शर्मा, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवान दास सबनानी सहित जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और तिरंगा सदा से ही हमारे लिए संघर्ष, परिश्रम और प्रगति का प्रेरणा स्रोत रहा है। हर घर तिरंगा अभियान में सभी लोग देशभक्ति के आनंद से अभिभूत हैं। उन्होंने पूरे जोश के साथ

देशभक्ति गीत 'यह देश है वीर जवानों का' गाया और बड़े तालाब में नावों पर कलाकारों ने प्रस्तुति दी। डॉ यादव ने वॉटर स्पोर्ट्स तिरंगा शो के अंतर्गत बड़े तालाब पर लेक प्रिंसेस क्रूज में ध्वज अभिवादन किया और तिरंगे गुब्बारे छोड़े। मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स बोट में तिरंगा लेकर परेड की और मुख्यमंत्री ने तिरंगा लहराकर सभी का उत्साहवर्धन किया है। वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ियों द्वारा बड़े तालाब में देश भक्ति की धुनो के बीच तिरंगे के साथ नावों के माध्यम से विशेष फॉर्मेशन भी निर्मित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भोपालवासियों ने वॉटर स्पोर्ट्स तिरंगा परेड का आनंद लिया।

केसर पर भी इस बार मौसम की मार

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 13 अगस्त। कश्मीर में केसर की खेती पर लंबे समय से सूखे की मार पड़ रही है। दरअसल कश्मीर वादी में लंबे समय से सूखा मौसम बना हुआ है और तापमान ने पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वैकल्पिक सिंचाई व्यवस्था के अभाव में शुष्क मौसम की स्थिति ने कृषि और बागवानी दोनों क्षेत्रों को प्रभावित किया है।केसर, जिसे लाल-सोना भी कहा जाता है, उसे पनपने के लिए सटीक जलवायु परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। अगस्त में शुरू होने वाली केसर की खेती के शुरुआती चरण फसल के विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। किसानों ने इस बात पर जोर दिया है कि उचित विकास सुनिश्चित करने के लिए अगस्त और सितंबर में नियमित रूप से बारिश की आवश्यकता होती है। कश्मीर के केसर उत्पादक संघ के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी कहते हैं कि अभी तक इस फसल पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है। लेकिन इस फसल को 20 अगस्त के बाद और सितंबर में बारिश की आवश्यकता है। यदि मौजूदा स्थिति बनी रहती है, तो यह उत्पादकों के साथ-साथ डीलरों के लिए भी चिंताजनक साबित हो सकता है।

केसर उत्पादकों का कहना है कि पिछले वर्षों के दौरान थोक उत्पादन चरम अवधि अगस्त, सितंबर और अक्टूबर के दौरान अनुकूल मौसम की स्थिति का परिणाम था। केसर की खेती मौसम की स्थिति के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होती है। स्थानीय केसर किसान तारिक अहमद कहते हैं कि बारिश की कमी से फसल की शुरुआती वृद्धि पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे फसल की गुणवत्ता और मात्रा पर असर पड़ सकता है। सौभाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में मौसम की स्थिति अनुकूल रही है, जिसके बाद फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार हुआ है।

केसर की फसल लगातार चुनौतियों से जूझ रही है, मुख्य रूप से उपज में उतार-चढ़ाव, अपर्याप्त सिंचाई और जलवायु संकट के बढ़ते प्रभावों के कारण। सरकार ने इन चुनौतियों को कम करने और कश्मीर में केसर की खेती को फिर से जीवंत करने के लिए 2010 में 4.1 बिलियन रुपए का राष्ट्रीय केसर मिशन (एनएमएस) शुरू किया। सरकार द्वारा मिशन के सिंचाई घटक को पूरा करने के बावजूद सूखे की लंबी अवधि के कारण केसर किसानों में चिंता बनी हुई है। पुलवामा के रहने वाले किसान बशीर अहमद कहते हैं कि हालांकि अब हमारे पास सिंचाई के साधन हैं, फिर भी बारिश फसल के लिए बहुत मायने रखती है। हमें उम्मीद है कि अगस्त और आने वाले महीनों में समय-समय पर बारिश होगी, ताकि हमें केसर की बेहतर पैदावार मिले। कृषि अधिकारियों का कहना है कि केसर की फसल की सिंचाई के लिए बोरवेल बनाए गए हैं।

केंद्रीय कृषि के उपनिदेशक वहीद-उर-रहमान कहते हैं कि हमें आने वाले महीनों में अगस्त में बारिश की उम्मीद है। फिर भी, हमने खेतों की सिंचाई की व्यवस्था करने के लिए बोरवेल बनाए हैं। स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए यांत्रिक विंग समय-समय पर काम कर रहा है। प्रासंगिक रूप से, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए, कश्मीर में किसानों ने इनडोर खेती का सहारा लिया है। खेती का यह तरीका जो अभी तक आम नहीं है, ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं क्योंकि उत्पादकों को इनडोर खेती के माध्यम से उत्पादन के साथ-साथ गुणवत्ता के मामले में भी अच्छा रिटर्न मिला है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने महिला डॉक्टर दुष्कर्म और हत्या मामला सीबीआई को सौंपा

कहा- 5 दिन हो गए, पुलिस ने कुछ नहीं किया, ऐसे तो सबूत मिटाए जा सकते हैं

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में गत शुक्रवार को एक जूनियर महिला डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या की जांच का काम मंगलवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने तथा कोलकाता पुलिस को सभी दस्तावेज तत्काल सीबीआई को सौंपने के निर्देश दिये।मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम और न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य की पीठ ने जांच को कोलकाता पुलिस की एसआईटी से सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया और कोलकाता पुलिस को मामले से संबंधित सभी दस्तावेज केंद्रीय एजेंसी को सौंपने को कहा। पीठ ने पीड़ितों के शोक संतप्त माता-पिता की याचिका सहित उन कई याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया, जिसमें सच्चाई सामने लाने के लिए घटना की सीबीआई जांच की मांग की गयी थी।

सुनवाई के दौरान पीड़िता के माता-पिता ने न्यायालय को बताया कि उन्हें डर है कि अगर एसआईटी जांच को इसी तरह जारी रहने दिया गया, तो इससे जांच पटरी से उतर जाएगी। महिला डॉक्टर के माता-पिता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि उनके मुवक्किलों को पहले एक फोन आया जिसमें दावा किया गया कि उनकी बेटी बीमार हो गयी है और कॉलेज पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि उसने आत्महत्या कर ली है, लेकिन वहां इंतजार करने के दौरान उन्हें तीन घंटे तक उसका शव देखने की अनुमति नहीं दी गयी।अधिवक्ता भट्टाचार्य ने न्यायालय को यह भी बताया कि मामले में कुछ परेशान करने वाली और संदिग्ध घटनाएं हुईं, जिसके कारण इसे अप्राकृतिक मौत के रूप में दर्ज किया गया। यह प्रस्तुत किया गया कि ऐसे मामले तब दर्ज किए जाते हैं, जब कोई शिकायत नहीं होती। जब महिला उसी अस्पताल में डॉक्टर थी, तो यह आश्चर्यजनक है कि प्रिंसिपल ने शिकायत नहीं की। इसके अलावा एसआईटी जांच में कोई खास प्रगति नहीं हुई। प्रशासन पीड़िता या उसके परिवार के साथ नहीं था। अस्पताल के प्रिंसिपल ने बयान भी नहीं दिया।न्यायमूर्ति ने अपने आदेश में कहा, जांच में कोई खास प्रगति नहीं होने पर हम पीड़िता के माता-पिता की इस प्रार्थना को स्वीकार करने में पूरी तरह से न्यायसंगत होंगे कि सबूत नष्ट कर दिये जायेंगे। इसलिए हम पक्षों के बीच न्याय करने और जनता का विश्वास जगाने के लिए जांच को सीबीआई को सौंपते हैं। गौरतलब है कि एसआईटी ने केवल एक संदिग्ध सिविक वालंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया, जबकि मुख्यमंत्री ने कोलकाता पुलिस को रविवार तक मामले को सुलझाने के लिए समय सीमा तय की, अन्यथा वह मामले को सीबीआई को सौंप देंगी। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुवेंदु अधिकारी हालांकि इसे तब तक सबूतों से छेड़छाड़ करने की एक चाल बताया और कहा कि यह सच्चाई को दबाने तथा कुछ लोगों को बचाने की बड़ी साजिश थी। इससे पहले न्यायालय ने राज्य सरकार से जांच पर स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा था।

हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को लगाई कड़ी फटकार

कोलकाता, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को दूसरे सरकारी अस्पताल में नियुक्त करने के खिलाफ प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के प्रति पश्चिम बंगाल सरकार की असंवेदनशीलता की कड़ी आलोचना की।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगनम की अध्यक्षता वाली पीठ ने कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अपराध को भयानक बताया और सरकार से पूछा कि उसने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को क्या आश्वासन दिया है। पीठ ने पाया कि कोलकाता पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) की ओर से की गयी जांच में कुछ कमी है। पीठ ने यह भी सवाल उठाया कि सोमवार को सरकारी सेवा से इस्तीफा देने वाले अस्पताल के प्रिंसिपल संदीप घोष को कुछ ही घंटों में दूसरे मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में कैसे बहाल कर दिया गया।न्यायालय ने कहा, वह बहुत शक्तिशाली और प्रभावशाली होगा, क्योंकि उसका प्रतिनिधित्व सरकारी वकील कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा अगर उन्होंने किसी नैतिक जिम्मेदारी का हवाला देते हुए पद छोड़ा है, तो क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि आपको उन्हें पुरस्कृत करना चाहिए? प्रिंसिपल सभी कार्यरत डॉक्टरों का अभिभावक है। अगर उन्होंने कोई सहानुभूति नहीं दिखाई, तो और कौन दिखाएगा? आपके मुवक्किल (प्रिंसिपल) को काम नहीं करना चाहिए, उन्हें घर पर रहना चाहिए। वह इतने शक्तिशाली हैं कि एक सरकारी वकील उनका प्रतिनिधित्व कर रहा है? न्यायालय ने कहा, आपके मुवक्किल (प्रिंसिपल) काम नहीं करेंगे। उन्हें पद छोड़ने के लिए कहें। हम उन्हें आज दोपहर तीन बजे तक अपना अवकाश आवेदन जमा करने का विकल्प देते हैं, अन्यथा एक आदेश पारित किया जायेगा। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य प्रमुख सचिव नारायण स्वरूप निगम ने मीडिया कॉन्फ्रेंस में चिकित्सकों से यह कहते हुए अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त करने की अपील की कि सरकार चिकित्सा पेशेवरों के कल्याण के प्रति बहुत संवेदनशील है।

भारतीय तटरक्षक बल ने समुद्र की निगरानी के लिए तैनात किए जहाज

अवैध घुसपैठ पर रखी जा रही नजर

नई दिल्ली,13 अगस्त (एजेंसियां)। पड़ोसी देश में फैली अशांति के बीच भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने बांग्लादेश से लगती समुद्री सीमा पर समुद्री जहाजों, होवरक्राफ्ट और हवाई जहाजों को तैनात कर दिया है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट के बीच भारत में अवैध रूप से लोगों के घुसने की खबर आ रही है। अब भारतीय तटरक्षक बल द्वारा भी इस पर निगरानी रखी जाएगी।

आपको बता दें कि पांच अगस्त को शेख हसीना ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों में आक्रोश फैल गया था। इस दौरान हिंसक घटनाओं में सैकड़ों लोग मारे गए। पड़ोसी देश में फैली अशांति के बीच आईसीजी ने अंतराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर सुरक्षा को और भी अधिक मजबूत कर दिया है। किसी भी तरह की अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के जवान तैयार हैं। इस बीच, आईसीजी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल अनुपम रॉय ने कहा कि संभावित खतरों से निपटने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। अनुपम रॉय ने कहा, बांग्लादेश में अशांति के बीच आईसीजी ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा में गश्त और निगरानी को बढ़ाने पर जोर दिया है। किसी भी तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए सुरक्षा को अधिक मजबूत किया गया है।

ओड़ीशा में दो महिला मरीजों के साथ छेड़छाड़ का आरोपी डॉक्टर जेल भेजा गया

भुवनेश्वर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। ओड़ीशा में कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के एक डॉक्टर को दो महिला मरीजों के साथ छेड़छाड़ के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया गया।पुलिस सूत्रों ने बताया कि एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर को मंगलाबाग पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद उत्तेजित मेडिकल छात्रों ने डॉक्टर पर हमला कर दिया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया। डॉक्टर को अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया।बाद में आरोपी डॉक्टर को अदालत में पेश किया गया , जहां उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गयी और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।इस बीच राज्य सरकार ने डीएम कार्डियोलॉजी रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा कथित दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशक (डीएमईटी) प्रोफेसर (डॉ) संतोष मिश्रा, एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अधीक्षक सुधांशु शेखर मिश्रा, जो प्रभारी डीन एवं प्रिंसिपल भी हैं, तथा संयुक्त डीएमईटी प्रोफेसर (डॉ) रोमा रत्ता शामिल हैं।

हरियाणा विधानसभा चुनाव करवाने के लिए हम पूरी तरह तैयार : चुनाव आयोग

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिवसीय दौरे के बाद चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनाव करवाने के लिए आयोग पूरी तरह तैयार है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. एसएस संधु ने यहाँ चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर को समाप्त हो रहा है।

चुनाव आयोग ने हरियाणा के जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को पूर्ण निष्पक्षता के साथ कार्य करने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विधानसभा चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रलोभन मुक्त चुनाव प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हुए आयोग ने प्रवर्तन एजेंसियों को अवैध शराब, नकदी और मादक पदार्थों की आपूर्ति रोकने के लिए समन्वित तरीके से काम करने का निर्देश दिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग (ईसी) की टीम ने ये निर्देश जारी किए।

यह टीम विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए हरियाणा के दो दिवसीय दौरे पर है। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर को समाप्त होगा। निर्वाचन आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू सहित निर्वाचन आयोग की टीम सोमवार को चंडीगढ़ पहुंची थी।

एक विज्ञप्ति के मुताबिक, टीम ने भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आपा), माकपा, इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी (जजपा) जैसे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

राजनीतिक दलों ने कई मुद्दे उठाए, जिनमें सरकारी तंत्र के दुरुपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना, संवेदनशील मतदान केंद्रों में पर्याप्त बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों के बीच की दूरी कम करने और बुजुर्गों एवं महिला मतदाताओं के लिए सुविधाओं में सुधार करने का अनुरोध शामिल है। आयोग ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उसने उनके सुझावों और चिंताओं पर संज्ञान लिया है तथा वह स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सभी मतदान केंद्र भूतल पर होंगे और मतदाताओं के आवास से दो किलोमीटर के दायरे में होंगे। मंगलवार को टीम ने राजस्व खुफिया निदेशालय, भारतीय रिजर्व बैंक, हरियाणा पुलिस, आयकर और प्रवर्तन निदेशालय सहित लगभग 20 केंद्रीय और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक भी की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। अपनी बातों को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने संगी से झगड़ सकते हैं। हालांकि आपका साथी समझदारी दिखाते हुए आपको शांत कर देगा। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है।पारिवारिक विवादों के कारण आज आपका वैवाहिक जीवन प्रभावित रह सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे,दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। नौकरी बदलना मददगार साबित होगा। आप अपनी वर्तमान नौकरी को छोड़कर किसी नए क्षेत्र जैसे कि मार्केटिंग वग़ैरह में जा सकते हैं, जो आपके लिए बढ़िया रहेगा। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

कुछ दिलचस्प पढ़कर थोड़ी दिमाग़ी कसरत करें। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आपका जीवनसाथी हाल में हुई खटपट को भुलाकर अपने अच्छे स्वभाव का परिचय देगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने ख़र्चों को बहुत ज़्यादा बढ़ाने से बचें। रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा और दिमाग़ी बोझ से छुटकारा मिलेगा। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता । आप जरूरत से ज़्यादा ख़र्च करें या आपका बटुआ खो भी सकता है- ऐसे मामलों में सावधानी की कमी आपको नुक़सान पहुँचा सकती है। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। करिअर में तरक़्क़ी के लिए नयी क्षमताएँ विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा। हवन का आयोजन घर मे होगा। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोले । मीटिंग में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। प्यार-मोहब्बत के मामले में दबाव बनाने की कोशिश न करें। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर में या उसके आस-पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। अपने प्रिय की नाराज़गी के बावजूद अपना प्यार ज़ाहिर करते रहें। जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 14 अगस्त 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 10:25 तक
नक्षत्र : अनुराधा दोपहर 12:13 तक
योग : ऐन्द्र सायं 04:05 तक
करण : कौलव प्रातः 10:25 तक
चन्द्र राशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री दुर्गा नवमी , बुधानुराधा अमृत सिद्धि योग दोपहर 12:13 तक , गण्डमूल दोपहर 12:14 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के कई जिलों में भारी बारिश से तबाही

सीएम भजनलाल शर्मा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

करौली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करौली जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए मंगलवार को हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण किया। पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण करौली जिले में बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस स्थिति की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्री ने दोपहर के समय हवाई सर्वेक्षण किया और करौली जिले के उपखंड सपोटरा, करौली और हिंडौन सिटी के जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करौली राजकीय पीजी कॉलेज में राज्य के आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में संभागीय आयुक्त शाबरमन वर्मा, भरतपुर रेंज के आईजी राहुल

प्रकाश, करौली जिला प्रभारी सचिव आशुतोष एटी पेंडरेकर, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना और जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय शामिल हुए।

बैठक में बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की गई और राहत कार्यों को प्रभावी बनाने के साथ ही जल निकासी के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के दिशा निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्रभावित लोगों की यथासंभव मदद करने और आपदा प्रबंधन के उपायों को तेज करने के निर्देश दिए।

बैठक के बाद, मुख्यमंत्री ने करौली राजकीय पीजी कॉलेज में बने हेलीपैड से भरतपुर जिले के बयाना, भरतपुर और अन्य प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इस हवाई निरीक्षण का उद्देश्य बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करना और राहत कार्यों की प्रभावशीलता को सुनिश्चित करना था। मुख्यमंत्री के इस दौरे से यह स्पष्ट है कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को तेजी से अंजाम देने के लिए गंभीर है और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें, राजस्थान के कई इलाकों में इन दिनों भारी बारिश के बाद जल भराव हुआ है, जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त है।

मनोहर लाल खट्टर ने मनु भाकर को किया सम्मानित

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर को सम्मानित किया।

दिल्ली में अपने आवास पर आयोजित एक समारोह श्री खट्टर ने पेरिस ओलंपिक में देश का मान बढ़ाने वाली मनु भाकर को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मनु ने अपनी कड़ी मेहनत और बुलंद हौसलों से यह साबित किया कि अगर आप लक्ष्य के प्रति समर्पित हैं तो असंभव कुछ भी नहीं। आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए असीम शुभकामनाएँ। श्री खट्टर ने मनु भाकर के माता-पिता सुमेधा भाकर और राम किशन भाकर शॉल उढ़ाकर समानित किया और उनसे बातचीत की। उल्लेखनीय है कि मनु भाकर ने हाल ही में संपन्न हुये पेरिस ओलंपिक खेलों में दो निशानेबाजी स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते है।

विभाजन की विभीषिका को स्मृति दिवस के रूप मे मनाएगी भाजपा

जयपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि 14 अगस्त को भाजपा विभाजन की विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाएगी।

श्री राठौड़ ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से कहा कि 14 अगस्त 1947 को लाखों लोग इधर से उधर हो गए, घर-बार छूटा, परिवार छूटा, लाखों की जानें गयीं। यह दर्द विभाजन का था। ऐसे में भारत के लिये यह विभीषिका से कम नहीं था। इसी दर्द को याद करते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐलान किया था।

उन्होंने आजादी आई आधी रात पुस्तक की चर्चा करते हुए कहा कि 1947 के उस क्षण को यादकर आज भी लोगों की रूह कांप जाती है। एक ओर आजादी की खुशी थी तो दूसरी ओर आजादी के बाद हुए विभाजन का दुःख भी था। कांग्रेसी नेताओं

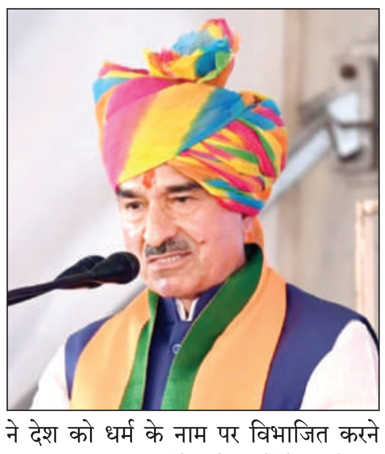

ने देश को धर्म के नाम पर विभाजित करने का काम किया। कांग्रेस नेताओं ने नक्शे पर विभाजन तो कर दिया, लेकिन इसके बाद हजारों-लाखों लोगों के जीवन पर गहरा संकट खड़ा हो गया था। कई जगहों पर बेकसूर लोगों का कत्लेआम किया गया, हजारों लोगों को घर बार छोड़ने को मजबूर होना पड़ा।

श्री राठौड़ ने कहा कि अब एक बार फिर से विपक्षी ताकतें देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम कर रही हैं, लेकिन हम सब एकजुट हैं। विपक्ष के मंसूबों को पूरा होने नहीं देंगे। देश के नागरिक देशभक्ति के प्रति जागरूक हैं और विपक्ष के एजेंडे को समझ चुके हैं। उन्होंने कहा कि श्री मोदी सबका साथ, सबका प्रयास और सबका विकास की नीति पर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 15 अगस्त आजादी के महापर्व के तौर पर मनाया जा रहा है। देश के 140 करोड़ देशवासियों के लिये गौरव के इस पर्व को तिरंगा अभियान से जोड़कर दोगुना करने का काम प्रधानमंत्री ने किया है। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में सभी अपने घर, प्रतिष्ठान, गली, मोहल्लों में तिरंगा फहरायेंगे। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता घर घर तिरंगा अभियान को लेकर आमजन को तिरंगा यात्रा निकालकर जागरूक भी कर रहे हैं।

जोधपुर में दिया कुमारी ने तिरंगा यात्रा को किया रवाना

जोधपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जिला प्रशासन, जिला परिषद एवं एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशाल तिरंगा यात्रा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्र प्रेम की भावना से जोड़ा है। यह समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोने का पर्व है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में हर वर्ग, हर श्रेणी के व्यक्ति का योगदान नितान्त आवश्यक है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए हम सभी को हर संभव प्रयास करने हैं। उन्होनें प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने का आग्रह किया।

दिया कुमारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों, युवाओं, महिलाओं सहित प्रत्येक व्यक्ति को तिरंगा प्रतिज्ञा भी दिलवाई। इसके साथ ही तिरंगा चित्रफलक पर हर घर तिरंगा का संदेश देते हुये हस्ताक्षर करके राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा रैली कलेक्ट्रेट परिसर से पावटा सर्कल, सोजती गेट, घंटाघर, पुलिस लाइन होती हुई के.एन.कॉलेज से पावटा सर्कल एवं पुनः कलेक्ट्रेट परिसर पहुंची। रैली में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जिला परिषद, शिक्षा विभाग के कार्मिकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं आदि ने वाहनों पर भारत माता की जय जयकार के साथ देशभक्ति से ओत-प्रोत तिरंगा यात्रा निकाली।

श्रीगंगानगर में युवक की पीट-पीटकर हत्या

श्रीगंगानगर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में श्रीगंगागनर जिले के सूरतगढ़ में पुरानी रंजिश के चलते दो गाड़ियों में सवार आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने एक युवक का अपहरण करने के बाद पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक गोदारा कल शाम अपने दोस्त नरेश के साथ मोटरसाइकिल पर सोमासर से अपने ननिहाल किशनपुरा ढाणी जा रहा था। किशनपुरा ढाणी में बरडा रोड पर दो कारों में सवार होकर आये बदमाशों ने अशोक और नरेश की मोटरसाइकिल को टक्कर मार कर गिरा दिया, फिर अशोक को जबरन गाड़ी में कहीं ले गये जहां उसकी बुरी तरह पिटाई की। बाद में वे उसे भोजेवाला गांव में एक मेडिकल स्टोर के पास लहूलुहान हालत में फेंक गये।

पुलिस ने बताया कि कुछ ही देर में पुलिस और अशोक के परिवारजन मौके पर पहुंच गए और उसे श्रीगंगानगर में एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां आज तड़के उसकी मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार उसकी हत्या के आरोप में मनोहरसिंह, महेंद्रसिंह, सुनील, अमन राजपूत, संदीप राजपूत, जीतू राजपूत, नवरंग, हन्नी राजपूत, कमल निर्वाण और तीन- चार अन्य लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार उक्त आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश थी।

पश्चिम बंगाल में डॉक्टर से दुष्कर्म के मामले में चिकित्सकों में आक्रोश

अलवर, 13 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना से आक्रोशित चिकित्सकों ने मंगलवार को राजस्थान में अलवर में प्रदर्शन करके कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में अलवर के सभी रेजीडेंट डॉक्टर शामिल हुए। इसके अलावा इसमें आमजन की भी पूरा सहभागिता रही। कैंडल मार्च नांगली सर्किल से शुरू हुआ, जो शहीद स्मारक तक पहुंचा, जहां दिवंगत ड्यूटी डॉक्टर की आत्मा के लिये दो मिनट का मौन रखा गया।

इस मौके पर राष्ट्रीय कवि विनीत चौहान ने कहा कि शासन किसी का भी हो। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगाता है, लेकिन हम आजादी का जब जश्न मना रहे हैं, तब एक बेटी के लिये न्याय की मांग कर रहे हैं। यह बहुत दुखद मामला है।

भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के जिला अध्यक्ष डॉक्टर एस सी मित्तल ने कहा कि पूरे देश में यह आंदोलन चल रहा है। समाज दुखी है, देश दुखी है। आज आईएमए के बैनर तले कैंडल मार्च निकाला गया है । नंगली सर्किल पर

मोमबत्ती जलायी गयी है और पीड़िता को श्रद्धांजलि दी गयी। उन्होंने सरकार से मांग की ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो, कानून को सख्त बनाया जाये। हर जगह विरोध प्रदर्शन किया जा रहे हैं। कल ज्ञापन दिया जायेगा। उसके बावजूद भी अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो निश्चित रूप से पूरे देश में आंदोलन किया जायेगा।

डॉ. मित्तल ने कहा कि अभी तो रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं, पूरे देश के डॉक्टर इस घटना के विरोध में हड़ताल पर जा सकते हैं। डायग्नोस्टिक से जुड़े डॉक्टर सरोज ने बताया कि वे इस प्रदर्शन के माध्यम से महिलाओं की आवाज उठा रहे हैं । बंगाल ही नहीं पूरे देश की अस्मिता का सवाल है। जल्दी से जल्दी उन्हें न्याय मिलना चाहिये। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिले।

पूर्व विधायक जोगीराम कांग्रेस में शामिल

चंडीगढ़, 13 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में कालायत से पूर्व विधायक मास्टर जोगीराम मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और चौधरी उदयभान के नेतृत्व में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस मौके पर जारी बयान में श्री हुड्डा ने दावा किया कि हरियाणा की जनता बेसब्री से विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रही है क्योंकि लोग पूरी तरह भाजपा को सत्ता से बेदखल करने और कांग्रेस की सरकार लाने का मूड बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को भी अपनी हार का एहसास हो चुका है इसीलिए सरकार की तरफ से जनता को बरगलाने के लिए हवा-हवाई एलान किए जा रहे हैं।

बुधवार को करें ये चमत्कारी उपाय

हिंदू धर्म में बुधवार का दिन भगवान शिव जी के पुत्र भगवान गणेश जी को समर्पित है। इस दिन विधिपूर्वक भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना और व्रत का करने का विधान है। ज्योतिष कुंडली में बुध ग्रह को मजबूत करने के लिए बुधवार के दिन गणपति बप्पा की पूजा करने की राय देते हैं। मान्यता के अनुसार, भगवान गणेश जी की पूजा करने से सौभाग्य और आय में बढ़ोतरी होती है। साथ ही शुभ कामों में सफलता हासिल होती है। ज्योतिष शास्त्र में भगवान गणेश जी को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए उपाय करने का विधान है। अगर आप जीवन के आर्थिक संकट से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो बुधवार के दिन यहां बताए गए उपाय अवश्य करें।

बुधवार के उपाय

-अगर आप जीवन में किसी तरह की परेशानी का सामना कर रहे हैं, तो ऐसे में बुधवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद भगवान गणेश जी पूजा की करें। इस दौरान निम्न मंत्र का 21 बार जाप करें और भगवान जी को नारियल चढ़ाएं। ऐसा करने से जीवन की सभी समस्याएं खत्म होती हैं।

।। वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।।
।। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।

-आर्थिक संकट से छुटकारा पाने के लिए बुधवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल का अर्घ्य अर्पित करें। इसके बाद भगवान गणेश जी का विधिपूर्वक अभिषेक करें और उनकी पूजा कर विशेष भोग लगाएं। कहा जाता है कि इस उपाय को करने से भगवान गणेश जी की कृपा से आर्थिक संकट दूर होते हैं।

बिजनेस और करियर में होगी उन्नति

-बिजनेस और करियर में उन्नति और तरक्की पाने के लिए बुधवार के दिन भगवान गणेश जी की पूजा करने के बाद श्रद्धा अनुसार साबुत मूंग दाल किसी गरीब को दान करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से कुंडली में बुध ग्रह मजबूत होता है। इससे बिजनेस और करियर में वृद्धि होती है।

-अपनी मनचाही मनोकामनाओं को पूरा करने के लिए बुधवार के दिन भगवान गणेश जी की पूजा के दौरान उन्हें दुर्वा और शमी का पत्ता चढ़ाएं। इस उपाय को हर बुधवार को करने से इंसान की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं।

1 रुपए के सिक्के से बुधवार को करें ये उपाय, सोने-चांदी से भर देगा तिजोरी

शास्त्रों में गणेश को प्रथम पूजनीय माना गया है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य की शुरुआत गणेश जी के नाम से होती है। कहते हैं कि गणेश के नाम से किसी भी काम की शुरुआत की जाए, तो वे कार्य निर्विघ्न पूरा होता है। बुधवार का दिन गणेश जी को समर्पित है वहीं, इस दिन का संबंध बुध ग्रह से भी है। मान्यता है कि विधिपूर्वक गणेश जी की उपासना करने से भक्तों के सभी दुख-कष्ट दूर हो जाते हैं।

मान्यता है कि अगर कोई नया कार्य करने और उनकी पूजा करने से व्यक्त को सभी कार्यों में सफलता मिलती है। वहीं, बुधवार के दिन किए गए ज्योतिष उपाय व्यक्ति को विशेष लाभ प्रदान करते हैं। इस दिन कुछ उपाय व्यक्ति को संकट से बचाते हैं। घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। बुधवार के दिन करें ये उपाय।

- बुधवार के दिन किसी किन्नर से एक रुपया मांग लें। अगर वे खुशी-खुशी एक रुपया देता है, तो इस सिक्के को अपनी तिजोरी में रख दें। इससे घर में हमेशा बरकत बनी रहेगी।

- बुधवार के दिन गेंहू की रोटी में गुड़ लगाककर भैंस को खिलाने से जातक को स्वस्थ, सुंगर और निरोगी काया की प्राप्ति होती है। साथ ही, रोग-बीमारियां दूर होती हैं।

- अगर आप पैसों की तंगी से परेशान हैं, तो बुधवार के दिन एक रुपये के सिक्के का ये उपाय जरूर करें। इस उपाय को बहुत ही प्रभावी माना गया है। इसके लिए बुधवार के दिन एक रुपये का सिक्का लें और सरसों के तेल का बिंदू बना दें। इसके बाद गणेश जी से आर्थिक उन्नति की प्रार्थना करें। और इसे शनि मंदिर में रख आएं। इस उपाय को करने से शनि दोष से छुटकारा मिलता है।

- शत्रुओं के नाश और उनसे छुटकारा पाने के लिए बुधवार के दिन एक पत्थर पर कोयले से उसका नाम लिखें और इस पत्थर को जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को करने से चार बुधवार तक करने से लाभ होता है।

- वहीं, अगर आप कारोबार में तरक्की चाहते हैं, तो बुधवार के दिन सुबह मदार के पौधे पर रोली-चावल से पूजा करें। और नीम के पेड़ पर जल अर्पित करें। इससे नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

पैरों पर आलता लगाना शुभ है या अशुभ

जानें लगाने का सही तरीका

पैरों को आलता लगाने का मतलब विभिन्न संस्कारों और धर्मानुसार अलग-अलग हो सकता है। यह तत्परता, धर्म, और संस्कृति के अनुसार भिन्न होता है। कुछ संस्कृतियों में, पैरों को आलता लगाना शुभ माना जाता है। यह किसी शुभ कार्य के लिए संकेत माना जाता है, जैसे कि नई नौकरी के लिए या शादी के समय। वे इसे अच्छे भविष्य और सफलता का प्रतीक मानते हैं। हालांकि, कुछ संस्कृतियों में, पैरों को आलता लगाना अशुभ माना जाता है। यह किसी बुरे भविष्य या अनिश्चित घटना का संकेत माना जाता है। इसलिए, पैरों को आलता लगाने का मतलब और प्रतिष्ठान किसी विशिष्ट संदर्भ और समाजिक परिस्थितियों पर निर्भर करता है। पैरों में आलता लगाने का शुभ या अशुभ होना विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं में भिन्न हो सकता है।

हिंदू धर्म में

शुभ :- आलता को सुहागिन स्त्रियों का प्रतीक माना जाता है। यह पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए लगाया जाता है।

अशुभ :- विधवा स्त्रियों को आलता लगाना अशुभ माना जाता है।

अन्य संस्कृतियों में

कुछ संस्कृतियों में, आलता को सौंदर्य और स्त्रीत्व का प्रतीक माना जाता है।

कुछ संस्कृतियों में, आलता को धार्मिक अनुष्ठानों में भी इस्तेमाल किया जाता है।

आलता लगाने के कुछ अन्य फायदे भी हैं। यह पैरों को ठंडक देता है। यह पैरों को नरम और चिकना बनाता है। आलता पैरों की त्वचा को पोषण देता है। पैरों में आलता लगाना शुभ या अशुभ है या नहीं, यह व्यक्ति की संस्कृति और परंपरा पर निर्भर करता है। आलता लगाने से पहले पैरों को साफ और सूखा होना चाहिए।

26 अगस्त की मध्य रात्रि को मनाई जाएगी मथुरा-वृन्दावन में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

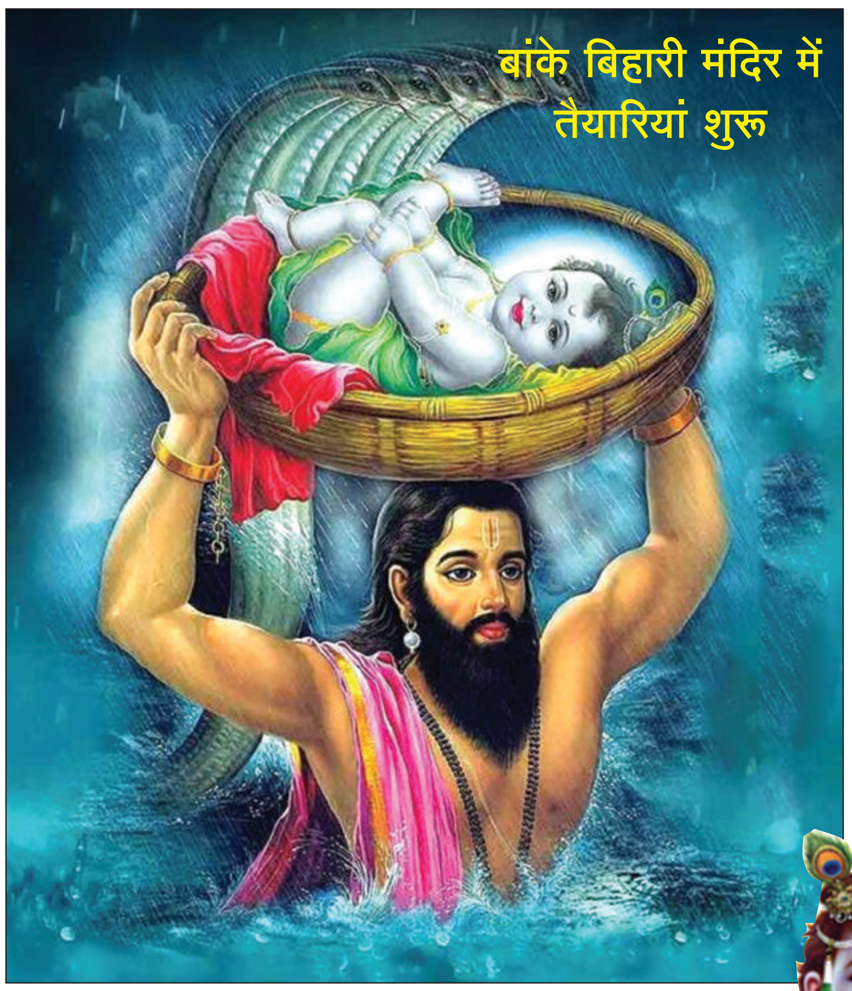

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व भारत समेत पूरी दुनिया के कई हिस्सों में बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन कान्हा की जन्मस्थली मथुरा में इस उत्सव की धूम देखने लायक होती है। मथुरा-वृन्दावन में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए व्यापक सुरक्षा के इंतजाम किये जा रहे हैं। ब्रज में इन दिनों श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मदिन धूमधाम से मनाने के लिए व्यापक तैयारियां चल रही हैं। देशभर में कई भक्त अपने घरों में भी श्रीकृष्ण के जन्मस्थल मथुरा की जन्माष्टमी के अनुसार ही व्रत रखते हैं और कनुआ का जन्मदिन मनाते हैं। आपको बता दें कि इस बार मथुरा-वृंदावन में 2 दिनों तक श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ब्रज में इन दिनों श्रीकृष्ण का 5251 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाने के लिए व्यापक तैयारियां चल रही हैं।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान सहित सभी प्रमुख मंदिरों में जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त की मध्यरात्रि को मनाया जाएगा। जबकि वृन्दावन के ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी 27 अगस्त की रात्रि में मनाई जाएगी। ऐसे में यहां आने वाले श्रद्धालु दो-दो दिन जन्माष्टमी का आनन्द ले सकेंगे। हर वर्ष भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसके दूसरे दिन नवमी के अवसर पर मंदिरों में नन्दोत्सव (कृष्ण जन्म की खुशी का उत्सव) मनाया जाता है, जिसमें प्रतीकात्मक नन्द बाबा अपने यहां पुत्र जन्म होने के अवसर पर उत्सव मनाते हैं।

संतों के अनुसार, इस बार ब्रज में सभी मंदिरों एवं ब्रज के घरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव 26 अगस्त की मध्यरात्रि को मनाया जाएगा। दिन में व्रत रखा जाएगा और रात के 12 बजे भगवान के जन्म के बाद धनिया से बनी पंजीरी का भोग लगाकर व्रत का पारण किया जाएगा। वृन्दावन स्थित ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 27 अगस्त को मनाई जाएगी। मंदिर के प्रबंधक मुनीश शर्मा ने बताया कि बांकेबिहारी मंदिर में वर्ष भर आयोजित होने वाले सभी पर्वोत्सव मंदिर के पुरोहित द्वारा तय किए गए पंचांग के अनुसार सम्पन्न किए जाते हैं, जो उदयात (यानि जिस तिथि में सूर्योदय होता है) के आधार पर तय किए जाते हैं।

बिहारी जी मंदिर के पुरोहित एवं सेवायत आचार्य छैलबिहारी गोस्वामी ने बताया कि हर वर्ष की शुरुआत में ही मंदिर के सभी त्योहार-पर्वों का पंचांग तैयार कर लिया जाता है और फिर पूरे वर्ष उसी के मुताबिक सभी कार्य सम्पन्न किए जाते हैं। उन्होंने बताया, 'इस साल क्योंकि अष्टमी तिथि में सूर्योदय 27 अगस्त को होगा, इसलिए मंदिर की परंपरा के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उसी दिन मनाया जाएगा तथा मध्य रात्रि पश्चात ठाकुर जी की मंगला आरती दो बजे की जाएगी।' आपको बता दें कि मंगला आरती विशेष आरती है जो वर्ष में एक बार, केवल इसी दिन की जाती है। बांके बिहारी मंदिर के इतिहास के जानकार एवं सेवायत आचार्य प्रह्लाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि 27 अगस्त को निर्धारित समय पर ही दर्शन व आरतियां की जाएंगी जिसके बाद रात 12 बजे से आराध्य का महाभिषेक होगा, जिसके दर्शन आम दर्शनार्थियों के लिए सुलभ नहीं होंगे। अब ये आरती रात 2 बजे होगी, जबकि कुछ दशक पहले तक ये मंगला आरती भोर में चार बजे होती थी, जिसमें सीमित संख्या में ही भक्त सम्मिलित होते थे। आचार्य प्रह्लाद बल्लभ गोस्वामी ने बताया कि मंगला आरती पूरी होने के बाद भक्त ठाकुर जी के दर्शन कर पाएंगे। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान न्यास के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गर्भगृह, ठाकुर केशव देव एवं भागवत भवन सहित सभी मंदिरों में जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त को ही मनाया जाएगा। ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर के जनसंपर्क अधिकारी एडवोकेट राकेश तिवारी ने बताया कि यहां भी मंदिर के पंचांग एवं परम-परानुसार जन्माष्टमी 26 अगस्त को ही मनाई जाएगी। वृंदावन के ठाकुर राधारमण लाल, इस्कॉन के श्री कृष्ण बलराम मंदिर, प्रेम मंदिर आदि अन्य सभी मंदिरों में भी जन्माष्टमी का पर्व 26 अगस्त को ही मनाया जाएगा।

पितरों को 'श्रद्धा' से किया प्रणाम ही असली 'श्राद्ध' है

भोले बाबा की उपासना और बप्पा के रंग में रंगने के बाद समय आता है, अपने पितरों को याद करने का। अपने पूर्वजों को प्रणाम करने के लिए यह समय बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। पितरों के प्रसन्न होने से उनका अदृश्य सपोर्ट मिलता है और यदि पितर नाराज हो जाते हैं तो प्रभु कृपा कम होने लगती है। ज्योतिषाचार्य पंडित शशिशेखर त्रिपाठी से जानिए पितरों की नाराजगी कितने कष्ट देती है, साथ ही पितरों को कैसे प्रसन्न करें।

एक बात अच्छी तरह से समझ लेनी चाहिए कि पितरों के नाराज या रुष्ट होने पर ही पितृ दोष बनता है। कुंडली में अच्छे योग होने के बाद भी एक तरीके का लॉक लग जाता है। परिवार में खुशी का माहौल नहीं बन पाता है, यही नहीं कई बार देखा गया है कि घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम नहीं हो पाते है, जैसे संतान का विवाह, आंगन में किलकारियां का गूंजना, परिवार में मांगलिक कार्यों का होना आदि। जिन लोगों को भी पितृदोष है, उनके लिए पितृपक्ष बहुत महत्वपूर्ण होता है। पितृपक्ष के मर्म को समझना बहुत जरूरी है। पितर को खुश करने के लिए पिंडदान, पितरों को पानी देना, गया जाना, श्राद्ध , पुश पक्षी को भोजन कराने जैसे कर्मकांड जरूर करने चाहिए।

शास्त्रों में पितरों के लिए भी पूरे एक पक्ष का प्रावधान किया गया है, आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में प्रतिपदा से अमावस्या तक 15 दिनों का पूरा पखवारा पितृपक्ष के नाम से जाना जाता है। इस साल की बात करें तो 17 सितंबर से श्राद्ध आरंभ हो रहे जबकि 18 सितंबर को पितृपक्ष प्रतिपदा होगी।

पितरों के लिए जो कार्य श्रद्धा से किए जाए है वह श्राद्ध है।

पितरों को खुश किए बिना नहीं मिलेगा कोई फल

आश्विन मास के पूरे कृष्ण पक्ष यानी पंद्रह दिनों तक रोजाना नियम पूर्वक स्नान करके पितरों का तर्पण करें और अंतिम दिन पिंडदान श्राद्ध करें। ऐसा माना जाता है कि पितर चंद्रमा के पीछे की तरफ रहते हैं और पितृ पक्ष में सभी पितर धरती पर आते हैं। पितरों को प्रसन्न करने के लिए एकमात्र उपाय भोजन कराना बताया गया है, भोजन कराकर उन्हें तृप्त करना ही मुख्य उद्देश्य होता है क्योंकि पितरों के पास अपना शरीर नहीं होता है, इसलिए पशु पक्षी के माध्यम से वह अपना आहार ग्रहण करते हैं इसलिए पितृपक्ष में कौवा कुत्ता एवं अन्य पशु पक्षियों को भोजन करने का प्रावधान है। किसी भी गरीब व्यक्ति को भोजन कराने से भी पितरों को तृप्ति मिलती है। पितृपक्ष में पितरों को तृप्त करने से पितरों का आशीर्वाद श्राद्ध कर्म करने वाले को मिलता है, जिससे उसे आरोग्यता धन, संपदा, राज सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि पितरों के आशीर्वाद का हाथ उठाते ही ईश्वर भी आशीर्वाद का हाथ यानी वरदहस्त हो जाते हैं।

250 एकड़ में बना भारत का अनोखा मंदिर

28 साल में 400 मजदूरों ने बनाया था, लगी हैं 1008 प्रतिमाएं

भारत का यात्रा मंदिरों के बिना अधूरी है। राजस्थान के पाली में तो एक ऐसा मंदिर है, जिसकी आकृति उसे सबसे अलग बनाती है। यह शिव मंदिर पाली में है। मंदिर ओम शेप का है। पूरी दुनिया में पाली के अलावा कहीं और ऐसा मंदिर नहीं है। इसे तैयार करने के लिए 2 दशक से भी ज्यादा समय लगा। आज हम आपको इसी अनोखे मंदिर से जुड़ी दिलचस्प जानकारी देने वाले हैं।

पाली के जाडन में 1995 में शिव मंदिर को बनाने की शुरुआत हुई था।अलखपूरी सिद्धपीठ परम्परा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महेश्वरानंद महाराज ने 40 साल पहले मंदिर को बनाने का सपना देखा था। मंदिर 4 मंजिला है और 250 एकड़ में फैला है। भगवान शिव की इस मंदिर में 1008 प्रतिमाएं लगी हैं। 108 कमरे बने हैं। पूरी दुनिया में ऐसा मंदिर कहीं और नहीं बना है। मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंग मौजूद हैं, जहां एक साथ भक्त दर्शन कर सकते हैं।

इस मंदिर को अलग बनाने में 28 साल की समय लगा। मंदिर को तैयार करने के लिए धौलपुर का गुलाब बंसी पहाड़पुर का पत्थर इस्तेमाल हुआ है। 400 मजदूरों ने दिन-रात मेहनत कर मंदिर को बनाया है। मंदिर के अलावा यहां 7 ऋषियों की समाधि मौजूद है। ओम आकृति होने की वजह से लोग इसे ओम मंदिर कहते हैं। इसका शिखर 135 फीट ऊंचा है। पाली के शनि मंदिर को नागर शैली से तैयार किया गया है। इस शैली में पूरे मंदिर को पत्थर के चबूतरे पर बनाया जाता है। ताकि के मंदिर के नीचे और ऊपर लिए सीढ़ियां बनाई जा सके। नागल शैली से 5 अलग-अलग तरह के मंदिर बनाए जा सकते हैं।

इस अनोखे मंदिर को देखने के लिए आपको पाली के जाडन पहुंचना होगा। जोधपुर के एयरपोर्ट से मंदिर 71 किलोमीटर दूर है। अगर आप ट्रेन से जा रहे हैं तो आपको मारवाड़ जंक्शन पर उतरना होगा। आधे किलोमीटर के दायरे में पूरा मंदिर फैसला हुआ है। पाली के जाडन के अलावा आपको पूरी दुनिया में ऐसा अनोखा मंदिर नहीं दिखेगा। यही बात टूरिस्ट को इस मंदिर की तरफ आकृषित करती है।

सूर्या की कंगुवा का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

एक आंख वाले बॉबी देओल को देख थर्रा उठेंगे दर्शक

सूर्या के फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि साउथ सुपरस्टार की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक कंगुवा का ट्रेलर रिलीज कर गया है। यह फैंटसी ड्रामा तभी से चर्चा में है, जबसे इसका ऐलान किया गया है। वहीं जब फिल्म से मेकर्स ने एक्टर्स के फर्स्ट लुक जारी किए तो इसे देखकर फैंस की उत्सकुता और भी बढ़ गई। अब दर्शकों के बीच जब फिल्म के ट्रेलर ने दस्तक दे दी है तो इसे भी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। कंगुवा का निर्देशन साउथ सिनेमा के जाने-माने निर्देशक शिव ने किया है और इसमें सूर्या के साथ बॉबी देओल, दिशा पाटनी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में नटराजन सुब्रमण्यम, जगपति बाबू, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, कोवई सरला, आनंदराज, रवि राघवेंद्र और कई अन्य कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। सूर्या ने अपने एक्स हैंडल पर भी कंगुवा का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर शेयर करते हुए सूर्या ने कैप्शन में लिखा- एक टीम के रूप में हमने जो कुछ भी एक साथ किया है, उस पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, धन्यवाद, जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रिय शिव!! यहां आप सभी के लिए हमारा म्कंगुवाट्रेलर है! (एसआईसी)। कंगुवा के ट्रेलर की बात की जाए तो इसकी शुरुआत आदिवासी लोगों के सीन से होती है। जो, बॉबी देओल के साथ युद्ध की तैयारी कर रहे हैं। सूर्या के चरित्र को एक क्रूर साहसी व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। इसी के साथ साउथ सुपरस्टार पैन इंडिया स्टार बनने की तैयारी में भी हैं। अगर ये कहें कि ये ट्रेलर पूरे भारत में सूर्या की दहाड़ है, तो गलत नहीं होगा। ट्रेलर में प्रीहिस्टोरिक लोगों और भविष्य दोनों को खूबसूरती से दर्शाया गया है। ऐसी इमेजिनेटिव और डेयरिंग प्रोजेक्ट केवल दक्षिण से ही आ सकती थी।इससे पहले हाल ही में फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया था। सूर्या ने सोशल मीडिया के ही जरिए इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कंगुवा 10 अक्टूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। उन्होंने एक पोस्टर के साथ यह ऐलान किया, जिसमें सूर्या और बॉबी देओल आमने-सामने नजर आ रहे हैं और उनके पीछे धुआं और ढेरो लोग दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर के साथ ही यह भी बताया गया था कि फिल्म का ट्रेलर 12 अगस्त को जारी होगा।

संदीपा धर ने बताया कि उन्होंने अपनी बड़ी बकेट लिस्ट कैसे चेक की

अभिनेत्री संदीपा धर ने बताया कि उन्होंने हॉट बैलून राइड को अपनी बड़ी बकेट लिस्ट से चुना है, जिसे उन्होंने सबसे शानदार चीज़ बताया है।संदीपा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तुर्की छुट्टी की कई तस्वीरें शेयर कीं, जहाँ उन्होंने तुर्की के कप्पाडोसिया में हॉट बैलून राइड की कोशिश की। तस्वीरों में वह अपने दोस्तों के साथ राइड पर नजर आ रही हैं, जिन्हें उन्होंने अपने पसंदीदा इंसान के रूप में टैग किया है।कैप्शन में उन्होंने लिखा: ऊपर, ऊपर और दूर! इस दिन के बारे में सोचना बंद नहीं कर सकती। निस्संदेह, हॉट एयर बैलून में सवारी करना मेरे द्वारा अब तक किए गए सबसे शानदार कामों में से एक है। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ी बकेट लिस्ट है!अनुभव का वर्णन करते हुए, संदीपा ने लिखा: यह बहुत खास था क्योंकि मुझे यह अनुभव अपने पसंदीदा इंसानों के साथ साझा करने का मौका मिला। क्या अविश्वसनीय अनुभव था! बिल्कुल अविस्मरणीय।श्रीनगर में जन्मी इस अभिनेत्री ने 2010 में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय के साथ इसी लाइफ में से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

इसके बाद उन्हें हीरोपंती, गोल्लू और पप्पू, ग्लोबल बाबा, 7 ऑवर्स टू गो, कार्टेल जैसी फिल्मों में देखा गया और उन्होंने सतीश कौशिक द्वारा निर्देशित पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म कागज़ में विशेष भूमिका निभाई।संदीपा को आखिरी बार इम्तियाज अली की मेडिकल ड्रामा डॉ. अरोड़ा में देखा गया था। इस सीरीज में कुमुद मिश्रा, राज अर्जुन और पितोबाश त्रिपाठी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। उनकी अगली फिल्म फिरकी है जिसमें नील नितिन मुकेश, करण सिंह ग्रोवर, जैकी श्रॉफ, के के मेनन हैं।

इसकी घोषणा सालों पहले की गई थी, हालांकि फिल्म अनिश्चित काल के लिए रोक दी गई है।संदीपा की अन्य प्रतिभाओं की बात करें तो अभिनेत्री भरतनाट्यम नृत्यांगना हैं। उन्होंने श्यामक डावर और टेरेंस लुईस से जैज़ और कंटेम्परेरी भी सीखी है।

रिवीलिंग गाउन पहन निक्की तंबोली ने दिया पोज

टीवी और फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री निक्की तंबोली हमेशा ही अपने बोल्ड लुक्स के लिए चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह बेहद ही हॉट और स्टनिंग लग रही हैं। इस वीडियो में निक्की ने ग्रे कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है और उन्होंने लाइट मेकअप के साथ अपने बालों को खुला रखा है। निक्की के इस वीडियो को देखकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया का पारा हाई कर रहा है। कुछ फैंस ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया है, तो कुछ ने उनके लुक की तारीफ की है। निक्की का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं।बिग बॉस के घर से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी हॉटनेस से फैंस पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें फैंस के दिलों पर कहर बरपाती हैं।निक्की तंबोली अपने फैंस के साथ जुड़ने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं।फैंस भी एक्ट्रेस निक्की तंबोली की इन तस्वीरों को बेहद ही पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैंनिक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपने फैंस के लिए निजी और प्रोफेशनल पलों के सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

कंगना रनौत ने नए पोस्टर के साथ फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज

6 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

कंगना रनौत की मोस्ट अवेटेड फिल्म इमरजेंसी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टपोन होने से दर्शकों को काफी निराशा हुई है कंगना ने अपने राजनीतिक करियर के चलते अपनी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी थी। लेकिन अब उनके फैंस के लिए खुशखबरी है क्योंकि कंगना ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।कंगना ने फिल्म का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए ट्रेलर की रिलीज डेट अनाउंस की। फिल्म का ट्रेलर 14 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। नया पोस्टर लॉन्च करते हुए कंगना ने कैप्शन लिखा, डेमोक्रेटिक इंडियन हिस्ट्री के सबसे बुरे दौर और सत्ता की लालसा को देखिए जिसने देश को लगभग जलाकर राख कर दिया! इमरजेंसी का ट्रेलर 14 अगस्त को रिलीज होगा। भारतीय लोकतंत्र के सबसे बुरे चैप्टर की विस्फोटक कहानी 6 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी।6 सितंबर को दुनिया भर में रिलीज होने वाली यह फिल्म 1975'977 के दौरान भारत में हुए विवादास्पद आपातकाल के दौर पर आधारित है।

रनौत न केवल इस फिल्म में लीड रोल प्ले कर रही है बल्कि वह फिल्म का निर्देशन और प्रोड्यूस भी कर रही हैं। कंगना फिल्म में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले करती हुई नजर आएंगी। अपने राजनीतिक करियर के चलते कंगना ने फिल्म की रिलीज डेट 14 जून से आगे बढ़ाकर 6 सितंबर कर दी। अब फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।कंगना रनौत की इमरजेंसी में कई स्टार कलाकार हैं। फिल्म में जयप्रकाश नारायण के रोल में अनुपम खेर, अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में श्रेयस तलपड़े, पुपुल जयकर की भूमिका में महिमा चौधरी, सैम मानेकशॉ की भूमिका में मिलिंद सोमन और जगजीवन राम की भूमिका में दिवंगत सतीश कौशिक हैं। इसके पहले कंगना सर्वेश मेवाड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म तेजस में नजर आई थी। जो पिछले साल रिलीज हुई थी।

इस एक्ट्रेस का नाम लगते ही बॉक्स ऑफिस पर दौड़ती हैं मूवीज

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसी एक्ट्रेस हैं जिनका नाम लगते ही फिल्म बॉक्स ऑफिस दौड़ने लगती हैं। अब वो जमाना नहीं रहा है जब सिर्फ एक्टर्स के नाम पर फिल्म चले। अब एक्ट्रेस भी अपने दम पर फिल्म को हिट करवाती हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक ऐसी हसीना है जिसने साल 2023 में दो 500 करोड़ी फिल्में दी हैं। वहीं, साल 2024 में एक 200 करोड़ी फिल्म और एक 500 करोड़ी फिल्म अपने नाम कर चुकी है। इस एक्ट्रेस को बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। आइए आपको बताते हैं हम किस एक्ट्रेस के बारे में बात कर रहे हैं।

दीपिका पादुकोण की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' सिनेमाघरों में लगी है। इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। दीपिका पादुकोण की इस फिल्म ने 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' साल 2024 की शुरुआत यानी जनवरी में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने जबरदस्त कमाई करते हुए करीब 200 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दीपिका पादुकोण ने साल 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'जवान' में काम किया था। शाहरुख खान स्टारर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

मिशन रोजगार

खटाखट वाले फिर निकल गए पिकनिक मनाने: योगी

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1036 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अप्रैल-मई के महीने में आपने खटाखट स्कीम के बारे में सुना होगा। लोगों से एक-एक लाख रुपए के बॉन्ड भरवाए गए थे। हर महीने 8500 रुपए भेजने का वायदा किया गया था, लेकिन खटाखट स्कीम वालों का देश में अता-पता नहीं है। खटाखट वाले लोग चुनाव खत्म होते ही फिर से पिकनिक मनाने के लिए निकल गए हैं। जब चुनाव का मौसम आएगा तो खटाखट वाले लोग समाज को विभाजित करने और अराजकता फैलाने के लिए फिर आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब बिना किसी सिफारिश और लेन-देन के उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी प्राप्त करना संभव है। विगत साढ़े सात वर्ष से हमारी सरकार आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित कर रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1036 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के द्वारा 2012 से 2017 के बीच 26394 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया संपन्न हुई थी। इसमें 13469 पदों पर सामान्य, 6966 पदों पर ओबीसी, 5634 पदों पर एससी और 327 पदों पर एसटी वर्ग के युवाओं का चयन हुआ था। इसमें ओबीसी का जो प्रतिशत है, वह केवल 26.38 प्रतिशत था। वहीं हमारी सरकार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से 46,675 भर्तियां हुईं। इसमें ओबीसी के कुल 17929 अभ्यर्थी चयनित हुए, जिनका प्रतिशत 38.41 है। ओबीसी, एससी और एसटी के प्रतिशत को अगर जोड़ लिया जाए तो डबल इंजन सरकार में 60 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा चयन आयोग के माध्यम से हुआ है।

सीएम योगी ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से पूर्ववर्ती सरकार (वर्ष 2012 से 2017) के बीच कुल 19312 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, जबकि वर्ष 2017 से 2024 के बीच डबल इंजन सरकार में 42 हजार 409 से अधिक युवाओं को चयन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। हमारी सरकार में संविधान के द्वारा निर्धारित आरक्षण की पूरी व्यवस्था का पालन करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया है। आज यह सभी युवा प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि डबल इंजन सरकार में अगर किसी ने प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया तो वह ऐसी सजा देंगे, जो देश और दुनिया के सामने नजीर बनेगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास कोई कार्य नहीं है, वह अफवाह फैलाकर युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में छठवें-सातवें नंबर पर थी, लेकिन अब यहां का युवा देश के किसी भी राज्य में जाता है तो गर्व से खुद को उत्तर प्रदेश का बताता है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में दूसरे नंबर पर है। उत्तर प्रदेश देश के किसी भी राज्य के तुलना में सबसे अच्छी आर्थिक प्रगति करने वाला राज्य है। उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को तेजी के साथ आगे बढ़ा रहा है। किसानों, महिलाओं और गरीबों से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने में उत्तर प्रदेश की गिनती देश के अग्रणी राज्यों में होती है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में मिशन रोजगार के अंतर्गत समय-समय पर नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 536 सहायक शोध अधिकारी (सांख्यिकी), 235 सहायक सांख्यिकीय अधिकारी, 213 कनिष्ठ सहायक, लेखा लिपिक, मंडी पर्यवेक्षक श्रेणी-2, मंडी निरीक्षक, 15 नक्शानवीस/मानचित्रक और 37 मानचित्रकार सहित कुल 1036 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इन युवाओं को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पर्यावरण, वन, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन, मंडी परिषद, मत्स्य विभाग, अर्थ एवं संख्या प्रभाग, सहकारिता विभाग, नगर एवं ग्राम्य नियोजन, पर्यटन विभाग, लघु सिंचाई और संस्थागत वित्त में नियुक्ति मिली है।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, मत्स्य विकास मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद, उद्यान एवं कृषि विपणन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, वन जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ अरुण कुमार सक्सेना, जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, पर्यावरण, वन जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री केपी मलिक, संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह समेत अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

संभावनाओं के शहर बने काशी,अयोध्या, कानपुर और लखनऊ

देश के 100 उभरते शहरों में यूपी के ये शहर शीर्ष पर

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

सात साल पहले जो उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। पूर्ववर्ती बहुजन समाज पार्टी (बसपा)और समाजवादी पार्टी (सपा) के समय में जो राज्य अराजकता और भ्रष्टाचार का पर्याय हुआ करता था। निवेश करने की बात दूर जिन लोगों ने निवेश कर रखा था वह भी अपना बैरिया बिस्तर समेट रहे थे। कुछ तो समेट चुके थे।

बेहतर कनेक्टिविटी, वैश्विक स्तर की बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा से पूरा माहौल ही बदल गया। आज देश के सबसे तेजी से उभरते हुए 100 शहरों में यूपी के चार शहर शीर्ष पर हैं। ये शहर हैं काशी,अयोध्या, कानपुर और लखनऊ। यह सरकार नहीं रीयल एस्टेट की सलाहकार फर्म कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट कह रही है। फर्म ने शहर के अनुसार ये भी बताया है कि संबंधित शहर में किस क्षेत्र की (आवासीय, वेयर हाउस,डाटा सेंटर ,रिटेल और हिस्पिटिलिटी सेक्टर) संभावनाएं अधिक हैं। अयोध्या जो कभी सप्तपुरियों में शुमार थी, उसके प्रति गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों की प्रतिबद्धता से हर कोई वाकिफ है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी कभी योगी आदित्यनाथ ने इस प्रतिबद्धता को छिपाया नहीं। जब भी मौका मिला वह अयोध्या गए वहां के लिए विकास की सौगात दी। समय निकालकर वह इन विकास कार्यों का भौतिक सत्यापन भी करने जाते रहे। हाल के दो दौरे इसका प्रमाण हैं। अयोध्या में करीब 32 हजार करोड़ रुपए की लागत से करीब 200 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें से अधिकांश परियोजनाएं इसी साल या अगले साल के शुरू में राम मंदिर के साथ ही पूरी हो जाएंगी। योगी सरकार के समय में ही शुरू दीपोत्सव से अयोध्या की पूरी दुनियां में ब्रांडिंग हुई।

काशी भी सप्तपुरियों में से एक है। दुनियां की सबसे प्राचीनतम और देवाधिदेव महादेव की प्रिय काशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र भी है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अन्य विकास परियोजनाओं के कारण काशी का पिछले 10 वर्षों में कायाकल्प हो चुका है। गंगा आरती, देव दीपावली मेले का आयोजन और भव्य होने से काशी के प्रति देश दुनियां का आकर्षण और बढ़ा।

रही कानपुर की बात तो कभी यह देश का प्रमुख ओद्योगिक शहर हुआ करता था। कपड़े की कई मिलों के कारण गंगा के किनारे बसे इस शहर को भारत का मैनचेस्टर कहा जाता था। यहां चमड़ा उद्योग की भी पूरे दुनियां में ख्याति थी। मिलें क्रमशः बंद होती गईं और चमड़ा उद्योग प्रदूषण की मुख्य वजह बन गया। यातायात की अराजकता अलग से। योगी सरकार ने चमड़ा उद्योग के प्रदूषण पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाया। गंगा के घाटों का सुंदरीकरण करवाया, सुरक्षित, तेज और आराम देह सफर के लिए मेट्रो की शुरुआत की। एयरपोर्ट की शुरुआत, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे, और कानपुर से कन्नौज की जीटी रोड को छह लेन करने से प्रदेश की राजधानी लखनऊ और देश की राजधानी दिल्ली से इसकी कनेक्टिविटी बेहतर हुई। बदली हुई काशी और अयोध्या का प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। इससे टूरिज्म से बढ़ने वाली आय में भी खासा इजाफा हुआ। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2023 में यूपी में आने वाले पर्यटकों की संख्या 48 करोड़ थी। बेहतर ब्रांडिंग के जरिए इसे 2028 तक 80 हजार करोड़ पहुंचाने का लक्ष्य है। इसी तरह इस सेक्टर से 2016/2017 में आय 11हजार करोड़ थी। 2028 तक इसे 70 हजार करोड़ करने का लक्ष्य है।

नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे, सीएम का जताया आभार

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

लोकभवन सभागार में मंगलवार को नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे खिल उठे। निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की इस भर्ती प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थियों ने सीएम योगी को धन्यवाद कहा। नियुक्ति पत्र पाकर किसी अभ्यर्थी ने अपने पिता के सपने के पूरा होने की बात बताई तो किसी ने अपने परिश्रम की कहानी सुनाई। ज्यादातर अभ्यर्थियों की जुबां पर 2017 के बाद से सरकारी नौकरियों में आई पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए सीएम योगी के प्रति आभार था।

योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को नौकरी एवं रोजगार से जोड़ने के लिए मिशन मोड में कार्य कर रही है। स्वयं सीएम योगी अधिकारियों से विभागों में रिक्त हुए पदों की बराबर जनकारी लेते रहते हैं और रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरने का समय-समय पर निर्देश भी देते हैं। इसी का परिणाम है कि योगी सरकार विगत साढ़े सात साल में साढ़े छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने में सफल रही है। यहीं नहीं, संविदा के माध्यम से 3.75 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी से जोड़ा गया है। साथ ही दो करोड़ लोगों को निजी क्षेत्र/एमएसएम के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसी का नतीजा है कि 2016 में प्रदेश की जो बेरोजगारी दर 16 प्रतिशत थी, वो घटकर 2.4 रह गई है।

सीएम योगी के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद राज्य मंडी निरीक्षक के पद पर चयनित हुईं वाराणसी की दीप्ति राय ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी का बहुत-बहुत धन्यवाद। 15 अगस्त से पहले उन्होंने हम लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। दीप्ति ने कहा कि पूरी भर्ती निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से हुई है। मंडी निरीक्षक के पद पर चयनित हुए प्रतापगढ़ के शोभित श्रीवास्तव ने कहा कि पिछली सरकारों में भर्ती परीक्षाएं किसी न किसी वजह से फंस जाती थीं। उनका परिणाम नहीं आ पाता था, लेकिन सीएम योगी के शासनकाल में समय पर परीक्षा और परिणाम आ रहे हैं। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार। मंडी पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त हुए अंकित गुप्ता का कहना है कि यह भर्ती बिना किसी लेनदेन के संपन्न हुई है। इसकी परीक्षा में पूरी शुचिता एवं निष्पक्षता का पालन किया गया है। उन्होंने सीएम योगी का आभार जताते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

गणित पढ़ाने वाला लापता टीचर 10 साल बाद बंगाल में मिला

गोरखपुर, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से एक दशक पहले गायब हुए एक गणित टीचर को पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश की सीमा पर पाया गया है। उत्तर 24 परगना के पेटरापोल बॉर्डर पर करीब 40 साल का ये युवक गीली मिट्टी पर लड़की की डंडी से गणित की पहेलियों को सुलझा रहा था। अब स्थानीय रेडियो स्टेशन के संचालक की मदद से उस टीचर के परिवार को ढूंढ कर उसे परिवार के हवाले कर दिया गया है।

युवक का नाम अमित कुमार प्रसाद है, जो गोरखपुर में बच्चों को गणित पढ़ाते थे। वो एक दशक पहले गायब हो गए थे। घरवालों ने उसे काफी खोजा, लेकिन वो नहीं मिला था, जिसके बाद परिजन निराश हो चुके थे, लेकिन कुछ समय पहले भारत-बांग्लादेश सीमा पर उत्तर 24-परगना में पेटरापोल के पास युवक दिखा। वो एक पेड़ के नीचे गीली मिट्टी में लकड़ी से गणित के सवाल हल कर रहा था। उसकी मानसिक स्थिति अच्छी नहीं थी।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने जब अमित कुमार प्रसाद से उनके बारे में पूछा, तो अमित ने हिंदी में जवाब दिया, मुझे अकेला छोड़ दीजिए, मुझे गणित हल करना है। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय पुलिस ने रेडियो संचालक परिमल रॉय की मदद से अमित कुमार प्रसाद के परिजनों को ढूंढ़ निकाला और परिवार को मिलाया। सोमवार को अमित कुमार के पिता गामा प्रसाद गोरखपुर से पेटरापोल पहुंचे, और थाने में अमित को गामा प्रसाद के हवाले कर दिया गया। गामा प्रसाद ने कहा, स्कूल में छात्रों को पढ़ाने के अलावा, मेरा बेटा कम से कम पांच पड़ोसी गांवों के 250 से ज्यादा गरीब बच्चों को मुफ्त में पढ़ाता था। वो गणित विषय का काफी शौकीन था। धीरे-धीरे वो मानसिक बीमारी की चपेट में आ गया और एक दिन गायब हो गया। हमने उसकी काफी तलाश की, लेकिन वो नहीं मिला। हमने कभी उम्मीद नहीं की थी कि वो इतने सालों तक जिंदा भी होगा और फिर मिल जाएगा।शौकिया तौर पर रेडियो स्टेशन चलाने वाले परिमल रॉय ने मीडिया को बताया, स्थानीय लोगों ने उन्हें (टीचर) गीली मिट्टी पर गणित के फॉर्मूले लिखते और समीकरण सॉल्व करते देखा। पहचान पूछने पर जवाब नहीं मिला। आगे पूछा गया तो उन्होंने हिंदी में कहा कि अकेला छोड़ दीजिए, मुझे गणित हल करना है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गणित के इस टीचर के घर पर जश्न का माहौल है।पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग बिस्वास ने बताया, पुलिस ने प्रसाद के परिवार का पता लगाने में मदद के लिए हमसे संपर्क किया। मैंने उस व्यक्ति से बात की और उसके परिवार की तलाश शुरू करने के लिए पूरे भारत में हैम (शौकिया) रेडियो ऑपरेटरों के नेटवर्क में उसकी तस्वीर प्रसारित की। बाद में, हमने उसके पिता से संपर्क किया।

जब से यूपी में दो लड़कों की ताकत बढ़ी, अपराधियों के हौसले बुलंद

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले भाजपा और सपा आमने-सामने हैं। सपा के दो नेताओं पर बलात्कार के आरोप लगे हैं, ऐसे में भाजपा का कहना है कि लोकसभा चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद से अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद हो गए हैं। हालांकि सपा ने इसे एक साजिश करार दिया है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने खासतौर पर उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया था। भाजपा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यूपी में दो लड़कों की ताकत बढ़ने से अपराधियों के हौसले बुलंद हुए हैं। उनका इशारा राहुल गांधी और अखिलेश यादव की ओर था।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सपा पर अपराधियों को पनाह देने का आरोप लगाया और बलात्कार प्रयास के आरोप में उससे जुड़े दो लोगों की गिरफ्तारी को लेकर सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा जहां अपराधियों का बचाव कर रही है वहीं विपक्षी इंडी गठबंधन के सदस्य अपने गठबंधन सहयोगियों के आपराधिक नेताओं की मदद कर रहे हैं।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, दो लड़कों से जुड़े लोग अपराध करते रहे हैं। इन दो लड़कों की ताकत बढ़ने के बाद से अपराधियों का दुस्साहस बढ़ रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच गठबंधन के बाद दोनों की जोड़ी को यूपी के दो लड़के कहा गया था। अब भाजपा की ओर से उन्हें निशाना बनाते हुए लोकसभा चुनाव-2024 का जिक्र किया गया है। इसके अलावा सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रियंका गांधी भी सपा नेताओं के अपराध पर खामोश है। पश्चिम बंगाल के मामले की जांच तत्काल सीबीआई को सौंपने की मांग करते हुए त्रिवेदी ने सवाल किया कि क्या इसलिए इतना समय दिया जा रहा है ताकि मामले में हेरफेर किया जा सके।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत : योगी

लखनऊ, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। इसका मतलब 140 करोड़ भारतवासियों के चेहरे पर खुशहाली लाना है। इसके के लिए समस्त भारतवासियों को देश की समृद्धि में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में एकजुट होकर इस अभियान का हिस्सा बनना होगा। दो वर्ष पहले देश के आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन से जुड़कर हम लोगों ने पंच प्रण का संकल्प लिया था और आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में हर घर तिरंगा के माध्यम से भारत के आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगा को हर घर पर लहराने का कार्य किया था।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा लखनऊ महानगर की ओर से राष्ट्र प्रथम की भावना संग यह रैली निकाली गई। इसमें हजारों उत्साहित कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आजादी के 78वें स्वाधीनता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2022-23 में उत्तर प्रदेश ने पांच करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा लहराने का कीर्तिमान स्थापित किया था। गत वर्ष भी उत्तर प्रदेश में लगभग साढ़े चार करोड़ घरों पर तिरंगा लहराया गया था। पीएम मोदी के आह्वान पर इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश सरकार ने हर घर तिरंगा को साढ़े चार करोड़ घरों तक पहुंचाने का वृहद संकल्प लिया है। भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के संकल्प के साथ जुड़कर हम सभी भारत के आन-बान-शान के प्रतीक तिरंगा को हर घर तक पहुंचाने के सहभागी बन रहे है।

मुख्यमंत्री ने तिरंगा यात्रा बाइक रैली को झंडी दिखाकर किया रवाना

सीएम योगी ने कहा कि उप्र में पिछले तीन दिन के अंदर भाजपा के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा के उत्साही कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। इसमें शामिल छात्र, व्यवसायी समेत अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के द्वारा दिख रहा उत्साह नए भारत का दर्शन कराता है। तिरंगा एक भारत-श्रेष्ठ भारत का प्रतीक है। सीएम ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि आज से 15 अगस्त तक हर घर पर तिरंगा लहराया जाएगा। उन्होंने अपील की कि इसके साथ हम खुद भी जुड़ेंगे और हर प्रदेशवासी को जोड़ेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारत माता की जयकार संग हाथ में तिरंगा फहराते अपने आवास से पैदल चले। सीएम ने राष्ट्रीयता, राष्ट्र प्रथम के भाव व पंच प्रण के संकल्पों के साथ जुड़ने का आग्रह किया। इस दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य प्रांशु दत्त द्विवेदी, विधायक नीरज बोरा, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

ईसीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड ओलंपिक 2028 में टीम ग्रेट ब्रिटेन को उतारने की बना रहे योजना

लंदन, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट स्कॉटलैंड ने लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेलों में पुरुष और महिला ग्रेट ब्रिटेन (जीबी) क्रिकेट टीमों को मैदान में उतारने की योजना के बारे में बातचीत शुरू कर दी है।

क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार ओलंपिक में वापस आएगा, जब पिछले साल के अंत में इसे शामिल किए जाने की पुष्टि की गई थी। विवरण की पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन आईसीसी ने महिला और पुरुष दोनों प्रतियोगिताओं के लिए छह-टीम टी-20 टूर्नामेंट का प्रस्ताव दिया है, जो लगभग एक सप्ताह तक चलने की उम्मीद है और जो संभवत: एक साथ नहीं बल्कि लगातार खेले जाएँगे।

क्वालिफिकेशन विवरण की पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन आईसीसी की टी-20 रैंकिंग का कुछ हद तक उपयोग किया जाएगा। अधिकांश देश अपनी सामान्य शैली में प्रतिस्पर्धा करेंगे, लेकिन अगर इंग्लैंड क्वालीफ़ाई करता है तो वे बाकी ओलंपिक की तरह ग्रेट ब्रिटेन के रूप में खेलेंगे। इससे ब्रैंडन मैकमुलेन या सारा और कैथरीन ब्राइस जैसे कुछ स्कॉटिश खिलाड़ियों के प्रतिस्पर्धा करने की संभावना खुल जाती है।

ईसीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड ने प्रस्तावित जीबी क्रिकेट टीमों पर एक साथ काम करने के बारे में प्रारंभिक चर्चा की है। क्रिकेट स्कॉटलैंड अपने संचालन में सक्रिय भागीदारी के लिए जोर दे रहा है और खिलाड़ियों और कर्मचारियों का योगदान देने के लिए उत्सुक है, लेकिन ईसीबी टीमों का नामित शासी निकाय होगा।

ईसीबी के प्रवक्ता ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अभी चार साल बाकी हैं, यह अभी बहुत शुरुआती चरण है, लेकिन हम टीम जीबी और क्रिकेट स्कॉटलैंड से अगले कदमों के बारे में बात कर रहे हैं। एक बार फिर ग्रेट ब्रिटेन के ओलंपियनों ने इस साल पेरिस में अपने कारनामों से राष्ट्रीय कल्पना पर कब्जा कर लिया है, और हम 2028 में ओलंपिक मंच पर क्रिकेट की वापसी पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, इंग्लैंड और वेल्स द्वारा 2026 और 2030 में महिला और पुरुष [टी20] विश्व कप की मेजबानी के साथ, यह खेल को आगे बढ़ाने और अधिक लोगों को क्रिकेट के प्रति प्रेम विकसित करने के लिए प्रेरित करने का एक और शानदार अवसर है।

ब्रिटिश ओलंपिक एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी एन्सन ने सोमवार को कहा, हमें गोल्फ़, रग्बी और महिला फ़ुटबॉल में अच्छा अनुभव है, कि कैसे चार राष्ट्र [इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड] एक साथ आ सकते हैं और एक देश को मुख्य शासी निकाय के रूप में नामित कर सकते हैं और अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट भी ऐसा ही होगा।

एन्सन, जो लंकाशायर के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा, ईसीबी इसके केंद्र में होगा। उन्हें क्रिकेट स्कॉटलैंड के साथ मिलकर काम करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह ठीक से हो। हम उन्हें एक साथ आने और एक एकल राष्ट्रीय शासी निकाय बनाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर करने में मदद करेंगे, जैसा कि हमने उन अन्य खेलों में किया है। हम उन्हें पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का सदस्य बनाने के लिए ईसीबी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने पेशेवर क्रिकेट से लिया संन्यास

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज जॉर्ज वर्कर ने 34 साल की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। वर्कर, जिन्होंने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के साथ अपना पेशेवर करियर शुरू किया और ऑकलैंड के साथ समाप्त किया, ने एक बयान में कहा, पेशेवर क्रिकेट में 17 साल के शानदार सफर के बाद, मैं खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर रहा हूं। यह निर्णय मेरे जीवन के एक अविश्वसनीय अध्याय के अंत और एक नए रोमांच की शुरुआत का प्रतीक है, अपने करियर के दौरान, मैंने कुछ बेहतरीन दोस्ती बनाई है जो जीवन भर चलेंगी, साथ ही ऐसी यादें हैं जो मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। वर्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बहुत कम समय बिताया, 2015 से 2018 के बीच उन्होंने दस वनडे और दो टी20 मैच खेले, जिसमें उन्होंने क्रमशः 272 और 90 रन बनाए। इसकी शुरुआत 2015 में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे से हुई, जहाँ टी20 डेब्यू पर, उन्होंने हरारे में 38 गेंदों में 62 रन बनाकर प्लेयर-ऑफ़-द-मैच का पुरस्कार जीता। 2017 में फोर्ड ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए दस पारियों में 82.37 की औसत से 659 रन बनाए, जिससे उन्हें फिर से चयनकर्ताओं के रडार पर ला दिया। वनडे डेब्यू अफ्रीका के उसी दौरे पर हुआ, और उन्होंने 2017 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रारूप में कुछ रन बनाए, जब उन्होंने आयरलैंड में और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेला, और उस अवधि में अपने तीनों वनडे अर्धशतक बनाए।

पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता ही बिंग जियाओ ने 27 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से लिया संन्यास

नई दिल्ली। चीनी शटलर ही बिंग जियाओ ने पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का रजत पदक जीतने के बाद मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी। हालांकि, 27 वर्षीय खिलाड़ी घरेलू टूर्नामेंट खेलना जारी रखेंगे। बिंग जियाओ ने राउंड ऑफ 16 में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु को हराया था, हालांकि फाइनल में उन्हें दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर 1 एन से यंग से हार का सामना करना पड़ा था। दिलचस्प बात यह है कि बिंग जियाओ 2021 में टोक्यो खेलों में सिंधु के खिलाफ कांस्य पदक से चूक गईं थीं। वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2014 में जापान की अकाने यामागुची के पीछे उपविजेता रहने के बाद एक किशोरी के रूप में चर्चा में आईं। उसी वर्ष बाद में नानजिंग में घरेलू युवा ओलंपिक खेलों में, उन्होंने फाइनल में यामागुची को हराकर स्वर्ण पदक जीता। बाएं हाथ की शटलर ने 461 एकल मैचों में 336-125 के जीत-हार का रिकॉर्ड बनाने के बाद अपने करियर को अलविदा कह दिया।

उरुग्वे के डिफेंडर डेमियन सुआरेज़ ब्राजील के सेरी ए क्लब बोटाफोगो से बाहर होने को तैयार

रियो डी जेनेरियो। उरुग्वे के अंतरराष्ट्रीय डिफेंडर डेमियन सुआरेज़ ब्राजील के सेरी ए क्लब बोटाफोगो के साथ अपने दो साल के अनुबंध के आधे से भी कम समय में क्लब छोड़ने के लिए तैयार हैं। फरवरी में स्पेन के गेटाफे से रियो डी जेनेरियो की टीम में शामिल होने के बाद से सुआरेज़ बोटाफोगो के लिए राइट-बैक की भूमिका में मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। लेकिन ग्लोबो एस्पोर्टे की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में ट्रांसफर अनुरोध प्रस्तुत करने के बाद 36 वर्षीय खिलाड़ी का खेल खराब हो गया है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि उन्हें उरुग्वे के पेनारोल के साथ जोड़ा जा रहा है। इसमें कहा गया है कि बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने सुआरेज़ से कहा है कि वह अब क्लब की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। सुआरेज़, जो उरुग्वे की राष्ट्रीय टीम के लिए सात बार खेल चुके हैं, ने मोंटेवीडियो स्थित टीम डिफेंसर के साथ अपना कैरियर शुरू किया था, तथा उसके बाद उन्होंने स्पेन में स्पोर्टिंग गिजन, एल्चे और गेटाफे के साथ सफलतापूर्वक खेला।

19वीं राष्ट्रीय स्पीड-फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप आज से

देशभर के बारह स्टेट्स के शीर्ष एथलीट प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

गुरूग्राम, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की सबसे प्रतिष्ठित आइस स्केटिंग प्रतियोगिता, 19वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप, 14 अगस्त 2024 को गुरुग्राम के एंबियंस मॉल में स्थित आईस्केट बाय रोज़ेट में शुरू होने जा रही है। यह चैंपियनशिप आइस स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएसएआई) के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है, और इसमें देशभर के शीर्ष एथलीटों का एकत्रण होगा, जो बर्फ पर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस वर्ष की चैंपियनशिप में केरल, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, दिल्ली, राजस्थान, लद्दाख (यूटी), और जम्मू और कश्मीर (यूटी) सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भागीदारी होगी।

प्रतिष्ठित स्केटर्स जैसे प्रियम टेटेड, हर्षिता रावतानी, जतिन शेरावत और तारा प्रसाद के अलावा, भारतीय-अमेरिकी फिगर स्केटिंग की दिग्गज, अमी पारिख, भी इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय रंग भरेंगी।

19वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में एक सुव्यवस्थित प्रारूप का पालन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों में स्पीड स्केटिंग और फिगर स्केटिंग श्रेणियां शामिल होंगी।

एथलीट निम्नलिखित श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे

1. फिगर स्केटिंग : 8 साल से कम, 11 साल से कम, 13 साल से कम, 15 साल से कम, 17 साल से कम, 19 साल से कम, 19 साल से ऊपर

2. स्पीड स्केटिंग : 6-8 वर्ष, 8-11 वर्ष, 11-13 वर्ष

चैंपियनशिप से पहले, 8 अगस्त से 13 अगस्त 2024 तक एक राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग कैंप आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य एथलीटों के कौशल को निखारना और प्रतियोगिता के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाना था। चैंपियनशिप 14, 16 और 17 अगस्त 2024 को आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता का मूल्यांकन इंटरनेशनल स्केटिंग यूनियन (आईएसयू) के छह न्यायाधीशों द्वारा किया जाएगा।

फाइनल 17 अगस्त 2024 को निर्धारित है, जिसमें भारतीय फ्रीस्टाइल रेसलर और 2012 समर ओलंपिक्स कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। इसके अलावा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह भी इस मौके पर उपस्थित होंगे।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्राप्त होंगे, जबकि स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं, पहले रनर-अप और दूसरे रनर-अप को पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

18वीं राष्ट्रीय स्पीड और फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन देखने को मिले, जहां तमिलनाडु की तारा प्रसाद और तेलंगाना के वैष्णव नायर ने फिगर स्केटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि महाराष्ट्र के सुमित तपकीर और स्वारली अश्वतोष देव ने शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में दबदबा बनाया। हरियाणा ने कुल पुरस्कारों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, उसके बाद तेलंगाना का स्थान रहा।

भारतीय टीम विश्व हॉकी रैंकिंग में पांचवें स्थान पहुंची

लुसाने। भारतीय हॉकी विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक मिलने से रैंकिंग में लाभ हुआ है। पेरिस ओलंपिक के बाद जारी नई विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को दो स्थान का लाभ हुआ है जबकि पहले वह सातवें स्थान पर थी। वहीं एफआईएच प्रो लीग के समाप्त होन के बाद भारत को सातवां स्थान मिला था क्योंकि उसका अभियान अच्छा नहीं रहा था। भारत ने पेरिस ओलंपिक के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और उसे केवल 2 मैच में ही हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने 5 मैच जीते। इससे उसे 2848.67 अंक मिले और वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर 5वें स्थान पर पहुंच गया। पुरुषों की विश्व रैंकिंग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड 3168 अंक के साथ ही रैंकिंग में पहले नंबर पर है। वहीं जर्मनी ने 3035 अंक लेकर अच्छा प्रदर्शन किया और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इंग्लैंड 2973, बेल्जियम 2959 और भारत 2849 अंक लेकर शीर्ष 5 स्थानों पर हैं। जर्मनी के दूसरे नंबर पर पहुंचने से इंग्लैंड भी अपनी ओलंपिक-पूर्व रैंकिंग से एक स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत ओलंपिक में लगातार दूसरे कांस्य पदक के बाद अंतर को पाटते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में पहुंच गया है।

डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने के कारण पेरिस पैरालिंपिक 2024 में हिस्सा नहीं लेंगे भगत

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के बाद भारत के प्रमोद भगत पेरिस पैरालिंपिक 2024 का हिस्सा नहीं होंगे। मंगलवार सुबह बीडब्ल्यूएफ के एक बयान में पेरिस पैरालिंपिक में भाग लेने के लिए भगत की अयोग्यता की पुष्टि की गई।

बयान में कहा गया, 01 मार्च 2024 को जारी एक निर्णय के माध्यम से, सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन ने पाया कि भगत ने बीडब्ल्यूएफ एंटी-डोपिंग विनियमों के अनुच्छेद 2.4 (ठिकाने) का उल्लंघन किया था, उन्होने 12 महीनों के भीतर तीन ठिकाने विफलताओं को अंजाम दिया था। परिणामस्वरूप, उन पर 01 सितंबर 2025 तक 18 महीने की अयोग्यता की अवधि लगा दी गई। भगत ने इस निर्णय के खिलाफ सीएएस अपील प्रभाग में अपील की। 29 जुलाई 2024 को, सीएएस अपील डिवीजन ने खिलाड़ी की अपील को खारिज कर दिया और 01 मार्च 2024 के सीएएस एंटी-डोपिंग डिवीजन के फैसले की पुष्टि की। तदनुसार, श्री भगत की अपात्रता की अवधि अब पुष्टि की गई है।

पेरिस पैरालिंपिक का आयोजन 28 अगस्त से 8 सितंबर तक होगा। 11 दिवसीय प्रतियोगिता 11 अगस्त को ओलंपिक के समापन के ठीक दो सप्ताह बाद शुरू होगी। भगत ने टोक्यो 2020 पैरालिंपिक में पुरुष एकल एसएल 3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह पहली बार था जब किसी भारतीय ने पैरालिंपिक में बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीता था। एसएल (निचले स्तर पर खड़े होना) 3 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके शरीर का एक तरफ का हिस्सा, दोनों पैर मामूली रूप से प्रभावित होते हैं, या कोई अंग नहीं होता है। दृढ़ संकल्प और रणनीतिक प्रतिभा के संयोजन ने भगत को पैरा-बैडमिंटन के शिखर पर पहुंचा दिया। टोक्यो में उनकी स्वर्ण पदक जीत वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम थी। एक रोमांचक फाइनल में, भगत ने ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को हराकर खेलों में भारत के लिए चौथा स्वर्ण पदक सुरक्षित किया। 1988 में जन्मे भगत के जीवन में पांच साल की उम्र में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आया जब उन्हें पोलियो हो गया, जिसके परिणामस्वरूप उनका बायां पैर विकलांग हो गया। अपनी शारीरिक चुनौतियों से विचलित हुए बिना, युवा भगत ने तेरह साल की उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और एक पेशेवर खिलाड़ी बनने की यात्रा पर निकल पड़े।

महिला पहलवान प्रीति को मिला गोल्ड मेडल, सचिवालय में मिली नौकरी

संघ ने किया सम्मानित

सहरसा, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

अंडर 23 सीनियर पुरुष व महिला कुश्ती चयन प्रतियोगिता का आयोजन 10 से 11 अगस्त को खेल परिषद् कैंपस खेल भवन मे आयोजित किया गया। खेल समापन के उपरांत जिले के जांबाज महिला पहलवान प्रीति कुमारी 59 किलो ग्राम में बिहार के 5 महिला पहलवान को पटकनी देकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। प्रीति कुमारी लगातार पांचवी बार हरियाणा के झझर में नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेंगी, जिसमें बिगत साल ब्रांज मेडल नेशनल प्रतियोगिता में प्राप्त किया था।

इसी आधार पर आजादी के बाद जिले के प्रथम कुश्ती खिलाड़ी खेल कोटे के आधार पर सचिवालय में प्रिती कुमारी को बिहार सरकार द्वारा पैनल लिस्ट बनाकर नौकरी सुनिश्चित कर दिया गया है, जो जिले का प्रथम इतिहास लिखा जायेगा।

प्रीति कुमारी को बिहार कुश्ती संघ के महासचिव विनय कुमार सिंह गया जिला अध्यक्ष अमरकांत सर द्वारा सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण के मौके पर सहरसा कुश्ती संघ के अध्यक्ष नितेंद्र प्रताप नन्हे, संरक्षक डॉ बिजय शंकर, डॉ बरुण कुमार, डा शैलेन्द्र कुमार, डा राकेश कुमार, डा रवि, डा आर के सिंह, व्यापार संघ के अध्यक्ष अर्जुन चौधरी, वरीय अधिवक्ता संतोष कुमार दत्ता, जितेन्द्र सिंह चौहान, संघ के तमाम पदाधिकारी साथ ही जिले के तमाम संघ ने प्रिती कुमारी, जिला सचिव हरेंद्र सिंह मेजर को हृदयतल से हार्दिक बधाई शुभकामनाएं दी।

ईशान किशन लाल गेंद क्रिकेट से वापसी को तैयार बुची बाबू टूर्नामेंट में करेंगे झारखंड की कप्तानी

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

ईशान किशन 15 अगस्त से तमिलनाडु में शुरू होने वाले आगामी बुची बाबू टूर्नामेंट में झारखंड की कप्तानी करेंगे। यह एक प्री-सीजन रेड-बॉल प्रतियोगिता है। किशन, जो झारखंड की मूल लंबी सूची का हिस्सा नहीं थे, बुधवार को चेन्नई में टीम के साथ जुड़ेंगे। इस कदम को विकेटकीपर-बल्लेबाज की प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पूर्ण वापसी की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, किशन ने भाग लेने का फैसला किया और जब उन्होंने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) को इस बारे में बताया तो उन्हें इसमें शामिल कर लिया गया। किशन के 2024-25 सत्र के दौरान रणजी ट्रॉफी में वापसी की भी उम्मीद है, क्योंकि किशन ने राज्य चयनकर्ताओं को वापसी की इच्छा से अवगत कराया था। उनका आखिरी घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए महंगा साबित हुआ, क्योंकि बीसीसीआई ने उन्हें घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता नहीं देने के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया।

जेएससीए के एक पदाधिकारी ने कहा, ईशान के साथ, यह कभी भी क्षमता के बारे में नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। निर्णय उसके पास था। जब उसे शुरुआती

सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमने उससे कोई संपर्क नहीं किया था। जिस क्षण उसने वापसी की इच्छा व्यक्त की, उसे शामिल कर लिया गया।

किशन की लाल गेंद वाले क्रिकेट में वापसी ऐसे समय में हुई है जब भारत अगले पांच महीनों में 10 मैचों वाले एक लंबे टेस्ट सत्र में प्रवेश कर रहा है, लेकिन उनकी वापसी आसान नहीं होगी। किशन ने पिछले साल भारत के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जब ऋषभ पंत दिसंबर 2022 में एक कार दुर्घटना के दौरान लगी चोटों से उबर रहे थे। जुलाई 2023 में उस कैरेबियाई दौरे का दूसरा टेस्ट किशन का आखिरी प्रथम श्रेणी मैच है। उन्हें 2023-24 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टेस्ट टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने मानसिक थकान का हवाला देते हुए खुद को रिलीज करने के लिए कहा था।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ़ पाँच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज़ के दौरान वह टेस्ट में वापसी के लिए तैयार थे, लेकिन केएस भरत और ध्रुव जुरेल से पिछड़ गए, क्योंकि उन्होंने चयनकर्ताओं को बताया कि वह तैयार नहीं हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी हिस्सा नहीं लिया, और चयनकर्ता, जिनके सुझावों को बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध सूची तैयार करते समय ध्यान में रखता है, इस बात से खुश नहीं थे कि किशन ने झारखंड के लिए खेलने के बजाय बड़ौदा में अपने आईपीएल कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ निजी तौर पर प्रशिक्षण लेने के लिए खेल से दूर अपना समय बिताया। पंत अब वापस एक्शन में हैं, और जुरेल, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ़ अपनी बल्लेबाजी और ग्लववर्क दोनों से प्रभावित किया, खासकर रांची में प्लेयर-ऑफ़-द-मैच प्रदर्शन के दौरान, भारत की रेड-बॉल कतार में किशन से आगे निकल गए हैं। किशन, जिनके पास इस साल ग्रेड सी अनुबंध था, उसे खो दिया, 2023 में दो टेस्ट, 17 वनडे और 11 टी20 मैच खेले। वह 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने के दौरान भारत की टीम का भी हिस्सा थे और शुभमन गिल के बीमार होने पर शीर्ष क्रम में दो मैचों में शामिल थे।

पुरमा बनर्जी से लेकर पीवी सिंधु तक रहे भारत के ओलंपिक में राष्ट्रीय ध्वजवाहक

पेरिस, 13 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक 20 एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान मिला है। बेल्जियम के हुए एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है।

आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। अब तक बीस भारतीय एथलीट्स को ध्वजवाहक बनने का सम्मान हासिल किया है लेकिन इनमें से केवल आठ ही एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर ओलंपिक को ये सम्मान दो बार (1952, 1956) मिला है।

स्प्रिंटर शाइनी-अब्राहम विल्सन 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में देश की ओलंपिक ध्वजवाहक का सम्मान पाने वाली पहली भारतीय महिला थी। शाइनी के अलावा ये सम्मान पाने वाली अन्य महिला अंजू बॉबी जॉर्ज हैं, जिन्होंने 2004 एथेंस ओलंपिक में ये उपलब्धि हासिल की थी। ओलंपिक में भारतीय हॉकी की एक बेहतरीन विरासत है। भारतीय टीम ने हॉकी में आठ स्वर्ण, दो सिल्वर और तीन कांस्य पदक जीते हैं, इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हॉकी खिलाड़ियों ने ओलंपिक (06) में भारत के लिए सबसे अधिक बार झंडा उठाया है। ओलंपिक में पहली बार भारत की ओर से दो ध्वजवाहक रहे। टोक्यो ओलंपिक 2020 खेलों में मुक्केबाज मैरी कॉम और हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह को ध्वजवाहक बनने का गौरव हासिल हुआ।

ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक

1920 - पुरमा बनर्जी (एथलेटिक्स), 1932 - लाल शाह भोकरी (हॉकी), 1936 - ध्यानचंद (हॉकी), 1948-तालीमरीन एओ (फुटबॉल), 1952- बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी), 1956 -बलबीर सिंह सीनियर (हॉकी), 1964 - गुरबचन सिंह रंधावा (एथलेटिक्स), 1972-डेसमंड-नेविल डिवाइन जोन्स (मुक्केबाजी), 1984 - जफर इकबाल (हॉकी), 1988 - करतार सिंह ढिल्लों (कुश्ती), 1992 - शाइनी-अब्राहम विल्सन (एथलेटिक्स), 1996 - परगट सिंह (हॉकी), 2000 - लिएंडर पेस (टेनिस), 2004 - अंजू बॉबी जॉर्ज (एथलेटिक्स), 2008 - राज्यवर्धन सिंह राठौड़ (निशानेबाजी), 2012- सुशील कुमार (कुश्ती), 2016 - अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी), 2020-मैरी कॉम (निशानेबाजी) और मनप्रीत सिंह (हॉकी), 2024-शरत कमल (टेबल टेनिस) और पीवी सिंधु (बैडमिंटन)

संपादकीय

कांग्रेस नेताओं के खतरनाक इरादे

राजनीतिक हताशा नेताओं और उनके समर्थक बुद्धिजीवियों को कहाँ ले जाकर खड़ा कर देती है, इसको समझना है तो बांग्लादेश का संदर्भ लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर की जा रही टिप्पणियों को पढ़ लीजिए। प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस के नेता एवं उनके समर्थक कब हद पार करके भारत विरोधी पाले में खड़े हो जाते हैं, इसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। कांग्रेस के नेताओं का यह कहना स्पष्ट तौर पर भारत का विरोध है कि "छह महीने पहले श्रीलंका की जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। फिर बांग्लादेश में यही हुआ। अब भारत का नंबर है। दो दिन से टीवी पर देख रहे हो बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की गलत नीतियों की वजह से प्रधानमंत्री आवास में घुस गई। राष्ट्रपति भवन में घुस गई। याद रखना नरेंद्र मोदी जो जनता सड़क पर हिलोरें ले रही हैं, एक दिन तुम्हारी गलत नीतियों के कारण तुम्हारे प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी"। कांग्रेस के नेता यह भी कह रहे हैं कि प्रत्येक तानाशाही का यही अंजाम होता है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के फेर में कांग्रेसी भूल गए कि नेहरू परिवार से आनेवाले नेता कल तक शेख हसीना को अपना पारिवारिक सदस्य बताते थे। कांग्रेसी नेताओं को बताना चाहिए कि नेहरू परिवार तानाशाहों को अपना पारिवारिक सदस्य बनाती है क्या? बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना एक निर्वाचित राजनेता हैं, उन्हें तानाशाह कहना अज्ञानता से कुछ कम नहीं है। बांग्लादेश में शेख हसीना की वह नेता हैं, जिनका झुकाव सदैव भारत की ओर रहा है। शेख हसीना को विलेन की तरह प्रस्तुत करना भी भारतीय विचार के अनुकूल राजनीति नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का कहना है बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में भी हो सकती है। इसी तरह, मध्यप्रदेश में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन वर्मा ने जो बयान दिया है, वह साफ तौर पर लोगों को उपद्रव करने के लिए उकसाने वाला है। वे यह क्यों चाहते हैं कि एक दिन ऐसा भी आएगा जब श्रीलंका और बांग्लादेश की भाँति भारत में भी लोग प्रधानमंत्री के आवास में घुसकर लूट-पाट करेंगे। ऐसा कोई राष्ट्र हितैषी व्यक्ति तो सोच नहीं सकता। भारत की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करना अपनी राजनीतिक हताशा को तुष्ट करने के लिए भी ठीक नहीं कहा जा सकता। भारत और उसकी सरकार मजबूत इरादों की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार जनता का विश्वास जीतकर प्रधानमंत्री आवास में हैं। यानी देश की जनता उनके साथ खड़ी है। यदि को यह सपना देख रहा हो कि 'शाहीनबाग' की सहायता से भारत में अराजकता उत्पन्न की जा सकती है, तब वह बहुत बड़े भ्रम में है। भारत इस प्रकार के उपद्रव से निपटने के लिए सक्षम है। भारत की पुलिस और सेना ही नहीं अपितु जनता भी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करनेवाले उपद्रवियों को सबक सिखाने में पीछे नहीं रहेगी। कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा के बयान पर भाजपा के नेता एवं मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा है कि यह साफ तौर पर देशद्रोही टिप्पणी की श्रेणी में आती है। कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा और सलमान खुर्शीद का बयान का बयान देशद्रोह की टिप्पणी में आता है या नहीं, अब इसका निर्णय तो जानकार लोगों को ही करना चाहिए। लेकिन इतना तो तय है कि कांग्रेस नेताओं की टिप्पणियां बहुत ही हल्की, ओछी और अपरिपक्व हैं। उनकी टिप्पणियां भारत के प्रतिकूल और भारत विरोधियों के अनुकूल है।

> प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस के नेता एवं उनके समर्थक कब हद पार करके भारत विरोधी पाले में खड़े हो जाते हैं, इसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। कांग्रेस के नेताओं का यह कहना स्पष्ट तौर पर भारत का विरोध है कि "छह महीने पहले श्रीलंका की जनता प्रधानमंत्री के घर में घुसी। फिर बांग्लादेश में यही हुआ। अब भारत का नंबर है। दो दिन से टीवी पर देख रहे हो बांग्लादेश की जनता शेख हसीना की गलत नीतियों की वजह से प्रधानमंत्री आवास में घुस गई। राष्ट्र पति भवन में घुस गई। याद रखना नरेंद्र मोदी जो जनता सड़क पर हिलोरें ले रही हैं, एक दिन तुम्हारी गलत नीतियों के कारण तुम्हारे प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएगी और कब्जा कर लेगी"। कांग्रेस के नेता यह भी कह रहे हैं कि प्रत्येक तानाशाही का यही अंजाम होता है। प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के फेर में कांग्रेसी भूल गए कि नेहरू परिवार से आनेवाले नेता कल तक शेख हसीना को अपना पारिवारिक सदस्य बताते थे। कांग्रेसी नेताओं को बताना चाहिए कि नेहरू परिवार तानाशाहों को अपना पारिवारिक सदस्य बनाती है क्या? बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना एक निर्वाचित राजनेता हैं, उन्हें तानाशाह कहना अज्ञानता से कुछ कम नहीं है।

लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है

भारत में आर्थिक प्रगति हेतु सनातन संस्कृति के संस्कारों को जीवित रखना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी

> भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अत: समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है।

किसी भी देश में सत्ता का व्यवहार उस देश के समाज की इच्छा के अनुरूप ही होने के प्रयास होते रहे हैं। जब जब सत्ता द्वारा समाज की इच्छा के विपरीत निर्णय लिए गए हैं अथवा समाज के विचारों का आदर सत्ता द्वारा नहीं किया गया है तब तब उस देश में सत्ता परिवर्तन होता हुआ दिखाई दिया है। लोकतंत्र में तो सत्ता की स्थापना समाज के द्वारा ही की जाती रही है। साथ ही, किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के लिए देश में शांति बनाए रखना सबसे पहली आवश्यकता मानी जाती है और देश में शांति स्थापित करने के लिए भी समाज का विशेष योगदान रहता आया है। समाज में विभिन्न मत पंथ मानने वाले नागरिक ही यदि आपस में सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे तो देश में शांति किस प्रकार स्थापित की जा सकेगी।

भारत के नागरिकों में आज "स्व" के भाव के प्रति जागृति दिखाई देने लगी है और वे "भारत के हित सर्वोपरि हैं" की चर्चा करने लगे हैं। परंतु, भारत में तंत्र अभी भी मां भारती के प्रति समर्पित भाव से कार्य करता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है, जिससे कभी कभी असामाजिक तत्व अपने भारत विरोधी एजेंडा पर कार्य करते हुए दिखाई दे जाते हैं और भारत के विभिन्न समाजों में अशांति फैलाने में सफल हो जाते हैं। अतः समाज के विभिन्न वर्गों के बीच यह जागरूकता फैलाने की आज महती आवश्यकता है कि भारत आज आर्थिक प्रगति के जिस मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है ऐसे समय में देश में शांति स्थापित करने की भरपूर आवश्यकता है। क्योंकि, देश में यदि शांति नहीं रह पाती है तो विदेशी संस्थान भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने के प्रति हतोत्साहित होंगे और देश की आर्थिक प्रगति विपरीत रूप से प्रभावित होगी।

भारत पिछले लगभग 2000 वर्षों के खंडकाल में से अधिकतम समय (लगभग 250 वर्षों के खंडकाल को छोड़कर) पूरे विश्व में एक आर्थिक ताकत के रूप में अपना स्थान बनाने में सफल रहा है और इसे सोने की चिड़िया कहा जाता रहा है। वर्ष 712 ईसवी में भारत पर हुए आक्रांताओं के आक्रमण के बाद भी भारत की आर्थिक प्रगति पर कोई बहुत फर्क नहीं पड़ा था। परंतु, वर्ष 1750 ईसवी में अंग्रेजों (ईस्ट इंडिया कम्पनी के रूप में) के भारत में आने के बाद से भारत की आर्थिक प्रगति को

जैसे ग्रहण ही लग गया था। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों ने न केवल भारत को जमकर लूटा बल्कि भारत की संस्कृति पर भी बहुत गहरी चोट की थी और भारत के नागरिक जैसे अपनी जड़ों से कटकर रहने लगे थे। आक्रांताओं एवं अंग्रेजों के पूर्व भी भारत पर आक्रमण हुए थे, शक, हूण, कुषाण आदि ने भी भारत पर आक्रमण किया था परंतु लगभग 250/300 वर्षों तक भारत पर शासन करने के उपरांत उन्होंने अपने आपको भारतीय सनातन संस्कृति में ही समाहित कर लिया था। इसके ठीक विपरीत आक्रांताओं एवं अंग्रेजों का भारत पर आक्रमण का उद्देश्य भारत की लूट खसोट करने के साथ ही अपने धर्म एवं संस्कृति का प्रचार प्रसार करना भी था। आक्रांताओं ने जोर जबरदस्ती एवं मार काट मचाकर भारत के मूल नागरिकों का धर्म परिवर्तन कर मुसलमान बनाया तो अंग्रेजों ने लालच का सहारा लेकर एवं दबाव बनाकर भारतीय नागरिकों को ईसाई बनाया। इन्होंने भारतीय नागरिकों के मन में सनातन हिंदू संस्कृति के प्रति घृणा पैदा की एवं अपनी पश्चिमी सभ्यता से ओतप्रोत संस्कृति को बेहतर बताया। अंग्रेज भारतीय नागरिकों के मन में ऐसा भाव पैदा करने में सफल रहे कि पश्चिम से चला कोई भी विचार भारतीय सनातन संस्कृति के विचार से बेहतर है। जबकि आज इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिल रहे हैं कि पश्चिम द्वारा किए गए लगभग समस्त आविष्कारों के मूल में भारतीय सनातन संस्कृति की ही छाप दिखाई देती है और उन्होंने यह विचार भारतीय वेद, पुराण एवं उपनिषदों से ही लिए गए प्रतीत होते हैं। कुछ विदेशी ताकतों द्वारा भारत में आज एक बार पुनः इस प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि हिंदू सनातन संस्कृति को मानने वाले हिंदू समाज को किस प्रकार आपस में लड़ाकर छिन्न भिन्न किया जाय। आज भारत में एक ऐसा विमर्श खड़ा करने का प्रयास हो रहा हैं कि देश में हिंदू हैं ही नहीं बल्कि सिक्ख हैं, दलित हैं, राजपूत हैं, जैन हैं आदि आदि। देश में जातियों के आधार पर जनसंख्या की मांग की जा रही है ताकि देश में प्रदान की जाने वाली समस्त सुविधाओं को हिंदू समाज की विभिन्न जातियों की जनसंख्या के आधार पर वितरित किया जा सके। जिससे अंततः देश में विभिन्न जातियों के बीच झगड़े पैदा हों और इस प्रकार भारत को एक बार पुनः गुलाम बनाए जाने में आसानी हो सके। विदेशी ताकतों द्वारा आज भारत के एकात्म समाज को टूटा फूटा समाज बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राचीन भारत में वनवासी थे, ग्रामवासी थे, नगरवासी थे, इस प्रकार त्रिस्तरीय समाज था। भारतीय समाज विभिन्न जातियों में बंटा हुआ था ही नहीं। यह अंग्रेजों का षड्यंत्र था कि भारत में उन्होंने समाज को बांटो और राज करो की नीति अपनाई थी। अन्यथा हिंदू समाज तो भारत में सदैव से एकात्म भाव से रहता आया है। किसी भी देश में क्रांति सत्ता से नहीं आती है बल्कि समाज द्वारा ही क्रांति की जाती है। जिस प्रकार का समाज होगा उसी प्रकार की सत्ता भी देश में स्थापित होगी। अतः किसी भी देश को विकास की राह पर जाने से रोकने के लिए उस देश की संस्कृति को ही समाप्त कर दो। ऐसा प्रयास आज पुनः विदेशी ताकतों द्वारा भारत में किया जा रहा है।

परंतु, अब एक बार पुनः भारत एक ऐसे खंडकाल में प्रवेश करता हुआ दिखाई दे रहा है जिसमें आगे आने वाले समय में विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भारत की तूती पूरे विश्व में बोलती हुई दिखाई देगी। ऐसे में कुछ देशों द्वारा भारत की आर्थिक प्रगति को विपरीत रूप से प्रभावित करने के लिए कई प्रकार की बाधाएं खड़ी किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

परंतु, देश में निवासरत लगभग 80 प्रतिशत आबादी हिंदू सनातन संस्कृति की अनुयायी है एवं हिंदू समाज में व्याप्त लगभग समस्त जातियों, मत, पंथों को मानने वाले नागरिकों में त्याग, तपस्या, देश प्रेम का भाव, स्व-समर्पण का भाव कूट कूट कर भरा है। इसी कारण से यह कहा भी जाता है कि केवल हिंदू जीवन दर्शन ही आज पूरे विश्व में शांति स्थापित करने में मददगार बन सकता है। भारतीय जीवन प्रणाली अपने आप में सर्व समावेशक है।

दृष्टि कोण

जनजातियों का गौरवपूर्ण अतीत और उनके साथ हो रहे वैश्विक षड्यंत्र

भारत और भारतीयता की पताका फहराने वाला जनजातीय समाज अपनी वैविध्यपूर्ण विरासत के साथ राष्ट्र के 'स्व' की छटा बिखेर रहा है। किन्तु जनजातीय समाज का निवास स्थान वनांचलों और ग्राम्य क्षेत्रों में होने के चलते उनके समक्ष कई तरह के संकट आ रहे हैं। उनमें सबसे घातक संकट ईसाई मिशनरियों के द्वारा कराया जाने वाला 'कन्वर्जन' है। मिशनरियों के कन्वर्जन का यह षड्यंत्र परतन्त्र भारत में अंग्रेजों के बर्बर शासन के समय से चला आ रहा है। ईसाई मिशनरियां वर्षों से प्रलोभन, सेवा और सहायता के हथियारों से कन्वर्जन कराने पर जुटी हुई हैं। इसके लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर तक के षड्यंत्रों का एक दीर्घकालीन एजेंडा सामने दिखता है। कन्वर्जन के उसी एजेंडे को बढ़ाने के लिए गद्दार कम्युनिस्ट आतंकियों से लेकर, माओवाद, अर्बन और बौद्धिक नक्सलियों की बड़ी लंबी फौज सक्रिय है। जो ऐनकेन प्रकारेण जनजातीय समाज को हिन्दू समाज अलग पहचान बताने और अलगाववाद की विषबेल रोपने में जुटे हुए हैं। इसके लिए मानवाधिकार से लेकर देश के संविधान और वैश्विक संधियों की आड़ लेकर अपने विभाजनकारी षड्यंत्रों को पूरा करने में टुकड़े-टुकड़े गैंग जुटी हुई है। ठीक ऐसा ही प्रयोजन 9 अगस्त को व्यापक रूप से रचा जाता है। जब जनजातीय समाज को कभी 'मूलनिवासी' तो कभी उनके भ्रामक, कपोल कल्पित अधिकार हनन की कहानियों से बरगलाने के कुकृत्य किए जाते हैं। इन सबके पीछे स्पष्ट और एक एजेंडा जनजातीय समाज की हिन्दू पहचान को नष्ट करना। उन्हें अलग बताकर पृथकता और अलगाववाद के बीच लाना। ताकि भविष्य में जनजातीय समाज का कन्वर्जन कराने में भारत विभाजनकारी शक्तियां सफल हो सकें।

इस षड्यंत्र में वैश्विक यूरोपीय शक्तियाँ पर्दे के पीछे से काम कर रही हैं। इसी कड़ी में 9 अगस्त को' वर्ल्ड इण्डिजिनियस डे' को एक हथियार के रूप में भारत विभाजनकारी शक्तियां प्रयोग करती हैं। इस सन्दर्भ में विश्व मजदूर संगठन (आईएलओ) के 'इण्डिजिनियस पीपुल' शब्द को 'मूलनिवासी' शब्द के रूप में प्रस्तुत कर जनजातीय समाज को पृथक बताने के कुकृत्य किए जाते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि विभिन्न राष्ट्रों के सम्बन्ध में 'इण्डिजिनियस पीपुल' का अर्थ और उसे परिभाषित करना अत्यन्त कठिन है। यहां भारत के लिए मूलनिवासी और 'इण्डिजिनियस पीपुल' को परिभाषित करना और ही कठिन है। क्योंकि भारतीय इतिहास, आधुनिक इतिहास की तथाकथित थ्योरी भिन्न है। भारत की अपनी विविधतापूर्ण – एकात्म विरासत है जो स्थान-स्थान में भिन्न-भिन्न है। भारत के आधुनिक इतिहास में वर्णित आक्रांताओं के अलावा भारत भूमि में निवास करने वाला और राष्ट्र की पूजा करने वाला प्रत्येक व्यक्ति यहाँ का 'मूलनिवासी' है। क्योंकि भारतीय चेतना में जो भारत को माता कहकर मानता और पूजता है। प्रकृति का उपासक है वही भारत का मूलनिवासी है। अब ऐसे में मूलनिवासी या अन्य किसी भी शाब्दिक भ्रमजाल के द्वारा भारत को परिभाषित या पृथक्करण करना तो राष्ट्र की संस्कृति में ही नहीं है। किन्तु विश्व मजदूर संगठन के गठन के उपरांत इसी 'इण्डिजिनियस पीपुल' शब्द के भ्रमजाल में 13 सितम्बर 2007 को यूएन द्वारा विश्व भर के 'ट्राईबल' कम्युनिटी के अधिकारों के लिए घोषणा पत्र जारी किया गया। प्रतिवर्ष 9 अगस्त को 'वर्ल्ड इंडिजिनियस डे' के रुप में मनाया जाने लगा जिसकी घोषणा दिसंबर 1994 में की गई थी। भारत ने भी राष्ट्र की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सम्प्रभुता, अस्मिता और अखण्डता के आधार पर इस पर अपनी सहमति दी। इसके साथ भारत ने स्पष्ट किया था कि इसका पालन भारतीय संविधान के अनुरूप ही किया जावेगा। इसी सन्दर्भ में सन-2006 में इण्टरनेशनल लॉ एसोशिएशन (टोरंटो जापान में आयोजित ट्राईबल अधिकारों के अधिवेशन में भारत के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाई.के.सबरवाल ने जनजातीय एवं गैर जनजातीय समाज में समानता के विभिन्न बिन्दुओं को स्पष्ट करते हुए अपना आधिकारिक पक्ष रखा था। उन्होंने कहा था कि — "भारत के आधिकारिक मत के अनुसार भारत में रहने वाले सभी लोग 'मूलनिवासी' अथवा देशज हैं। इन सभी में से कुछ समुदायों को 'अनूसूचित' किया गया है जिन्हें सामाजिक, आर्थिक, न्यायिक व राजनैतिक समानता के नाते विशेष उपबन्ध दिए गए हैं।" इसके साथ ही जब विश्व कानून संगठन द्वारा स्पष्टता को लेकर मांग की गई। प्रश्न पूछा गया कि – क्या एसटी समाज अथवा जनजातीय समाज ही केवल भारत का 'ट्राइबल'/मूलनिवासी/देशज समाज है? इस पर न्यायमूर्ति सबरवाल ने साफ इंकार किया। और उन्होंने अपने विभिन्न प्रश्नात्मक तथ्य रखे। साथ ही विश्व कानून संगठन के समक्ष भारत के सम्बन्ध में पक्ष रखते हुए कहा कि – 'मूलनिवासी' या 'इण्डिजिनियस पीपुल' को परिभाषित या पृथक से विवेचन का भारत कोई इत्तेफाक नहीं रखता। तत्पश्चात भारत के जनजातीय समाज के हितों के संरक्षण लिए यूएन द्वारा जारी घोषणा पत्र में भारतीय संविधान के अनुसार ही सहमति जताते हुए न्यायमूर्ति अजय मल्होत्रा ने 13 सितम्बर 2007 को मतदान किया था।

कुछ अलग

महज सौ ग्राम वज़न ने छीना विनेश से पदक

बीते जमाने में पहलवान अपनी गर्दन में पत्थर का भारी कड़ा (रिंग) पहनकर दंड-बैठकें लगाया करते थे, किंतु विनेश फोगाट के गले पड़े नियम रूपी कड़े का वजन बेशक 100 ग्राम था, लेकिन उसकी उम्मीदों को ले डूबा। बुधवार की सुबह विनेश फोगाट को महिला कुश्ती की 50 किलो फ्रीस्टाइल श्रेणी में वजन 100 ग्राम अधिक पाए जाने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया। फाइनल में भिड़ंत अमेरिकी की साराह हाईबैंटेड से होनी थी और जीतने पर स्वर्ण पदक मिल सकता था, लेकिन यह अवसर हाथ से जाता रहा। विनेश को अयोग्य घोषित किए जाने में हद दर्जे की खराब व्यावसायिक कारगुजारी प्रतीत हो रही है और उसका मामला कुश्ती जगत में चर्चा का विषय बन गया, ओलंपिक के फाइनल में ऐसा पहले कभी हुआ हो, याद नहीं पड़ता। मुकाबले के पहले दिन यानी मंगलवार को वह अपना वज़न तयशुदा सीमा के भीतर बनाने में सफल रही लेकिन बुधवार को ऐसा नहीं कर पाई। 2016 और 2021 के ओलंपिक की भांति इस बार भी विनेश सबसे सम्माननीय खेलकुंभ में पदक हासिल करने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाई। स्वर्ण पदक मुकाबले वाले दिन की सुबह, जब विनेश का वज़न 100 ग्राम अधिक पाया गया तो इससे बच निकलने का जरा भी रास्ता न था क्योंकि नियमों के मुताबिक 10 ग्राम अधिक होने पर भी पहलवान अयोग्य घोषित हो जाता है। वज़न नियमों के प्रति अत्यधिक कड़ाई वाले खेल जैसे कि कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो और ताईक्वांडो में, प्रतिद्वंद्वियों के आकार और भार में समानता एक अनिवार्यता है। वह इसलिए कि दोनों के लिए मौका एक समान हो, यह नहीं कि बड़े से छोटे को भिड़ा दिया जाए। उदाहरणार्थ, 53 किलो भार के पहलवान के मुकाबले 50 किलो वाले को अखाड़े में नहीं उतारा जा सकता, अन्यथा अधिक वज़नी पहलवान को ताकत और पकड़ के मामले में बहुत फायदा मिल जाएगा। खेल अप्रत्याशित हो सकता है और कई बार हल्का दिखने वाला खिलाड़ी ताकत और पकड़ में अपनी कमजोरी पर पार पाते हुए, दांव-पेचों के सहारे अपने से बड़े पहलवान को चित्त कर देता है। नामी प्रतियोगिताओं में तगड़े खिलाड़ी अकसर बहुत फायदे में रहते हैं। लेकिन ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जैसी कुलीन प्रतियोगिताओं में नियम बहुत सख्त होते हैं, मानो पत्थर पर लकीर –यहां तक कि कुछ ग्राम अधिक वज़न निकलने पर पहलवान या बॉक्सर को बाहर कर दिया जाता है। संयुक्त विश्व कुश्ती संघ, जोकि इस खेल के लिए वैश्विक प्रशासनिक संस्था है, की नियम संहिता के अनुसार मुकाबले वाले दिन की सुबह प्रतियोगी का वज़न तोला जाता है, ओलंपिक या विश्व चैम्पियनशिप जैसे बड़े आयोजनों में मुकाबले दो दिन चलते हैं। प्रथम दिन यदि खिलाड़ी का वजन अधिक आए तो तयशुदा सीमा तक घटाने के लिए उसे आधे घंटे का वक्त दिया जाता है, इस दौरान वह जॉगिंग, साईकिलिंग, रस्सी कूद या तेज दौड़ इत्यादि उपायों से अपने भार में कमी लाने का प्रयास करता है और फिर से वजन तोलने की मशीन पर चढ़ता है। पर यह तभी कारगर है जब मामला चंद ग्राम भार घटाने का हो। दूसरे दिन, जिस रोज फाइनल खेला जाना हो, पहलवानों को वज़न में कमी लाने के वास्ते 15 मिनट का समय दिया जाता है। तोल प्रक्रिया में, पहलवान चाहे कितनी भी बार मशीन पर चढ़ सकता है। भिड़न्त वाले खेलों के प्रतिभागी सामान्यतः प्रथम दिन के वज़न के हिसाब से तैयार रहते हैं, इसके लिए वे प्रतियोगिता से पहले के दिनों में भोजन और पानी की मात्रा घटाते हैं या एक वक्त का भोजन नहीं करते।

देश दुनिया से

बांग्लादेश : समय संकल्प लेने का है ...

> हिंदू महिलाओं के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे सुनकर रोंगटे खड़े हो रहे हैं, परंतु पूरा देश मौन साधे बैठा है। कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, वह कल भारतवर्ष में होगा। जबकि कई ऐसे भी हैं जो खुली धमकियां दे रहे हैं कि जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, वही कल भारतवर्ष में भी होगा। बांग्लादेश में कभी भी यह संभव नहीं था कि कुछ मुट्ठी भर छात्र बाहर निकलें और इंकलाब कर दें। यदि सेना अपनी सरकार के साथ होती तो यह नितांत असंभव था, परन्तु जब सरकार और बाहर बैठी हुई भारत विरोधी शक्तियां एक ही सूत्र पर काम कर रही हों तो सब कुछ संभव था। सोची समझी गई रणनीति और नीति के तहत सब कुछ हो गया है।

बांग्लादेश में वही हुआ है जो एक इस्लामिक देश में हो जाना चाहिए था। वहां पर हिंदुओं के साथ भी वही हो रहा है जो कभी भी अकल्पनीय नहीं कहा जा सकता था। वहां पर हिंदू महिलाओं के साथ जो कुछ हो रहा है, उसे सुनकर रोंगटे खड़े हो रहे हैं, परंतु पूरा देश मौन साधे बैठा है। कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि आज जो बांग्लादेश में हो रहा है, वह कल भारतवर्ष में होगा। जबकि कई ऐसे भी हैं जो खुली धमकियां दे रहे हैं कि जो आज बांग्लादेश में हो रहा है, वही कल भारतवर्ष में भी होगा। बांग्लादेश में कभी भी यह संभव नहीं था कि कुछ मुट्ठी भर छात्र बाहर निकलें और इंकलाब कर दें। यदि सेना अपनी सरकार के साथ होती तो यह नितांत असंभव था, परन्तु जब सरकार और बाहर बैठी हुई भारत विरोधी शक्तियां एक ही सूत्र पर काम कर रही हों तो सब कुछ संभव था। सोची समझी गई रणनीति और नीति के तहत सब कुछ हो गया है। यह घटनाक्रम बता रहा है कि शिकार कभी-कभी सियार भी कर लिया करते हैं। बांग्लादेश से जिन रोंगटे खड़े करने वाले अत्याचारों की कहानी छन छन कर आ रही हैं, वे सब नोआखाली के रक्तपात के साथ-साथ सीधी कार्यवाही दिवस की यादों को ताजा कर रही हैं। वहां पर इतिहास अपने आप को दोहरा नहीं रहा है बल्कि इतिहास ने बड़ी क्रूरता के साथ अपनी एक परिक्रमा पूर्ण कर ली है। वह संकेत दे रहा है कि यदि मेरे घटनाक्रम और घटनाओं से शिक्षा नहीं ली गई तो मैं ऐसी परिक्रमाएं अनंत काल अर्थात काफिरों के विनाश तक करता रहूंगा। बांग्लादेश की घटनाएं बता रही हैं कि आक्रांता की सोच इस पवित्र भूमि (बांग्लादेश भी कभी हिंदुस्तान का ही एक भाग हुआ करता था) के लिए वही है जो 712 ई0 में थी। एजेंडा भी वही है, हथकंडा भी वही है, झंडा भी वही है और डंडा भी वही है। ऐसा नहीं है कि सनातन के शत्रु सीमाओं से बाहर अपने कार्य को अंतिम परिणति तक पहुंचाने के काम में लगे हुए हैं, ये देश के भीतर भी हैं और इतना ही नहीं स्पष्ट कहा जाए तो देश की संसद के भीतर भी पहुंच चुके हैं। जो लोग आज सनातन को कमजोर करने के लिए लोगों को जातियों में बांटने की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जाति पर गर्व हो रहा है और हिंदुत्व पर शर्म आ रही है। गर्व और शर्म के बीच के इस छोटे से अंतर के बीच ही हमारे विनाश की विभीषिकाएं रची जा रही हैं। जिन्हें हम नजरअंदाज कर रहे हैं। दैत्य हिंदुस्तान की ही भूमि पर तांडव कर रहा है और घर के शत्रु उस तांडव की ओर से मुंह फेर कर खड़े हैं या कहिए कि उन्होंने उस तांडव को छिपाने के लिए अपना एक बड़ा घेरा बना लिया है, जिससे कि इस तांडव के शिकार होने वाले आम आदमी को वह दिखाई ना दे। आत्मविनाश के लिए रचे जा रहे इस खेल को जो लोग समझ रहे हैं, वह गहरे सदमे में हैं?

जिनको हम राजनीति में अधकचरा या नौसिखिया कह रहे थे, वे अब ढीठ हो चुके हैं और सारी राजनीति को इस तांडव की ओर खींच ले जाने के लिए आतुर दिखाई देते हैं। 'डिस्कवरी ऑफ़ इंडिया' नामक पुस्तक में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नीत्शे को उद्धृत करते हुए कहा है कि वारिस होना खतरनाक होता है। 1947 से पहले जिन लोगों ने देश को बंटवारे के खून के आंसुओं से रुलाया था, आज उन्हीं के वारिस फिर एक नए बंटवारे की नींव रखते दिखाई दे रहे हैं। जिन्हें देखकर यही कहा जा सकता है कि सचमुच वारिस होना खतरनाक ही होता है। समय खामोशियों को धारण करने का नहीं है। खामोशियों को तोड़कर देश की और धर्म की रक्षा के लिए आंखें खोल कर चलने की आवश्यकता है। शुतुरमुर्ग की तरह खतरों को देखकर रेत में मुंह छुपाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। जो लोग आज भी शुतुरमुर्गी धर्म को निभाने का काम कर रहे हैं, वे देश के शत्रु हैं। राजनीतिक नपुंसकता के शिकार ये लोग कभी भी देश के नायक नहीं हो सकते। इन्होंने पिछले 78 वर्ष में पाकिस्तान और बांग्लादेश में रह रहे करोड़ों हिंदुओं को चुपचाप बलि का बकरा बन जाने दिया। हम प्रत्येक वर्ष प्रत्येक वर्ष लाल किले से स्वाधीनता दिवस मनाते हुए झंडा फहराते रहे और उधर देखते ही देखते करोड़ों हिंदुओं का या तो कत्ल हो गया या फिर वे हिंदू से मुसलमान बना दिए गए। इंसानियत को मरते देखकर भी हमारी इंसानियत पिघली नहीं। रोई नहीं। चीखी नहीं। चिल्लाई नहीं। पूरी तरह बेशर्म हो गई। निर्लज्ज हो गई। मुंह छुपा कर बैठ गई। यदि यही गांधीवाद है तो हमें नहीं चाहिए ऐसा गांधीवाद। क्योंकि इस गांधीवाद की आत्मा ने किसी भी ' राजनीतिक बदमाश ' को झकझोरा नहीं कि तेरे देखते-देखते मानवता का खून किया जा रहा है और तू चुप है। घोटालेबाज, घपलेबाज और बेईमान कमीशनखोर राजनीतिज्ञ विदेश की यात्राएं करते रहे, मुर्ग मुसल्लम करते रहे, बड़ी-बड़ी सभाओं में जाकर गले में माला पहनते रहे, परन्तु किसी ने भी उन करोड़ों हिंदुओं को बचाने के लिए विश्व मंचों पर कभी कोई जोरदार आवाज नहीं उठाई जो पड़ोसी देश पाकिस्तान और बांग्लादेश में मुसलमान के अत्याचारों का शिकार हो रहे थे इन राजनीतिक नपुंसकों को किसी भी अबला पर होने वाले अत्याचार भी कहीं से दिखाई नहीं दिए।

आप का नजरिया

आस्था और राजनीति का नया मैदान

कांवड़ यात्रा संपन्न हो गयी जी! अब आप भी राहत की सांस ले सकते हैं, सरकार भी राहत की सांस ले सकती है, प्रशासन भी राहत की सांस ले सकता है, ढाबे वाले राहत की सांस ले सकते हैं, गाड़ियों-टैंपो वाले यहां तक कि साइकिल वाले भी सब राहत की सांस ले सकते हैं। वरना तो जी, सबकी सांस चढ़ी हुई थी। कांवड़ यात्रा एक तरह से सबकी परीक्षा होती है- सरकार की, प्रशासन की और आम पब्लिक की भी- सबकी। धीरज की भी और कानून -व्यवस्था की भी। अच्छी बात यह है कि इस परीक्षा का पर्चा लीक नहीं होता। यूं तो आजकल हर त्योहार मनाना एक तरह की परीक्षा से ही गुजरना होता है। रामनवमी शांति से गुजर जाए तो भी बल्कि अब तो हनुमान जयंती भी शांति से गुजर जाए तो भी लोग राहत की सांस लेते हैं। अब होली-दिवाली, ईद-बकरीद की ज्यादा टेंशन नहीं होती, वे तो शांति से गुजर ही जाते हैं। टेंशन इन नए आयोजनों की रहती है- कांवड़ यात्रा से लेकर रामनवमी तक के आयोजनों की। पिछले दिनों हर तरफ भोले ही भोले

थे। वे राजनीति में थे, राजनीति के आरोपों और प्रत्यारोपों में थे, वे मीडिया में थे, वे टेलीविजन के विजुअल्स में थे, वे सोशल मीडिया में थे, उसकी रीलों में थे, उसके वीडियोज में थे। वे मुकदमेबाजी में भी थे। वे सड़कों पर थे। वे ढाबों में भी थे और शिविरों में भी थे। बोले तो वे कहां नहीं थे! यहां तक कि भोले बाबा तो संसद में भी थे, संसद की बहसों और आरोपों-प्रत्यारोपों में थे। कहा जा सकता है कि आखिर तो सावन का महीना था। सो वे हर जगह थे। वे अगर सड़कों पर पैदल थे, तो वे डाक कांवड़ में भी थे। वे डीजे के साथ थे। कांवड़ यात्रा बड़े अद्भुत दृश्यों से लैस रहती है। कहीं कोई वाहन तोड़ रहे हैं। कहीं वे उधम मचा रहे हैं तो कहीं वे किसी को सबक सिखा रहे हैं। इधर कांवड़ के साथ-साथ अब वे अपने पसंदीदा नेताओं के पुतले भी कांधों पर ढोकर चलने लगे हैं। बंगाल के पूजा मंडपों की तरह से अब कांवड़ भी अलग-अलग थीमों पर सजने लगी है। कांवड़ यात्रा को लेकर हमेशा एक सनसनी बनी रहती है। सरकार और प्रशासन से लेकर आम जन तक सब दम साधे, नजरें गड़ाए इंतजार करते रहते हैं- कांवड़िए आ रहे हैं। संशय भी होता है, भक्ति भाव भी होता है। यह वे भोले हैं जो अपने रोजगार की चिंता छोड़कर कांवड़ लेने आए हैं, यह वे भोले हैं, जो अपनी खेती छोड़कर कांवड़ लेने आए हैं। कांवड़ अब एक नयी अभिव्यक्ति है, नया जुनून है, आस्था का भी और राजनीति का भी एक नया मैदान है। वह राजनीति की एक नयी पिच है।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशन और फर्स्टक्राइ की शेयर बाजार में धांसू एंट्री

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए शानदार एंट्री की है। इन कंपनियों में यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर ऑफर प्राइस की तुलना में दोगुनी से अधिक कीमत पर लिस्ट हुए। इसी तरह फर्स्टक्राइ के शेयर 40 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 6 से 8 अगस्त तक खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 168.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ में सबसे अधिक बोली नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) ने लगाई थी, जिसके कारण एनआईआई का हिस्सा 252.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 130.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत निवेशकों को 108 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे। मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इसकी लिस्टिंग 230 रुपये पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इसकी लिस्टिंग 235 रुपये के भाव पर हुई। लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को 118 से 120 प्रतिशत तक का लिस्टिंग गेम मिल गया था। कारोबार की शुरुआत होने के बाद यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के शेयर उछल कर 256.15 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए। इस तरह इस आईपीओ के निवेशकों को 137.5 प्रतिशत तक का मुनाफा हो गया है।

लिस्टिंग के साथ ही निवेशकों को हुआ जबरदस्त मुनाफा

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस विभिन्न कंपनियां, लॉजिस्टिक प्रोवाइडर्स और सेलर्स को ई-कॉमर्स सर्विस उपलब्ध कराती है। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस के भारतीय क्लाइंट्स में जीवामी, मामाअर्थ, लेंसकार्ट और सेलो जैसी कंपनियां शामिल हैं। यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इसके क्लाइंट्स में 7 देशों की 43 कंपनियां शामिल हैं।

यूनिकॉमर्स ई-सॉल्यूशंस की तरह ही ब्रेनबीज सॉल्यूशन के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फर्स्टक्राई के शेयरों की भी मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई। 6 से 8 अगस्त के बीच खुले इस आईपीओ के तहत निवेशकों को 465 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए गए थे। कंपनी का आईपीओ ओवरऑल 12 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में कंपनी के शेयर 625 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में 651 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह निवेशकों को 40 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग होने के बाद कंपनी के शेयर बढ़कर 695 के स्तर पर पहुंच गए, जिससे इसके निवेशक 49 प्रतिशत से अधिक के मुनाफे में आ चुके हैं।

फर्स्टक्राइ की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज सॉल्यूशन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये नवजात बच्चों और माताओं से जुड़े उत्पादों की बिक्री करती है। कंपनी की स्थापना 2010 में हुई थी और ये फर्स्टक्राइ के नाम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अपने पूरे कारोबार का संचालन करती है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेनबीज साल्यूशन का आईपीओ एनएसई पर 651 पर लिस्ट

मुंबई। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की पैरेंट कंपनी ब्रेनबीज साल्यूशन के आईपीओ की लिस्टिंग ने सभी को चौंका दिया। कंपनी का स्टॉक 34 फीसदी से अधिक के प्रीमियम पर लिस्ट हुआ, जो 465 रुपये के इशू प्राइस के मुकाबले 625 रुपये पर सेटल हुआ। एनएसई पर यह 40 फीसदी के प्रीमियम के साथ 651 रुपये पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर 34.4 फीसदी प्रीमियम के साथ 625 रुपये पर लिस्टिंग दर्ज की गई। फर्स्टक्राई का आईपीओ मंगलवार को बाजार की उम्मीदों के अनुरूप लिस्ट हुआ। लिस्टिंग से पहले ही ग्रे मार्केट ने ब्रेनबीज साल्यूशन के शेयरों की मजबूत शुरुआत का संकेत दिया था। मंगलवार को फर्स्टक्राई के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम 80 था, जो कि इश्यू के ऊपरी प्राइस बैंड से लगभग 17 फीसदी ज्यादा था। कंपनही का आईपीओ 6 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खोला गया था और 8 अगस्त को बंद हुआ। आईपीओ का अलॉटमेंट 9 अगस्त को तय किया गया, और फर्स्टक्राई आईपीओ की लिस्टिंग की तारीख 13 अगस्त तय हुई थी। फर्स्टक्राई के आईपीओ का प्राइस बैंड 440 से 465 प्रति शेयर तय किया गया था और कंपनी ने प्राइस बैंड के ऊपरी स्तर पर 4,193.73 करोड़ जुटाए।

देश के 10 प्रमुख शहरों और टियर-1 शहरों में भी लखनऊ शामिल

नई दिल्ली। शॉपिंग सेंटर के लिहाज से देश के 10 प्रमुख शहरों और टियर-1 शहरों में भी लखनऊ शामिल है। इन शहरों में इसका सातवां स्थान है। 21 टियर-2 शहरों को मिलाकर देश के कुल 29 शहरों के 340 शॉपिंग सेंटरों के एक सर्वे में यह बात कही गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार 21 प्रमुख टियर-2 शहरों में लखनऊ में शॉपिंग सेंटरों का सबसे अधिक 57 लाख वर्ग फुट स्टॉक यानी सकल पट्टा योग्य क्षेत्र उपलब्ध है। यह 2023 तक कोलकाता और अहमदाबाद जैसे शहरों के परिचालन शॉपिंग सेंटर स्टॉक से अधिक है। साल 2023 में देश के 29 प्रमुख शहरों में शॉपिंग सेंटर के 12.51 करोड़ वर्ग फुट स्टॉक में लखनऊ की हिस्सेदारी 5 फीसदी दर्ज की गई। लखनऊ की 21 प्रमुख टियर-2 शहरों के कुल 308 लाख वर्ग फुट शॉपिंग सेंटर स्टॉक में 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के अनुसार लखनऊ में 580 रिटेल आउटलेट संचालित हैं और इनमें आधे से अधिक आउटलेट भारतीय मूल के हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय मूल के आउटलेट इनसे पीछे हैं।

बीएसएनएल उपभोक्ता भी ले पाएंगे हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ

नई दिल्ली। सार्वजनिक दूरसंचार कंपनी भारतीय संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के उपभोक्ता भी हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि बीएसएनएल साल 2025 के आखिरी तक 5जी सेवा लांच करने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी मार्च 2025 तक अपना 4जी रोलआउट पूरा करने के बाद 6 से 8 महीनों में 5जी सर्विस शुरू करने की योजना बना रही है। वर्तमान में केवल भारती एयरटेल और रिलायंस जियो पूरे भारत में 9 करोड़ और 10.8 करोड़ ग्राहकों के साथ 5जी कवरेज प्रदान करते हैं। वोडाफोन आइडिया ने कहा है कि वह अलग-अलग वेंडर्स से इक्विपमेंट मंगाने का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है। तीनों दूरसंचार संचालकों ने जुलाई की शुरुआत में अपने टैरिफ में बढ़ोतरी की, जिससे कीमतें 10 से 27 फीसदी तक बढ़ गईं। एक अधिकारी ने कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी के 15 दिनों के भीतर 2.5 लाख ग्राहकों ने अन्य टेलिकॉम कंपनियों से बीएसएनएल में पोर्ट किया है। बीएसएनएल अभी भी कम आय वाले ग्राहकों के लिए सस्ता मोबाइल टैरिफ प्रदान करता है। बीएसएनएल ने 6 अगस्त को यह भी घोषणा की थी कि वह 4जी और 5जी पर काम करने वाले 'ओवर-द-एयर' और यूनिवर्सल सिम प्लेटफॉर्म पेश करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ ज्योगरफिकल रेस्ट्रिक्शन के बिना सिम बदल सकेंगे।

टाटा मोटर्स ने शुरू की विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति

मुंबई। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने घरेलू बाजार में विनिर्मित रेंज रोवर स्पोर्ट की आपूर्ति शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इसके साथ ही अब रेंज रोवर का पूरा खंड भारत में निर्मित हो गया है।

जगुआर लैंड रोवर ने इस वर्ष मई में घोषणा की थी कि वह भारत में टाटा मोटर्स के पुणे संयंत्र में रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट का विनिर्माण करेगी। कंपनी के अनुसार पेट्रोल तथा डीजल दोनों इंजन में उपलब्ध नई रेंज रोवर स्पोर्ट की कीमत 1.40 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स-निफ्टी लुढ़के, निवेशकों को 4.48 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा मंगलवार को जम कर की गई बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। मंगलवार को के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स कुछ देर के लिए हरे निशान में भी आया लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण बाजार के दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.87 प्रतिशत और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मेटल, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल और आईटी इंडेक्स में तेजी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को के कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़ चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद घट कर 445.34 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 449.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 4.48 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,026 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,280 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,658 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 88 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,375 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 590 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,785 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 96.41 अंक की कमजोरी के साथ 79,552.51 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 43.63 अंक की मजबूती के साथ 79,692.55 अंक तक पहुंचा लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स 759.54 अंक की कमजोरी के साथ 78,889.38 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 692.89 अंक की कमजोरी के साथ 78,956.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 4.65 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,342.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 12.95 अंक की मजबूती के साथ 24,359.95 अंक तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 230.50 अंक टूट कर 24,116.50 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 208 अंक की गिरावट के साथ 24,139 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 1.89 प्रतिशत, अपोलो हॉस्पिटल 1.34 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 0.90 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 0.68 प्रतिशत और नेस्ले 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर बीपीसीएल 3.51 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 3.43 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.85 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 2.48 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस 2.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर को, दरों को तर्कसंगत बनाने पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक 9 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों को तर्कसंगत बनाने पर चर्चा की जाएगी। परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को हुई थी।

जीएसटी परिषद ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि 'जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक नौ सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में होगी। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने टैक्स 'स्लैब' को कम करने के अलावा जीएसटी के तहत उल्टा शुल्क हटाने पर चर्चा होने की संभावना है।

इससे पहले जीएसटी परिषद की पिछली बैठक 23 जून, 2024 को राजधानी नई दिल्ली में हुई थी। इस बैठक के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) कार्य की स्थिति और समिति के द्वारा 'कवर' किए गए पहलुओं तथा समिति के समक्ष लंबित कार्यों पर एक प्रस्तुति देगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। ये संस्था एक जुलाई, 2017 से भारत में काम कर रही है।

एफडी में मिलेगा ज्यादा ब्याज और बीमा की सुविधा

नई दिल्ली। बैंकों में बचत कम जमा हो रही है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक चिंतित है। रिजर्व बैंक ने बैंकों से आकर्षक फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम बनाने के लिए कहा है। बैंकों से ज्यादा ब्याज देने के लिए भी कहा है। साथ ही बैंक इस तरह की स्कीम बनाएं,ताकि लोग बैंकों में अपने फिक्स डिपाजिट कर सकें। निजी क्षेत्र और राष्ट्रीयकृत बैंक जल्द ही फिक्स्ड डिपॉजिट पर कई तरह की योजनाओं को संचालित कर सकते हैं। इसमें बच्चों और बुजुर्गों के लिए, लघु और दीर्घ अवधि के लिए, अलग अलग ब्याज दरों की योजना बनाने के लिए कहा है। इसके साथ बीमा जैसी सुविधा देने पर भी विचार किया जा रहा है। फिक्स्ड डिपॉजिट पर 500000 रु. तक का दुर्घटना बीमा बैंक जल्दी ही ऑफर कर सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंडनबर्ग की...

यह मुनाफा उनकी ओर से रायबरेली लोकसभा के लिए भरे गए चुनावी नामांकन में दर्ज शेयरों के आधार पर कैलकुलेट किया गया है। इसमें बताया गया था कि 15 मार्च, 2024 को उनके पोर्टफोलियो की वैल्यू 4.33 करोड़ रुपए थी। शेयर बाजार में 12 अगस्त, 2024 तक उनके पोर्टफोलियो की कीमत बढ़कर 4.80 करोड़ रुपए हो गई है।राहुल गांधी के शेयरों में उपरोक्त कंपनियों के लाखों के शेयर के साथ-साथ दीपक नाइट्रेट, जीएमएम फॉडलर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टीसीएस और ट्यूब इन्वेस्टमेंट जैसी कंपनियों के भी शेयर हैं। इसके अलावा वर्टोज एडवरटाइजिंग और विनाइल केमिकल जैसी कई कंपनियों के शेयर भी राहुल गांधी के पोर्टफोलियो में शामिल हैं। जिनसे राहुल गांधी मुनाफा कमा रहे हैं। उनके पोर्टफोलियो में मौजूद वर्टोज लिमिटेड में कॉरपोरेट एक्शन देखने को मिला है। इसके कारण उनके पास इस कंपनी के शेयर की संख्या बढ़कर 5,200 हो गई है, जो कि 15 मार्च 2024 को 260 थी। खास बात यह है कि राहुल गांधी के शेयरों में केवल 4 कंपनियों एलटीआई माइंड्री, टाइटन, टीसीएस और नेस्ले इंडिया में ही उन्हें घाटा हो रहा है। बाकी कंपनियों में राहुल गांधी खूब मुनाफा कमा रहे हैं।

हिंडनबर्ग की हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी, जिसके बाद राहुल गांधी ने कहा था कि लोगों का निवेश रिस्क जोन में पहुंच गया है। जबकि, उन्हें खुद तगड़ा मुनाफा हो रहा है। राहुल गांधी के दावे फर्जी साबित हुए। हिंडनबर्ग की ताजा रिपोर्ट को बाजार ने सिरे से खारिज कर दिया है। केडियानॉमिक्स के संस्थापक और सीईओ सुशील केडिया ने कहा, बदनाम शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग की पोल 18 महीने पहले ही खुल चुकी है, जब उसने अडाणी ग्रुप को लेकर बड़े दावे किए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हुई जांच में कुछ नहीं निकलकर आया। बल्कि, सिक्योरिटी मार्केट के नियमों के उल्लंघन के लिए उन्हें सेबी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।उन्होंने कहा, अब 18 महीने बाद हिंडनबर्ग अचानक से आता है और सोशल मीडिया पर दावा करता है कि भारत के बारे में उसके पास कुछ बड़ा है। इसका मकसद केवल रिटेल निवेशकों के भरोसे को तोड़कर भारत के शेयर मार्केट को समाप्त करना है। चैम्बर ऑफ जय अनंत देहद्राई के संस्थापक एडवोकेट जय अनंत देहद्राई का कहना है कि हिंडनबर्ग का मकसद केवल मार्केट को शॉर्ट कर पैसा कमाना है। शनिवार को रिपोर्ट आती है, रविवार को इस पर चर्चा होती है, जिससे सोमवार को बाजार में गिरावट आए और ये पैसा कमाएं।

जगदंबिका पाल...

निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को समिति में शामिल किया गया। कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इसका सदस्य बनाया गया। सपा सदस्य मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी, डीएमके के ए. राजा, तेदेपा के लावू श्रीकृष्णा, जद (यू) के दिलेश्वर कामत, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एनसीपी (एसपी) के सुरेश गोपीनाथ महत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोजपा (रामविलास) के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं।संयुक्त संसदीय समिति में राज्यसभा के जिन सदस्यों को लिया गया, उनमें बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल (सभी भाजपा), सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), मोहम्मद नदीमुल हक (तृणमूल कांग्रेस), वी विजय साई रेड्डी (वाईएसआर कांग्रेस), एम मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), संजय सिंह (आम आदमी पार्टी) और डी वीरेंद्र हेगड़े (मनोनीत) शामिल हैं।वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर संसद में काफी खींचतान देखने को मिली थी। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक को लेकर काफी हंगामा मचा और इसके बाद सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने इस विधेयक को जांच के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेज दिया था।

जेपीसी के अध्यक्ष बनाए गए जगदंबिका पाल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले की डुमरियागंज सीट से भाजपा सांसद हैं। पाल लगातार चौथी बार सांसद चुने गए हैं। साल 2009 में पहली बार जगदंबिका पाल कांग्रेस से सांसद चुने गए थे, लेकिन 2014 में वे भाजपा में शामिल हो गए। उससे पहले वो कांग्रेस (तिवारी) और लोकहित कांग्रेस में भी थे। जगदंबिका पाल एक दिन के लिए यूपी के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। जगदंबिका पाल के लंबे संसदीय कार्यकाल और वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही मुस्लिम समाज में भी उनकी अच्छी पहुंच मानी जाती है। पाल न सिर्फ संसद, बल्कि सड़क पर भी सर्वमान्य नेता माने जाते हैं। 2002 में यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे जगदंबिका पाल 1993 से 2007 तक लगातार तीन बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य भी रहे हैं।

ढाकेश्वरी मंदिर ...

मुल्क में हिंसा के बीच आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभालने वाले यूनुस ने यह भी कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए। उन्होंने अपने देश की दुर्दशा के लिए संस्थागत पतन को जिम्मेदार ठहराया। ढाका के प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मंदिर में यह बैठक अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर हमलों, उनके व्यवसाय और संपत्तियों की बर्बादी और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाने के बाद कई दिनों तक चली हिंसा में हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने के बाद हो रही है। ढाकेश्वरी मंदिर प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है।मोहम्मद यूनुस ने कहा कि सभी के अधिकार समान हैं। हम सब एक जैसे ही हैं और हमारे एक ही अधिकार हैं। हमारे बीच कोई भेदभाव न करें। कृपया हमारी सहायता करें। धैर्य रखें और बाद में निर्णय लें कि हम क्या कर पाए और क्या नहीं। अगर हम असफल होते हैं, तो हमारी आलोचना करें।इससे पहले हजारों अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सदस्यों ने शुक्रवार और शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी और उत्तर-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था। वे हिंसा के बीच सुरक्षा की मांग कर रहे थे। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वालों के मुकदमों में तेजी लाने के लिए विशेष न्यायाधिकरण, अल्पसंख्यकों के लिए 10 प्रतिशत संसदीय सीटों का आवंटन और अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून को लागू करने सहित अन्य मांगों को लेकर हिंदू प्रदर्शनकारियों की रैली ने शनिवार को ढाका के मध्य भाग में शाहबाग में तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात को रोक कर रखा था।शनिवार को ही यूनुस ने हिंसा प्रभावित राष्ट्र में अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों की निंदा की थी। उन्हें जघन्य करार दिया था और युवाओं से सभी हिंदू, ईसाई और बौद्धों की रक्षा करने का आग्रह किया था। 5 अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को हमलों की कम से कम 205 घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

हमारी संप्रभुता और...

उन्होंने कहा, तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं है- यह हमारी संप्रभुता और सामूहिक पहचान का प्रतीक है। श्री धनखड़ ने कहा कि भारतीय पहचान हमारे खून में है और इस पहचान को चुनौती देना हमारे अस्तित्व को चुनौती देने के समान है। उन्होंने लोगों से तिरंगे के सम्मान, आदर और गौरव को हमेशा बनाए रखने का आह्वान किया। स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 30 दिसंबर, 1943 को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर भारतीय ध्वज फहराना ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक ऐतिहासिक विद्रोह था। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल क्षमता और संभावनाओं वाला देश नहीं है, बल्कि पहले से कहीं अधिक तेजी से उभर रहा राष्ट्र है। उन्होंने कहा, हमारा उत्थान अजेय है और हमारा उत्थान हमें 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बना देगा।

सुरक्षा परिषद...

इसमें बदलाव की जरूरत हर जगह महसूस की जा रही है। हम आश्वस्त हैं कि स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में अफ्रीकी प्रतिनिधित्व अनिवार्य रूप से होना चाहिए। हम जी-4 देशों के सदस्य के रूप में, अफ्रीका के लोगों की इन वैध मांगों और आकांक्षाओं का पूरी तरह से समर्थन करना जारी रखते हैं। अफ्रीका के साथ जी4 का संबंध विश्वास और आपसी सम्मान पर आधारित है और यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि अफ्रीका को सुधारित बहुपक्षवाद के नए युग में अपना सही स्थान मिले। उन्होंने कहा कि जी-4 देशों के लिए यूएनएससी के सही से काम नहीं करने की प्राथमिक वजह अफ्रीका, लातिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों को प्रतिनिधित्व नहीं देना तथा स्थायी श्रेणी में एशिया प्रशांत क्षेत्र को उचित प्रतिनिधित्व नहीं देना हैं।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन की मांग भारत पहले भी कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत आर. रवींद्र ने सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नाकाम रहने का प्रमुख कारण इसका अभी भी 1945 के पुराने दृष्टिकोण में फंसा होना है। यह सुरक्षा परिषद की संरचना में साफ साफ दिखता है। सुधारों पर समयबद्ध बातचीत का आह्वान करते हुए, रवींद्र ने कहा था, बड़े देशों या समूहों द्वारा अपने संकीर्ण हित में बातचीत प्रक्रियाओं को बाधित किया जा रहा है। यह बहुपक्षीय भावना के लिए हानिकारक है और जहां भी जरूरी हो, इसका विरोध होना चाहिए।इसके पहले इज़राइल भी संयुक्त राष्ट्र की नाकामियों पर तीखा प्रहार कर चुका है। इज़राइल ने तो संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से इस्तीफा देने की भी मांग कर डाली थी और कहा था कि सुरक्षा परिषद की बैठक में महासचिव की टिप्पणी आतंकवाद को उचित ठहराने के समान थी। इजरायल के संयुक्त राष्ट्र राजदूत गिलाद एर्डन ने गुटेरेस के इस्तीफे की मांग की थी। इज़राइली दूत ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव वास्तविकता को विकृत और तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हुआ हमास का नरसंहार नहीं दिखता, लेकिन इज़राइल के प्रतिक्रियात्मक जवाब पर उन्हें चिढ़ होती है।

तरनतारन में ...

आगामी स्वतंत्रता दिवस के कारण सीमा पर हाई अलर्ट की स्थिति के मद्देनजर ड्यूटी पर तैनात जवानों ने घुसपैठिए पर गोली चला दी और उसे मौके पर ही मार गिराया। प्रवक्ता ने कहा, बीएसएफ के जवानों ने एक बार फिर सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने के आतंकी गिरोह के नापाक इरादों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। पंजाब में 553 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा की निगरानी करने वाले बीएसएफ ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 10 अगस्त से सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया है।

मेघालय के निजी...

उन्होंने कहा कि बना रहे हो तो मक्का, मदीना, चर्च सब बनाओ, लेकिन उन्होंने केवल मक्का बनाया है। सरमा ने कहा कि वहां पर पूजा घर हो, चर्च हो और मक्का भी हो, हम तीनों में जाएंगे। केवल एक में क्यों जाएं?हिमंत सरमा से जब पूछा गया कि वे जेहाद शब्द का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं तो उन्होंने कहा कि जेहाद कहकर तो मैं फिर भी बहुत नरमी बरत रहा हूं। यह लोग तो जेहाद का बाप वाला काम कर रहे हैं। पूरा एजुकेशन सिस्टम को बर्बाद किया जा रहा है। सरमा ने कहा कि हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति पर जो हमला किया जाता है उसको जेहाद कहते हैं। हिमंत बिस्व सरमा ने इस यूनिवर्सिटी को फ्लड जेहाद के लिए जिम्मेदार बताया था। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के कैंपस के लिए पहाड़ियों को काटा जा रहा है। इसके चलते यहां पर बाढ़ आ रही है।

सरमा के फ्लड जेहाद के आरोपों को यूनिवर्सिटी ने खारिज किया है। चांसलर महबूबुल हक ने कहा, हम गुवाहाटी शहर से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित हैं, जहां हमारे पास 100 एकड़ से ज़्यादा ज़मीन है। 2011 से, हम यूएसटीएम के विकास पर काम कर रहे हैं, और 2009 से इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए काम कर रहे हैं। यह सुनकर आश्चर्य और निराशा होती है कि हाल ही में आई बाढ़ के लिए हमें दोषी ठहराया जा रहा है।यूएसटीएम नाम की ये निजी यूनिवर्सिटी री-भोई जिले में है, जो असम के सबसे बड़े शहर गुवाहाटी से सटा है। इस यूनिवर्सिटी को बंगाली मूल के मुसलमान महबूबुल हक के बनवाया है, जो असम स्थित बराक वैली के करीमगंज जिले के निवासी हैं। महबूबुल हक ही इस यूनिवर्सिटी के चांसलर भी हैं। यूएसटीएम यूनिवर्सिटी नॉर्थ-ईस्ट की सबसे बड़ी प्राइवेट यूनिवर्सिटी है। इसे ईआरडी फाउंडेशन, गुवाहाटी चलाती है। इसकी स्थापना री-भोई जिले में सीआरपीएफ कैंप के सामने असम-मेघालय की सीमा पर की गई है। इस यूनिवर्सिटी के लिए मेघालय सरकार ने 2008 में अधिसूचना जारी की थी। हालांकि इसने साल 2011 से काम शुरू किया। इस यूनिवर्सिटी के क्षेत्र में काफी जंगल-पहाड़ियों का सफाया किया गया, क्योंकि ये वन क्षेत्र में स्थित है। हिमंत बिस्व सरमा के आरोप हैं कि इस यूनिवर्सिटी की वजह से पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ा है।

अरुणाचल की ...

जब विशाल तिरंगा शहर की सड़कों से गुजरा, तो छात्रों सहित प्रतिभागियों ने वंदे मातरम का नारा लगाया। तिरंगा रैली के अलावा, प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों के साथ सेप्पा जनरल ग्राउंड में सफाई अभियान में भी हिस्सा लिया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 14 अगस्त, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रुक्मिणी-श्रीकृष्ण विवाह प्रसंग में जमकर झूमे भक्त

सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए हर सनातनी को जनसंख्या बढ़ानी चाहिए : गोस्वामी

हैदराबाद/अयोध्या, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में अयोध्या धाम स्थित श्रीरामचरितमानस भवन में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव के छठवें दिन महारास, कंस वध, उद्धव-गोपी संवाद, श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह एवं सुदामा चरित्र पर अपने उद्गार व्यक्त करते हुए आचार्य रमाकांत गोस्वामी जी महाराज ने कहा मित्र बनाना आसान है किंतु मित्रता निभाना बड़ा मुश्किल है।

महाराज जी ने आज की परिस्थितियों के मद्देनजर कहा कि सनातन धर्म के लोगों को वंश बढ़ाना चाहिए। ताकि, राष्ट्र भी सुरक्षित रहे और सनातनी भी सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि हमारे सनातनी भाई ये सोचकर बैठे हैं कि घर में एक ही बच्चा होना चाहिए, यह चिंता का विषय है। अगर आपका वंश बढ़ता है तो भविष्य में आपको भी तकलीफ नहीं होगी और राष्ट्र को भी तकलीफ नहीं होगी। सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए जनसंख्या वृद्धि भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सनातनी परिवार को कम से कम तीन बच्चे पैदा करना चाहिए। इनमें से एक बच्चे को सनातन धर्म को बचाने के लिए राष्ट्र को जरूर सौंपे। चूंकि इससे सनातन परंपरा मजबूत होगी। हमारे देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की जरूरत नहीं है, बल्कि सनातनी भी है और हिंदू राष्ट्र भी है।

महाराज जी ने कहा कि हम दो हमारे दो का नारा देकर केवल हिंदुओं की जबरन नसबंदी की गई जबकि दूसरे संप्रदाय के लोगों ने इस योजना को नहीं माना। यह तुष्टिकरण की राजनीति थी। एक साजिश के अंतर्गत हिंदुओं को शिकार बनाया गया। परिणाम ये है कि हिंदुओं की संख्या घटती गई और अन्य कई संप्रदायों की जनसंख्या बढती गई।

अयोध्या स्थित श्रीरामचरितमानस भवन मे आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महोत्सव में कथा श्रवण करते हुए शुभ लाभ समाचार पत्र के सर्वेसर्वा गोपाल अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा अग्रवाल एवं अन्य भक्तगण।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महोत्सव के छठवें दिन महाराज ने महारास लीला, रासलीला में भगवान शंकर का आना एवं श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह के प्रसंग का सुंदर वर्णन किया।

इस अवसर महाराज ने रास पंच अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं। जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है, वह भव पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है। श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय कथा का श्रवण कराया गया।

कथावाचक आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला द्वारा ही जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हुआ। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। रुक्मणी विवाह के आयोजन ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान कथा मंडप में विवाह का प्रसंग आते ही चारों तरफ से श्रीकृष्ण-रुक्मणी पर जमकर फूलों की बरसात हुई। महाराज जी ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण-रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। महाराज ने भगवान की अनेक लीलाओं में श्रेष्ठतम लीला रासलीला का वर्णन करते हुए बताया कि रास तो जीव का शिव से मिलन की कथा है। यह काम को बढ़ाने की नहीं काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है। इस कथा में कामदेव ने भगवान शिव पर खुले मैदान में अपने पूर्व सार्मथ्य के साथ आक्रमण किया लेकिन वह भगवान को पराजित नहीं कर पाया उसे ही परास्त होना पडा। रासलीला में जीव का शंका करना या काम को देखना ही पाप है। गोपी गीत पर बोलते हुए कथा व्यास ने कहा जब-जब जीव में अभिमान आता है भगवान उनसे दूर हो जाते हैं। जब कोई भगवान को न पाकर विरह में होता है तो श्रीकृष्ण उस पर अनुग्रह करते है उसे दर्शन देते है। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। महाराज ने भगवान शंकर के रासलीला में शामिल होने का विस्तार से वर्णन किया।

महाराज ने कहा कि भगवान भक्त की धन, संपत्ति नहीं देखते हैं, वे केवल उसका निस्वार्थ भाव देखते हैं। इसे देखकर ही आशीर्वाद देते हैं। कथा के अंतिम दिन उन्होंने कृष्ण- सुदामा प्रसंग का वर्णन किया। सुदामा भगवान के भक्त बने। गरीबी होने के बाद भी सुदामा ने भगवान से कभी कुछ नहीं मांगा। यथाशक्ति निस्वार्थ भाव से कृष्ण की भक्ति की। भगवान इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने सुदामा को अपना मित्र बना लिया।

इस अवसर पर कथा संयोजक डॉ. चन्द्रकला अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा गुप्ता, भगतराम गोयल, सुमन लता गोयल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, अमित अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल (बंजारा हिल्स), विजय प्रकाश अग्रवाल, बीना अग्रवाल, रमेश चंद्र गुप्ता, सत्यभामा गुप्ता, प्रेमलता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, अनिता शाह, राजेंद्र अग्रवाल, संतोष अग्रवाल (बगड़िया), अविनाश गुप्ता, सरिता गुप्ता, ज्ञानेन्द्र अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, बबीता गुप्ता, सुनीता गुप्ता, कौशल्या गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, अजय गोयल एवं कविता गोयल सहित सैकड़ों वैष्णवजन उपस्थित रहे।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज के नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद ने अपने परशुराम मंदिर प्रांगण जगतगिर गुट्टा में नवनिर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ 13 अगस्त मंगलवार, प्रातः 9:00 बजे से किया है।समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस को बताया कि समाज के सदस्यों के सहयोग से परशुराम मंदिर प्रांगण में पिछले कुछ दिनों से नवनिर्माण का कार्य चल रहा था जिसके अंतर्गत नवग्रह मंदिर और शिव मंदिर की स्थापना के साथ हनुमान जी की बड़ी सी प्रतिमा और परशुराम जी की माता रेणुका की मूर्ति की स्थापना की गई है। समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र, महासचिव सुनील सिंह, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय एवं पूर्व महासचिव इंद्रदेव सिंह ने पूजा का संकल्प लेकर इस प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान का शुभारंभ किया। मुख्य पंडित श्रीनिवास शर्मा ने सभी यजमानों को संकल्प दिलाकर पूजा की शुरुआत की। इस यज्ञ में कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के परिवार के नाम और गोत्र के साथ पूजा की जायेगी। यह आयोजन आज से प्रारंभ होकर अगले तीन दिनों तक चलेगा। तीनों दिन प्रातः और अपरान्ह प्राणप्रतिष्ठा की पूजा होगी और 15 अगस्त गुरुवार को मध्यान्ह में सभी विग्रहों की पूर्ण स्थापना की जाएगी। पूर्णाहुति और आरती के उपरांत यह कार्यक्रम संपन्न होगा। अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भंडारा की व्यवस्था रहेगी। महासचिव ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस पावन कार्यक्रम में अपने परिवार और मित्र जनों के साथ अवश्य भाग लें।

रानी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रानी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा की सावन की सैर रविवार को विलेज ट्रेल्स रिसोर्ट में मनाई गई. जिसमें सर्वप्रथम अग्रसेन महाराज जी की पूजा की गई और तत्पश्चात प्रोग्राम शुरू किया गया। अलग-अलग तरह के एडवेंचर झूले, इंडोर गेम्स, क्रिकेट, स्विमिंग पूल, रेन डांस का सभी ने आनंद उठाया। रिसोर्ट में एंकर रवि शिवशंकर व राम द्वारा बहुत ही अच्छे मनोरंजन के गेम खिलाए गए। इसके अलावा तंबोला भी खिलाया गया। रिंकू गर्ग एवं मोनिका अग्रवाल द्वारा सरप्राइज सवाल भी पूछे गए।

इसमें विजेता रहे टीना, रूपा, अंबिका, दुर्गा,साक्षी, प्रियंका, अंजू, चेतन, अर्चना, पूजा, दीपिका, महक, पायल, दीप्ति नरेश, आशीष आनंदी, सुनीता, पूर्णिमा, नीतिका, महेंद्र, शिवानी, नीलिमा, सुमित्रा आदि सभी को पुरस्कार भी दिए गए। बस में ही नाश्ते की व्यवस्था रही। सभी को वेलकम ड्रिंक दिया गया। वेलकम ड्रिंक के बाद दोपहर के खाने की व्यवस्था रही और शाम को अल्प आहार की व्यवस्था रही।

सभी ने बहुत ही अच्छे तरीके से आनंद उठाया। आगे के लिए भी ऐसी यात्रा के लिए बोला गया। अध्यक्ष रिंकू गर्ग, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, सह मंत्री मोनिका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, सुशील केडिया, पूनम तुलसियान, कविता गोयल। सीमा अग्रवाल आदि का सहयोग इस यात्रा को सफल बनाने में रहा।

खम्मम के सांसद रामसहायम रघुराम रेड्डी ने मंगलवार को रेल निलयम में दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और विभिन्न रेल बुनियादी ढांचे के विकास पर चर्चा की।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकाली रैली

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा हर घर तिरंगा चारमीनार के तहत मंगलवार को मदीना सर्कल, हैदराबाद तक रैली का आयोजन कर रहा है।

अफसर पाशा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य भाग लिया। भाजपा युवा मोर्चा, एवं भाजपा राज्य महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, डॉ. कसम वेंकटेश्वरलू, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक भाजपा पार्टी के नेता, एन रामचंदर राव, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सवेल्ला महेंद्र, एवं नेताओं ने सालारजंग संग्रहालय से चारमीनार तक हर घर तिरंगा रैली के अवसर पर भाग लिया।

श्री कृपा मार्केट होलसेल व रिटेल मर्चेंट एसोशिएशन द्वारा सावन की सैर का आयोजन घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र में किया गया। सैर के अंतर्गत एलोरा की गुफा, हनुमान मंदिर व द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर दर्शन का लाभ लिया गया। यात्रा को सफल बनाने मे दीपक मोदी, परसराम उपाध्याय, कमल तिवारी, मनिष गर्ग, गोविंद अग्रवाल, विकास जैन, पी अशोक कुमार, नरसिंहा, प्रवीन कुमार, भास्कर, तरुण चंडक, सुरेंदर रेडी, पवन मर्दा, महेश राठी व नितेश अग्रवाल, ने अपना योगदान दिया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की श्रावण की सैर 15 अगस्त को

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की श्रावण की सैर 15 अगस्त को भुवनगिर के क़रीब स्थित स्वर्णगिरी श्री वेंकटेश्वर स्वामी देवस्थानम, अनंतराम मंदिर में की जा रही है। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन हेतु राजेंद्र कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल एवं विजय कुमार अग्रवाल (रामू भाई) संयोजक है। कार्यक्रम में शाखा के सभी सदस्यों से आग्रह किया गया है कि परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में पधार कर भगवान बालाजी के दर्शन के साथ साथ प्रसाद ग्रहण करें। मध्याह्न 12 बजे से झंडा वंदन शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल द्वारा किया जाएगा। तत्पश्चात् 12 से 2-30 तक विशाल मोण्टू पुरोहित द्वारा भजन का कार्यक्रम रहेगा। भगवान बालाजी के स्पेशल दर्शन विशेषकर शाखा के सदस्यों एवं अन्य उपस्थित अतिथियों के लिए मध्याह्न 2-30 बजे करवाये जाएँगे जिसमे बालाजी का विशेष आशीर्वाद प्रदान किया जाएगा। 3 बजे से शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया जायेगा जिसमे शाखा की गतिविधियों की जानकारी देते हुए आगे की रूप रेखा पर विचार विमर्श किया जाएगा। प्रसाद ग्रहण के साथ कार्यक्रम की समाप्ति होगी। शाखा के अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष ताराचंद बंसल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सहमंत्री कैलाश चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल (ऑयल), केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल (निवर्तमान अध्यक्ष), विजय कुमार अग्रवाल (रामू भाई) ने अग्रसेन मार्ग शाखा के सभी सदस्यों, अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों, केंद्रीय समिति के सदस्यों से आग्रह करते हैं कि श्रावण की सैर कार्यक्रम में पधारकर भगवान बालाजी के दर्शन कर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में तीन दिवसीय हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचलीय ज्ञानार्जन केंद्र, हैदराबाद में सोमवार को तीन दिवसीय कंप्यूटर आधारित भौतिक हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इसमें हैदराबाद, विजयवाड़ा और बेंगलुरू अंचल के कुल 29 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन ज्ञानार्जन केंद्र के प्रभारी यू. उपेंदर ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में राजभाषा हिंदी के यांत्रिक सुविधाओं में यूनिकोड की सुविधा ने क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। कार्यक्रम में अंचल के राजभाषा प्रमुख देवकान्त पवार ने भी राजभाषा में काम करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी भारतीय भाषाओं में हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जिसने भारत को एक सूत्र में पिरोए रखा है और हिन्दी में बैंकिंग के आंतरिक कामकाज करके हम अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करने का प्रयास कर सकते हैं। इन तीन दिनों में राजभाषा नीति एवं अधिनियम, यूनिकोड में टाइपिंग अभ्यास, एमएस ऑफिस में हिन्दी में कार्य की सुविधाएं, वॉयस टाइपिंग, मशीन अनुवाद, कंठस्थ-2.0 आदि पर अंचल कार्यालय, हैदराबाद से देवकान्त पवार, क्षेत्रीय कार्यालय, सैफाबाद से राजभाषा प्रभारी श्रुति पाण्डेय, क्षेत्रीय कार्यालय, पंजागुट्टा से तपस्विनी मोहंती, क्षेत्रीय कार्यालय, कोटि से साहेबराव कांबले और क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद से स्नेहा साव द्वारा सत्र लिए जाएंगे।

भागवत कथा में रुक्मिणी विवाह प्रसंग सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित ब्रह्मचारी मठ राधे कृष्ण मंदिर में राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन मंगलवार को रुक्मिणी विवाह प्रसंग संपन्न हुआ। इस मौके पर सुंदर अलौकिक झांकी प्रस्तुत की गई तथा पारंपरिक रूप महिलाओं ने बड़ी श्रद्धा से दान दहेज दिया।

इस मौके पर मंगलवार को अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के अध्यक्ष बद्री प्रसाद सरायवाला, पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, श्री श्याम मित्र मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया , समाजसेवी बाबूलाल जोशी, सोहनलाल नेहरा, भंवरलाल चाहर, डालूराम, कवि पुरुषोत्तम कड़ेल, सत्यनारायण रोहिवाल, विमल खंडेलवाल, जिया अग्रवाल सहित अन्य ने कथा वाचक हरिप्रिया वैष्णवी का पुष्पमाला एवं शॉल एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर अत्तापुर प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी एवं कथा संयोजक पवन नालपुरिया का भी स्वागत किया गया ।

कथा के इस विशाल आयोजन में सरदार आनंद सिंह, सरदार सुखजिंदर सिंह, श्याम सुंदर जांगिड़, सनी सिंह, वेंकट राव, संतोष जादव, संतोष यादव मुन्ना, भंवरलाल शर्मा, नरोत्तम रेड्डी, दीपक कारोबारी , लक्ष्मण सिंह, सोमनाथ शुक्ला, उमेश कुमार, लकी सिंह, साई कुमार सहित अनेक लोग बड़ी श्रद्धा से सेवा दे रहे हैं।

हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हर हिंदू को आगे आना होगा : कालू सिंह

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं के साथ कट्टरपंथियों द्वारा इन दिनों किए जा रहे अत्याचार एवं जानलेवा हमले एवं मार-काट किये जाने से वहां के सब हिंदू भयभीत हैं और अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं जो हमारे हिंदू के लिए बड़ी शर्म की बात है।

हम सब हिंदुओं को एक होकर हिंदू को सुरक्षा देना है। हम सरकार से भी मांग करते हैं कि वह इस बात का हल निकाले ताकि एक हिंदू सुरक्षित रह सके। यह बात सोमवार को अत्तापुर के रामबाग राम मंदिर से नवनिर्मित श्री राम मंदिर तक निकाले गए कैंडल मार्च के दौरान गौ रक्षा दल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि लगता है अब हिंदू की सुरक्षा के लिए हिंदू को कमर कस के आगे आना पड़ेगा। इस अवसर पर कैंडल मार्च में अनेक लोग मौजूद रहे। कैंडल मार्च में अत्तापुर पार्षद संगीता, भाजपा जिला कन्वीनर मल्ला रेड्डी, संतोष अग्रवाल, गौरक्षा दल संरक्षण कोटी श्रीधर सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

मुस्लिम जंग पुल स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक पूजन के अवसर पर अनाज फल आदि से श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर महन्त चेतन गिरी सुनील कुमार पाण्डेय, विनय पाण्डेय, टी. श्याम सिंह, लक्ष्मण बागड़ी, विनोद सिंह, जितेंद्र गिरी, अमर सिंह, रोशन, तुषार, प्रणव, हर्ष बाबू अभिषेक, पवन यादव, लोकेश यादव, आकाश गिरी व अन्य उपस्थित थे।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को श्री रामदरबार पचांयतीबाडा स्थित विजय शंकर शिवालय में प. वासुदेव तिवाडी के आचार्यत्व में पूजा-अर्चना एवं अभिषेक करते हुए स्वजाति बन्धु। तत्-पश्चात अलंकृत श्रृंगार, 56 भोग श्रृंगार एवं आरती के बाद भक्तों ने फराली प्रसाद का लाभ लिया।

सिकंदराबाद में चल रही श्रीमद् भागवत में व्यास पीठ पर पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली का सम्मान करते हुए भक्तगण।

अग्रवाल शिक्षा समिति का स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम चारकमान में

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति चारकमान के तत्वावधान में समिति के प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार सुबह 9:30 बजे से किया जाएगा।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार समारोह के मुख्य अतिथि राजीव त्रिवेदी (आईपीएस) डीजीपी (सेवानिवृत्त) तेलंगाना तथा विशेष अतिथि के रूप में डॉ. प्रेमचंद गुप्ता (उश्रळपळलरश्र ऊळीशर्ली उहळशष, तरीर्ल्ीश्ररी एपर्व्ीर्रील्ीश्ररी डीसशीू, उरीश कीेळींर्रश्र कूवशीरलरव) होंगे। समारोह की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया करेंगे। मुख्य अतिथि के करकमलों से ध्वजारोहण किया जाएगा। अवसर पर छात्र- छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने सभी से इस अवसर पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा की सावन की सैर सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, अत्तापुर सेन्ट्रल शाखा द्वारा इब्राहिमपट्टनम स्थित श्री नेचर वेली रिसॉर्ट मे सावन की सैर का भव्य आयोजन किया गया।यहाँ अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा (सेन्ट्रल) द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञाप्ती में मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल ने बताया कि समाज के इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी आयु वर्ग के करीब 200 सदस्यों ने भाग लिया । कार्याम में सबसे पहले अग्रसेन महाराज की पूजा की गई । महिलाओं और बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरन्जन कार्यक्रम तथा तंबोला का आयोजन किया गया।

सभी के लिए स्वादिष्ट व्यंजन, नाश्ता, दोपहर का भोजन, हाई-टी और रात के खाने की व्यवस्था की गयी । अवसर पर लक्की डिप भी रखा गया जिसमें 15 चांदी के सिक्के इनाम के तौर पर दिये गये । रिसोर्ट में पधारे सभी सदस्य का अध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने स्वागत किया तथा आगामी वर्ष में किये जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

सदस्यों के लिए विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया जिसमे क्रिकेट, स्वीमींग पुल, इंडोर गेम्स, तंबोला, वॉटर राईड्स आदि गेम्स रखे गये।

अवसर पर अध्यक्ष नवीनकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मंत्री विरेन्द्रकुमार अग्रवाल, सहमंत्री प्रशांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेशकुमार अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य ललीत अग्रवाल एवं रामकिशन अग्रवाल, कार्यकारीणी सदस्य विनय अग्रवाल, राजकुमार गोयल, राहुल अग्रवाल, जितेन्द्र अग्रवाल, सुरेश बंसल, गोपाल अग्रवाल, यश गुप्ता, गीरीराज पोद्दार, आनंद अग्रवाल, पवन चिडीपाल, अर्जुन फीटकरी वाला, निरज जैन, कमलेश सरौगी, चंद्रप्रकाश केडीया, सचीन अग्रवाल आदि सदस्य बडी संख्या में उपस्थित थे।

तेलंगाना सरकार के आयुष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने कोठी अस्पताल में वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। उक्त शिविर में जामबाग पार्षद राकेश जैसवाल ने भाग लिया एवं शिविर में आए सभी रोगियों को मुफ्त दवाइयां वितरित की। कार्यक्रम में डॉ. इसरार उन्नीसा चिकित्सा अधिकारी, डॉ. वहाजुद्दीन खान चिकित्सा अधिकारी, डॉ. निखत अफशान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ यासमीन सुलताना चिकित्सा अधिकारी, टी. अन्नपूर्णा फार्मासिस्ट और भाजपा नेता रघु कांबले, रामकृष्ण, मुकेश, संदीप, मुरली आदि उपस्थित थे।

गुरुद्वारा साहिब की साधारण सभा 18 को

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । पुरातन गुरुद्वारा साहिब आसासिंह बाग शहीदन सिंह किशनबाग सिख छावनी में साधारण सभा रविवार, दि. 18 अगस्त को गुरुद्वारा साहिब के मोहकम सिंह हाल में सुबह 11.00 बजे से आरम्भ की जाएगी ।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सरदार जितेन्दर सिंह मुन्शी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस साधारण सभा में सभी सदस्यगणों को वार्षिक आय-व्यय की रिर्पोट दी जाएगी तथा आने वाले वर्षों के लिए गुरुद्वारा साहिब के विकास कार्यों की रूप रेख तैयार की जाएगी। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव सरदार जितेन्दर सिंह मुन्शी ने सभी सदस्यों से उक्त बैठक में पधारने का आग्रह किया।

हैदराबाद में हर घर तिरंगा 2024 के उपलक्ष्य में स्कूटी रैली का आयोजन

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के शहर हैदराबाद में हर घर तिरंगा 2024 अभियान के तहत प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने सोमवार को कोठापेट और तारनाका में स्कूटी रैली का आयोजन किया।

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी ने कहा, इस साल स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही, आइए एक बार फिर हर घर तिरंगा को एक यादगार जन आंदोलन बनाएं। मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि आप सभी अपनी प्रोफाइल पर तिरंगे की तस्वीर लगाकर हमारे तिरंगे का जश्न मनाने में मेरा साथ दें और हां, अपनी सेल्फी ज़रूर शेयर करें। डॉ. रेड्डी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई में अपने मन की बात कार्यक्रम के 112वें संस्करण के दौरान हर घर तिरंगा अभियान को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा, भाजपा 11-13 अगस्त तक हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालेगी। इसके अलावा, 14 अगस्त को सभी जिलों में मौन जुलूस निकालकर विभाजन स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

रामदेवरा दरबार में हुई सूरजगढ़ श्री श्याम निशान की पूजा

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की ओर से हर वर्ष फागुन की एकादशी को काचीगुड़ा के श्याम मंदिर की गुंबद पर समर्पित किया जाने वाला सूरजगढ़ श्री श्याम निशान इस वर्ष भी शुक्रवार, दि. 16 अगस्त एकादशी को प्रातः 5:00 बजे से रामबाग राम मंदिर प्रांगण से पूजा के पश्चात श्याम भक्तों द्वारा पैदल चलकर श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा की गुंबद पर चढ़ाया जाएगा । ज्ञात हो कि श्याम निशान सूरजगढ़ से पिछले दिनों नगर पहुंचा है। जिसकी पूजा शिवरपमपल्ली स्थित रामदेवरा दरबार में श्याम भक्तों द्वारा की गई।

डॉ. अजय अग्रवाल बने एफटीसीसीआई जनसंपर्क समिति के प्रमुख

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। द फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफ़टीसीसीआई) ने डॉ. अजय कुमार अग्रवाल को अपनी जनसंपर्क समिति का प्रमुख नियुक्त किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. अग्रवाल को एफटीसीसीआई के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल ने नियुक्त किया है और पिछले 107 वर्षों में तेलंगाना के औद्योगिक और वाणिज्यिक परिदृश्य को आकार देने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। एफटीसीसीआई उद्योग और वाणिज्य के हितों की वकालत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, जिसने राज्य में तेजी से औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री सिंघल ने कहा कि हमारा संगठन लगातार उत्कृष्टता के लिए प्रयास करता रहा है, और हमारे मिशन को आगे बढ़ाने और हमारे प्रभाव का विस्तार करने के लिए प्रभावी जनसंपर्क की आवश्यकता है। जनसंपर्क में डॉ. अजय अग्रवाल की अनुकरणीय

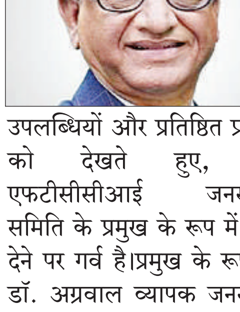

उपलब्धियों और प्रतिष्ठित प्रतिष्ठा को देखते हुए, हमें एफटीसीसीआई जनसंपर्क समिति के प्रमुख के रूप में सेवा देने पर गर्व है।प्रमुख के रूप में, डॉ. अग्रवाल व्यापक जनसंपर्क रणनीतियों के विकास और कार्यान्वयन का नेतृत्व करने, प्रेस विज्ञप्तियों और अन्य संचार सामग्रियों के निर्माण और प्रसार की देखरेख करने और एफटीसीसीआई के कार्यक्रमों और पहलों के सकारात्मक कवरेज को सुविधाजनक बनाने के लिए मीडिया संबंधों पर सलाह देने के लिए जिम्मेदार होंगे। वह जनसंपर्क प्रथाओं के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए पीआर समिति के सदस्यों का मार्गदर्शन भी करेंगे।

इस अवसर पर डॉ. अजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि मैं फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री से उनके जनसंपर्क समिति के प्रमुख के रूप में सेवा करने के लिए निमंत्रण स्वीकार करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं संगठन और जनसंपर्क प्रयासों की छवि को बढ़ाने और तेलंगाना में उद्योग और वाणिज्य के लिए एक अग्रणी अधिवक्ता के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए एफटीसीसीआई टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।डॉ. अजय कुमार अग्रवाल - जनसंपर्क के क्षेत्र में अनुभवी और प्रशंसित लेखक हैं। उन्हें ब्रिटिश संसद में सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के 23 सकारात्मक परिवर्तनकर्ताओं में से एक के रूप में भी दर्ज किया गया है।

अपनी वर्तमान भूमिकाओं से पहले, डॉ. अग्रवाल ने पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया और सीबीएसएल ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ में कॉर्पोरेट संचार में वरिष्ठ पदों पर कार्य किया। वह वर्तमान में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के लिए एसएमई चैंबर ऑफ़ इंडिया, दक्षिण भारत के लिए दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज, जन ऊर्जा मंच हैदराबाद और इको भारत फ़ाउंडेशन के सलाहकार भी हैं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

ज्योतिष ASTROLOGY
नाकौड़ा भैरव ज्योतिष
(जय जिनेन्द्र) मारवाड़ी, गुजराती महाराज, माजिशा भक्त हस्तरेखा, जन्माक्षर, पूजा-पाठ, संतान प्राप्ति, शारीरिक पीड़ा, मानसिक पीड़ा, व्यापार, सगाई, लग्न विलंब, शत्रुनिवारण, प्रेम समस्या, कर्ज मुक्ति, गृहक्लेश आकर्षण प्रयोग, पतिवश, सास-बहू झगड़ा, एकतरफा प्रेम (वशीकरण के जानकार) जीवन की जटिल समस्याओं का A+Z समाधान। बेगम बाजार, हैदराबाद.
संपर्क : 9032460847.

CHANGE OF NAME
I, Service No.6941346A Hav Lalchand Gurjar of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my mother name is changed from **MISREE DEVI** to **MISHRI DEVI**

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6944875X Nk Ajab Sinh Ude Sinh Rathod of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my son name is changed from **ADITYA** to **ADITYA RATHOD**, another son name is changed from **VISHWAJEET SINGH** to **VISHWAJEET SINGH RATHOD** and mother name is changed from **PUSAPA BAHN** to **RATHOD PUSHPABEN UDESINH**.

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC 732113H Sub Maj(Hony Lt) Subhash Sharma of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad that my father name is changed from **SHAILENDRA PRASAD SHARMA** to **SAHENDRA SHARMA**.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 6493903A Hav BAJI NIZAMPATNAM SHAIK, R/o.Vill:Chinamatlapudi, Post:Peddamatlapudi, Teh:Nagaram, Dist:Guntur, Andhra Pradesh India, hereby declare that my father name is to be changed from **MASAN VALI** to **NIZAMPATNAM MASTAN VALI** vide affidavit dt:13-8-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

अमेरिका का राष्ट्रपति कोई भी बने, भारत उसके साथ काम करने में सक्षम : जयशंकर

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में मंगलवार को इंडिया स्पोरा सभा को संबोधित किया। इंडिया स्पार्की इंपैक्ट रिपोर्ट के लॉन्च के अवसर पर उन्होंने समकालीन साझेदारी के निर्माण में भारतीय प्रवासियों की भूमिका के बारे में बात की।

इस दौरान एस जयशंकर ने कहा, अमेरिका का राष्ट्रपति कोई भी हो, भारत अमेरिका के साथ काम करने में सक्षम होगा। आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के बारे में जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला सुनाएगी और भारत को विश्वास है कि वह किसी भी सरकार के साथ काम करने में सक्षम है।

उन्होंने कहा, जब नेहरू पहली बार अमेरिका गए तो वहां तीन हजार भारतीय अमेरिकी थे, जब इंदिरा गांधी पहली बार अमेरिका गईं तो वहां 30 हजार भारतीय अमेरिकी थे, जब राजीव गांधी गए तो वहां तीन लाख थे और जब नरेंद्र मोदी गए तो वहां 33 लाख थे। मुझे लगता है कि प्रवासी समुदाय भारत और अमेरिका के बीच डिजिटल संपर्क के माध्यम से महत्व-पूर्ण योगदान दे सकता है।

जयशंकर ने कहा, आम तौर पर, हम दूसरे लोगों के चुनावों पर टिप्पणी नहीं करते, क्योंकि हम यह भी उम्मीद करते हैं कि दूसरे लोग हमारे चुनावों पर टिप्पणी नहीं करेंगे। अमेरिकी प्रणाली अपना फैसला सुनाएगी। लेकिन अगर आप पिछले 20 सालों को देखें, तो हमें पूरा भरोसा है कि हम संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ काम करने में सक्षम होंगे, चाहे वह कोई भी हो। जयशंकर ने कहा, आप देख रहे हैं कि मध्य पूर्व में क्या हो रहा है, यूक्रेन में क्या हो रहा है, दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया में क्या हो रहा है। विदेश मंत्री ने दुनिया भर में आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज कई देश संघर्ष कर रहे हैं।

जनता दरबार में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह बने जनता के डॉक्टर

जम्मू, 13 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि जमीनी स्तर तक पहुंचना और आम जनता की बात सुनना तथा उनकी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करना उनका निरंतर प्रयास है।

अपने गृहनगर संसदीय क्षेत्र उधमपुर में जनता दरबार में आम जनता से बातचीत करते हुए जनता के डॉक्टर के रूप में डॉ सिंह ने जिला प्रशासन के साथ जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा उनकी मांगों को मौके पर ही पूरा करने के अपने ठोस प्रयास के तहत करीब दो घंटे तक दरबार लगाया। इस अवसर पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं साझा करने के लिए आगे आए तथा अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिला अधिकारियों को जनता की मांगों को बिना किसी चूक के संबोधित करने और जल्द ही कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये गये हैं। उन्होंने कहा कि जनता के मुद्दों को हल करने और शासन में पारदर्शिता लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इससे पहले, डॉ. सिंह ने नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाने के लिए स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा बाइक रैली का नेतृत्व किया। रैली का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने किया, जिसका नेतृत्व इसके अध्यक्ष अरुण प्रभात सिंह ने किया था। इस अभियान में बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं ने हिस्सा लिया। डॉ. सिंह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की और इस क्षेत्र को मुखर्जी की बलिदान भूमि बताया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी के विजन ने एक विधान एक निशान एक प्रधान आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत प्रतिमा के आसपास सफाई अभियान में भी हिस्सा लिया।

भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करने के लिए लोगों को भड़का रही कांग्रेस : भाजपा

पटना, 13 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा करने के लिए लोगों को भड़का रही है लेकिन केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कांग्रेस को उसके नापाक इरादे में कामयाब नहीं होने देगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने मंगलवार को यहां तिरंगा मार्च को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मणिशंकर अय्यर और सलमान खुर्शीद ने खुलेआम भविष्यवाणी की थी कि आने वाले दिनों में भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि ये देश की एकता और अखंडता के खिलाफ दिए गए बहुत ही भड़काऊ बयान थे लेकिन कांग्रेस ने इसका खंडन नहीं किया।श्री चौधरी ने कहा, इस मुद्दे पर कांग्रेस की चुप्पी इस यह बताती है कि वह सत्ता में आने के लिए इतनी बेताब है कि वह देश का और अधिक विभाजन भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 1947 में तत्कालीन ब्रिटिश शासन द्वारा भारत को विभाजित करने के प्रस्ताव को सिर्फ सत्ता के लिए स्वीकार कर लिया था। अब यह बात सबके सामने आ चुकी है कि कांग्रेस देश में टुकड़े-टुकड़े गैंग (विघटनकारी ताकतों) का समर्थन कर रही है।

बलात्कार प्रयास में धरे गए सपा नेता की आपराधिक कुंडली सामने आई

कन्नौज, 13 अगस्त (एजेंसियां)। कन्नौज में किशोरी से बलात्कार का प्रयास करने के मामले में गिरफ्तार नवाब सिंह यादव की पुलिस ने आपराधिक कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है। जेल भेजने के बाद पुलिस ने सोमवार की देर शाम नवाब के खिलाफ अब तक दर्ज अलग-अलग मुकदमों की सूची जारी की। इसमें बलवा, लूट, मारपीट, धोखाधड़ी के मामले शामिल हैं, जो सदर और तिर्वा कोतवाली में दर्ज हैं।

जिले की सियासत में दबदबा रखने वाले नवाब सिंह यादव की गिरफ्तारी ने सियासी गलियारे में हलचल मचा दी है। भाजपा इस घटनाक्रम को लेकर सपा पर हमलावर है। वहीं, सपा ने मामले से पल्ला झाड़ रखा है। इस बीच पुलिस अपना काम करने में जुटी है। रविवार की रात हिरासत में लेने के बाद सोमवार की दोपहर कोर्ट में पेश करने के बाद शाम में जेल भेज दिया गया।

इस बीच पीड़ित किशोरी की मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल में गहमा-गहमी रही। देर शाम होते-होते पुलिस ने नवाब सिंह यादव के खिलाफ दर्ज अब तक के सभी मुकदमों की फेहरिस्त जारी कर दी है। इसमें पहले से दर्ज 15 मुकदमों के अलावा रविवार की रात दर्ज हुआ 16वां मुकदमा भी शामिल है।

समझा जा रहा है कि इस लिस्ट को सार्वजनिक कर पुलिस नवाब सिंह यादव की छवि को सामना लाना चाह रही है। इसके अलावा अपनी आगे की कार्रवाई में भी इस मुकदमों को शामिल कर कार्रवाई को पुख्ता करने में लगी है। नवाब सिंह यादव पर सदर कोतवाली में बलवा, लूट, मारपीट, धोखाधड़ी, अपहरण, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, गुंडा एक्ट, जानलेवा हमला, मारपीट, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट में मुकदमें दर्ज हैं।

नवाब सिंह यादव को जानने वाले लोग उन्हें सपा का कद्दावर नेता और पार्टी मुखिया अखिलेश यादव का करीबी मानते हैं। लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव के प्रचार में नवाब सिंह यादव ने खूब बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। पिछले महीने 25 जुलाई को नवाब सिंह की मां के निधन पर अखिलेश यादव ने दुख जताया था।

नवाब सिंह यादव पर दर्ज आपराधिक मुकदमे

1	शहर कोतवाली	वर्ष 2004	धारा 147, 148, 149, 336, 352, 395, 397, 427, 504, 506।
2	शहर कोतवाली	वर्ष 2007	धारा 188।
3	शहर कोतवाली	वर्ष 2008	धारा 188, 419, 501।
4	शहर कोतवाली	वर्ष 2008	धारा 147, 149, 307, 336, 366, 504, 506 भादवि व 7 सीएलए एक्ट।
5	शहर कोतवाली	वर्ष 2009	धारा 03 गुंडा अधिनियम।
6	शहर कोतवाली	वर्ष 2009	धारा 147, 336, 504, 506।
7	शहर कोतवाली	वर्ष 2009	धारा तीन, 10 गुंडा अधिनियम।
8	शहर कोतवाली	वर्ष 2010	धारा तीन गुंडा अधिनियम।
9	शहर कोतवाली	वर्ष 2020	धारा 188, 269, 270, 332, 353 व धारा तीन महामारी एक्ट।
10	शहर कोतवाली	वर्ष 2020	धारा 188, 269, 270 भादवि व 3 महामारी एक्ट
11	शहर कोतवाली	वर्ष 2020	धारा 147, 149, 323, 336, 427, 504, 506।
12	तिर्वा कोतवाली	वर्ष 2020	धारा 188, 269, 270 भादवि व तीन महामारी एक्ट।
13	तिर्वा कोतवाली	वर्ष 2020	धारा 147, 336, 341।
14	शहर कोतवाली	वर्ष 2021	धारा 308, 323, 504, 506।
15	शहर कोतवाली	वर्ष 2022	धारा 323, 342, 420, 504, 506।
16	शहर कोतवाली	वर्ष 2024	धारा 76 भारतीय न्याय संहिता व सात, आठ पॉक्सो एक्ट।

धोखेबाज सरकार को हटा कर चैन की सांस लेंगे राज्य के युवा : बाबूलाल मरांडी

रांची, 13 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी आज आगामी 23 अगस्त को रांची में भाजपा युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवा आक्रोश रैली की तैयारी के लिए आयोजित रांची महानगर एवम ग्रामीण जिला की बैठक को संबोधित कर रहे थे।श्री मरांडी ने कहा राज्य की युवा शक्ति हेमंत सरकार से अब आर पार की लड़ाई लड़ने केलिए तैयार है।उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार धोखेबाज सरकार है। साढ़े चार वर्षों से केवल धोखा ही दे रही है। इसने युवाओं,किसानों, पारा शिक्षकों,संविदा कर्मियों सभी को ठगा है। 5साल पहले चिल्ला चिल्ला कर वादे किए।घोषणा पत्र में किए।सदन में किए,सड़क पर किए।लेकिन घोषणाएं केवल घोषणाएं ही बनकर रह गई।उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार से राज्य का युवा हिसाब मांग रहा है।अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने पर जवाब मांग रहा है।

श्री मरांडी ने कहा कि 23 अगस्त को राज्य के लाखों युवा मुख्यमंत्री के आवास पहुंचेंगे। और पूछेंगे 5 लाख नौकरी का क्या हुआ। बेरोजगारी भत्ता कहां गया।

डीआरडीओ का गौरव दुश्मन के ठिकाने को कुछ ही पल में कर देगा तबाह

सुखोई-30 एमकेआई से हुआ सफल परीक्षण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बधाई

नई दिल्ली, 13 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने वायु सेना के लड़ाकू विमान सुखोई से मंगलवार को लंबी दूरी के ग्लाइड बम गौरव का सफल पहला उड़ान परीक्षण किया है। यह परीक्षण ओड़ीशा के तट पर किया गया।

गौरव हवा में दागे जाने वाला 1,000 किलोग्राम श्रेणी का ग्लाइड बम है जो लंबी दूरी तक लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। गौरव को डीआरडीओ की हैदराबाद में प्रयोगशाला में डिजाइन और विकसित किया गया है। उड़ान परीक्षण के दौरान, ग्लाइड बम ने व्हीलर द्वीप पर लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, वायु सेना और उद्योग जगत को बधाई दी। उन्होंने सशस्त्र बलों की क्षमता को और मजबूत करने के लिए स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के द प्रयास में इसे एक बड़ा मील का पत्थर बताया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए पूरी डीआरडीओ टीम को बधाई दी।

शेयर मार्केट

बीएसई : 78,956.03
-692.89 -0.87%↓
एनएसई :24,139.00
-208.00 (-0.85%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 72,850/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,785/-
(प्रति किलोग्राम)

अयोध्या उपचुनाव

हर कदम फूंक-फूंक कर रख रही भाजपा

अयोध्या, 13 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या की मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भाजपा में टिकट की दावेदारी की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। अलग-अलग फोरम पर अब तक 24 से अधिक पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से आवेदन के साथ बायोडाटा दिया जा चुका है। पार्टी नेतृत्व प्रत्याशी चयन में जल्दबाजी करने के मूड में नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उपचुनाव में इस सीट की कमान संभालने के बाद स्थानीय संगठन ने पूरा ध्यान अब यहीं पर केंद्रित कर दिया है। लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार के बाद पार्टी यहां पर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। इसीलिए हर कदम फूंक-फूंक कर रखा जा रहा है। संगठन ने प्रत्याशी की घोषणा होने का इंतजार किए बगैर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। कई पदाधिकारियों का ज्यादातर समय यहीं पर बीत रहा है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार लल्लू सिंह को पराजित कर यहां के विधायक रहे अवधेश प्रसाद के सांसद बनने के बाद मिल्कीपुर में उपचुनाव होने जा रहा है। सपा की ओर से उनके बेटे को प्रत्याशी बनाए जाने का संकेत देने के साथ तैयारी करने को कह दिया गया है। वे क्षेत्र में संपर्क करने में जुट गए हैं। बसपा ने अभी प्रत्याशी तय नहीं किया है। उधर, भाजपा से जितने नेताओं ने टिकट के लिए दावेदारी की है, वे भी जनसंपर्क कर रहे हैं। इनसे अलग संगठन के पदाधिकारी बूथ स्तर पर काम कर रहे हैं।

इस बारे में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने बताया कि प्रत्याशी की घोषणा उपयुक्त समय पर केंद्रीय संसदीय बोर्ड की ओर से की जाएगी। इसके पहले पार्टी का प्रदेश नेतृत्व भी दावेदारों के नाम पर विचार करेगा। इसमें जिला संगठन की कोई भूमिका नहीं है। फिलहाल जिले के पदाधिकारी पूरे विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर सांगठनिक ढांचे को नए सिरे से मजबूत करने में जुटे हुए हैं।

मिल्कीपुर उपचुनाव को भाजपा कितने गंभीरता से ले रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी तैयारियों पर प्रदेश सरकार के चार मंत्री नजर रखे हुए हैं।

जिले के प्रभारी और प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के साथ संसदीय कार्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, खेल राज्यमंत्री गिरीश चंद यादव और खाद्य रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा की ड्यूटी यहां पर लगाई गई है। चारों मंत्री यहां का नियमित दौरा कर संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं।

उठावना

श्री कैलाशजी सूंठवाल (दाहिमा)
(सुपुत्र : स्व. श्री गोविन्दलाल जी सूंठवाल) मारवाड़ असरलाई (पाली) वाले
स्वर्गवास : सोमवार दि. 12 अगस्त, 2024
उठावना आज बुधवार, दि. 14 अगस्त, 2024 को दोपहर : 11.00 से 11.30 बजे तक श्री यादे माता मंदिर, जलपल्ली रोड, दुर्गा नगर, काटेदान हैदराबाद पर होगा।
: शोकाकुल :
नथमल सूंठवाल, पंकज, सिद्धार्थ (भाई),
अक्षय (मौंटु), राहुल एवं समस्त सूंठवाल परिवार
गोविंदलाल नथमल सूंठवाल (दाहिमा)
तुलसी निवास, दुर्गा नगर, दुर्गा माता मंदिर के समीप, काटेदान, हैदराबाद
फ़ोन : 9000073004, 9000539008
श्री धनलक्ष्मी गोल्ड पॉट मार्केट, सिकंदराबाद
बैठक : प्रतिदिन मध्याह्न 3.00 से 5.00 बजे तक निवास स्थान पर

शुभ लाभ DAILY

रंगारेड्डी के संयुक्त कलेक्टर 8 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रंगारेड्डी जिले के संयुक्त कलेक्टर और एक वरिष्ठ सहायक को 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।एसीबी निदेशक सी.वी. आनंद ने मंगलवार को कहा कि एसीबी ने संयुक्त कलेक्टर एम.वी. भूपाल रेड्डी और जिला कलेक्टरेट के वरिष्ठ सहायक वाई. मदन मोहन रेड्डी को ट्रैप कर गिरफ्तार किया है जिन्होंने मिलीभगत की और अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग किया। अधिकारी ने कहा कि उन्हें धरणी पोर्टल में निषिद्ध सूची से 14 गुंठा भूमि को हटाने के लिए शिकायतकर्ता से 8,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। उन्होंने कहा दोनों ने पैसे प्राप्त करने के लिए कई सावधानियां बरतीं। लेकिन हमारी टीमें एक कदम आगे रहीं और रात भर स्वचालित रूप से रणनीति बनाई और उन्हें ट्रैप किया। यह घटना भूमि

पंजीकरण के लिए पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए धरणी पोर्टल से उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर भी प्रकाश डालती है। ऐसे आरोप लगे हैं कि ज़मीनों के मालिकाना हक से जुड़े रिकॉर्ड में हेराफेरी की गई। कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनाव घोषणापत्र में, धरणी को खत्म करने और रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (आरओआर) अधिनियम में संशोधन करके इसे भूमाता पोर्टल से बदलने का वादा किया था। राजस्व अधिकारियों के अनुसार, धरणी पोर्टल के संबंध में लगभग 3.50 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं।एसीबी ने सोमवार को जनगांव जिले के पालकुर्थी अनुभाग के एई गुगुलोथ गोपाल को ट्रैप किया और गिरफ्तार किया था। वह गुडीकुंटा थांडा ग्राम पंचायत के विशेष अधिकारी भी हैं। टीम ने उसे गुडिकुंटा थांडा की ओर से बिलों पर हस्ताक्षर करने और अग्रेषित करने के लिए शिकायतकर्ता से 6,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी निदेशक ने सोमवार को यह भी घोषणा की कि नलगोंडा, हैदराबाद सिटी -1 और हैदराबाद ग्रामीण टीमों की सतर्कता और प्रवर्तन टीमों ने अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में कई छापे और मार्ग निरीक्षण किए, जिसके परिणामस्वरूप 55.5 टन पीडीएस चावल (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) जब्त किया गया जिसका मूल्य लगभग 19.6 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि वाहनों को जब्त करने के अलावा, मानदंडों का उल्लंघन करने और बिना बिल के माल परिवहन करने पर लगभग 9,65,599 रुपये का कर लगाया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिषेक बोइनपल्ली की अंतरिम जमानत दो सप्ताह के लिए बढ़ाई

हैदराबाद/नई दिल्ली, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सुप्रीम कोर्ट ने कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैदराबाद के व्यवसायी अभिषेक बोइनपल्ली की अंतरिम जमानत मंगलवार को दो सप्ताह के लिए बढ़ा दी।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू की अनुपलब्धता के कारण कार्यवाही स्थगित करने के प्रवर्तन निदेशालय के वकील के अनुरोध को स्वीकार करते हुए, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई स्थगित कर दी और इस बीच अंतरिम राहत पर सुनवाई बढ़ाने का निर्देश दिया। इस साल जुलाई में, सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस संजय कुमार ने खुद को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया, उसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने निर्देश दिया कि जमानत याचिका पर एक अलग बेंच द्वारा सुनवाई की जाए।इससे पहले 20 मार्च को शीर्ष अदालत ने बोइनपल्ली को उनकी पत्नी के खराब स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पांच सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दी थी। यह अंतरिम राहत समय-समय पर बढ़ाई जाती रही। कोर्ट ने बोइनपल्ली को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने और हैदराबाद को छोड़कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) नहीं छोड़ने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बोइनपल्ली को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के साथ अपना मोबाइल नंबर साझा करने के लिए भी कहा था ताकि वे उनके संपर्क में रह सकें। बोइनपल्ली, जो अक्टूबर 2022 से हिरासत में हैं, ने उनकी जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के जुलाई 2023 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। विशेष रूप से, शीर्ष अदालत ने 9 अगस्त को वरिष्ठ आपा नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया की सीबीआई के साथ-साथ उसी शराब उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े ईडी मामले में जमानत याचिका को परीक्षण शुरू होने में देरी के आधार पर अनुमति दे दी थी।

कांवड़ शोभायात्रा में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद द्वारा सोमवार को भव्य कांवड़ शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शिव भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। बच्चे, महिलाएं, बूढ़े और नौजवान सब के सब शिव भक्ति में सराबोर दिखे। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी भव्य कांवड़ शोभा यात्रा निकाली गई जो उप्पल शिवालय से शुरू होकर महिंद्रा हिल्स शिवालय में जाकर शिव को जल अर्पण के साथ समाप्त हुई। इस बार की कावड़ यात्रा बहुत ही भव्य मनोरम एवं सुंदर थी।

जिसमें महिला, बच्चे, बुढे सहित हजारों शिव श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के अध्यक्ष हरे राम सिंह ने बताया कि हम सभी कार्यकारिणी सदस्यों को शिव भक्तों का सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ हम सभी कृतार्थ हुए। कावड़ यात्रा के दौरान जगह- जगह पानी, शरबत एवं फल आहार का व्यवस्था किया गया था जिसका सभी भक्तों ने खूब आनंद उठाया। अध्यक्ष हरेराम सिंह, मानवेंद्र मिश्रा, उत्तम यादव, विनोद गुप्ता, रवि शंकर सिंह, हरेराम यादव, पवन सिंह इत्यादि शिव भक्तों की अगुवाई किया।

साइबराबाद पुलिस ने शैक्षणिक संस्थानों से रैगिंग रोकने के लिए कदम उठाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साइबराबाद पुलिस ने मंगलवार को सभी शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यों से रैगिंग को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। बयान में पुलिस ने सभी शैक्षणिक संस्थानों से एंटी-रैगिंग कमेटी गठित करने का अनुरोध किया, जिसमें प्रिंसिपल, प्रोफेसर, वार्डन, माता-पिता और छात्र शामिल हों।बयान में कहा गया है कि इन समितियों को रैगिंग मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए छात्र संघ नेताओं के साथ निकट समन्वय में काम करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक संस्थानों को परिसर के भीतर और आसपास प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी कानूनों पर प्रकाश डालने वाले पोस्टर प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। जैसे ही नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हुआ है, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र आशा, आकांक्षाओं और अवसरों से भरी यात्रा पर निकल पड़े हैं। दुर्भाग्य से, कुछ मामलों में, कुछ वरिष्ठ छात्र रैगिंग के नाम पर नए प्रवेशकों के साथ दुर्व्यवहार, अपमान या उत्पीड़न करने का प्रयास कर सकते हैं।साइबराबाद पुलिस सभी छात्रों और शैक्षणिक संस्थानों को याद दिलाना चाहती है कि किसी भी रूप में रैगिंग, शैक्षणिक संस्थानों के भीतर और बाहर दोनों जगह सख्ती से प्रतिबंधित है। तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम, 1997 के तहत रैगिंग एक गंभीर और दंडनीय अपराध है।

अधिनियम की धारा 4 में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जो नुकसान पहुंचाने के इरादे या जानकारी के साथ रैगिंग में शामिल होता है या उसे बढ़ावा देता है, उसे अपराध की गंभीरता के आधार पर छह महीने से लेकर दस साल तक की कैद का सामना करना पड़ेगा।

तेलंगाना रैगिंग निषेध अधिनियम, 1997 की धारा 4 के तहत दोषी ठहराए गए और कैद किए गए किसी भी छात्र को उनके शैक्षणिक संस्थान से बर्खास्त कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में जहां कारावास छह महीने से अधिक है, दोषी छात्र को किसी अन्य शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से रोक दिया जाएगा। साइबराबाद पुलिस इस सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में एंटी-रैगिंग पर सक्रिय रूप से जागरूकता कार्यक्रम चला रही है।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की श्रावण सैर आयोजित

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा कि श्रावण की सैर थिममापूर कोतूर के पास स्थित पेपिरास पोटं रिसोट में बड़े धूमधाम से आयोजित की गयी। शाखा के डेढ़ सौ परिजनों ने इसमें भाग लिया तथा प्रातः अल्पाहार का आनंद उठाते हुए स्विमिंग पूल, रेन डान्स, इंडोर एवं आउटडोर गेम्स में भी भाग लिया।

दोपहर के भोजन के पश्चात् शाखा की बैठक में सर्वप्रथम श्री अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना वे सामूहिक प्रार्थना की गई। तत्पश्चात् अध्यक्ष पंकज कुमार संघी नें सभी का स्वागत किया तथा श्रावन की सैर के बारे में विस्तार से सब को अवगत कराया। तत्पश्चात शिव कुमार अग्रवाल ने अपने कविता पाठ से सबका मन मोह लिया। शाखा की 25वीं वर्षगांठ पर साधारण सभा में सभी पूर्व

अध्यक्षों का सम्मान किया गया था जिसमें श्याम सुंदर अग्रवाल की अनुपस्थिति थी, उनका सम्मान आज श्रावण की सैर में किया गया। अगस्त माह में जिस किसी की जन्मदिन था उसको गिफ़्ट दिया गया। तत्पश्चात महाराजा अग्रसेनजी के बारे में दो ग्रुप में प्रश्नावली प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें सभी लोगों ने बड़े हर्षोल्लास से भाग लिया एवं विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। रेखा अग्रवाल तथा नीता मोदी ने सभी को तम्बोला खिलाया। मंच का संचालन श्याम सुंदर अग्रवाल और दिनेश गोयल ने किया। अवसर पर लकी ड्रॉ द्वारा पाँच चाँदी के सिक्के भेंट किए गए जिसके प्रायोजक शाखा के परामर्शदाता चंद्रमोहन अग्रवाल रहे। युवा मोर्चा द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मैच टाई पर समाप्त हुआ। अवसर पर पंकज कुमार संघी, प्रदीप बंसल, अशोक कुमार अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, शैलेश अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद मोदी, चंद्रमोहन अग्रवाल, श्यामसुन्दर अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल, संजीव गोयल, नितिन अग्रवाल, निश्चित अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, नीता मोदी, उषा मोदी, अर्चना बंसल, ईशा मोदी, रितिका, ज्योति, कृष्णा गोयल, नियति संघी, वनीता अग्रवाल, निर्मला चंडालिया, नेहा अग्रवाल, मीना, शारदा बाई, मधु अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

बिहार महिला शक्ति की सावन की सैर में गूंजे कजरी गीत, पारंपरिक नृत्यों पर झूमी महिलाएं

हैदराबाद, 13 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद की इकाई बिहार महिला शक्ति ने रविवार 11 अगस्त को समर ग्रीन रिसॉर्ट शामिरपेट हैदराबाद में बड़े हर्ष उल्लास के साथ सावन की सैर का आयोजन सम्पन्न किया। बिहार महिला शक्ति की महासचिव डॉ. आशा मिश्रा ने प्रेस को बताया कि यह आयोजन महिलाओं एवं बच्चों के लिए गत कई वर्षों से सावन के महीने में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता रहा है। सावन का महीना भारतीय संस्कृति में बहुत मायने रखता है इसलिए शहरद्वय के प्रवासी बिहारी महिलाओं ने पूर्ण उत्साह के साथ इसमें भाग लिया।

कार्यकारिणी सदस्य पिंकी सिंह एवं परामर्शदाता सुधा राय ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। रिसॉर्ट में पधारकर एक दूसरे से परिचय के उपरांत सर्व प्रथम महिलाओं ने रिसॉर्ट की सैर की। तत्पश्चात् निभा झा के साथ सभी महिलाओं ने बिहार की पारंपरिक कजरी गीत एवं लोक नृत्य पर झूमते हुए इसका आनंद लिया। नीजू सिंह के निर्देशन में महिलाओं एवं बच्चों के लिए पासिंग द पार्सल, म्यूजिक गेम एवं बच्चों के लिए इन एंड आउट आदि खेलों का आयोजन किया गया। महिलाओं के खेलों की विजेता कल्पना चौधरी, प्रेमशीला सिंह एवं उर्मिला गुप्ता रहीं एवं बच्चों में आराध्या प्रणय, निश्चय, अयान और देवांशी ने पुरस्कार जीता। सभी विजेताओं को नीतू मौर्या एवं उषा कुमारी के सौजन्य से एवं महिला शक्ति की ओर से पुरस्कार वितरित किए गये। बिहार की संस्कृति को बनाये रखते हुए सभी महिलाओं को अनीता सिंह ने हरी चूड़ियाँ, बिंदी, आलता आदि भेंट कीं। भोजनोपरान्त महिलाओं ने रिसॉर्ट प्रदत्त पानी के खेल, स्विमिंग, झूला आदि का आनंद लिया। सुधा राय ने सबको धन्यवाद दिया। बिहार एसो-सीएशन हैदराबाद द्वारा अगले दिन आयोजित होनेवाले काँवर यात्रा के संबंध में डॉ. आशा मिश्रा ने सूचना दी और उसमें सभी को शामिल होने की गुज़ारिश की। उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त बिनीता सिंह, पूनम सिंह, सुनीता यादव, हेमा सिंह, मधु सिंह, नीलम सिंह, अंजू श्रीवास्तव, आशा नाथ, सोनी, बेबी झा, निवेदिता श्रीवास्तव, रेशा, नीता राय, रजनी श्रीवास्तव, कोमल, उर्मिला, नंदिनी, उषा, सुमित्रा, सरोज सिंह, प्रेमशीला सिंह आदि उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग किए। सायं अल्पाहार और चाय के उपरांत ये सावन की सैर समाप्त हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.